रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने बरता संयम - 12

सोने की चमक बरकरार इस साल दिया 67 प्रतिशत रिटर्न - 12

बेनिन में सैनिक विद्रोह तख्तापलट की भी कोशिश लेकिन विफल रहे - 13

स्मृति मंधाना और पलाश मुछाल ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की - 14

आज का मौसम 23.0° अधिकतम तापमान 11.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 06.52 सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष चतुर्थी 04:03 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 8 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 14, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रधानमंत्री आज वंदे मातरम् पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे। इसमें राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना है। लोकसभा में 'राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा' सोमवार के लिए सूचीबद्ध है और इस पर बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस चर्चा में दूसरे वक्ता होंगे। इस चर्चा में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। संसद में यह चर्चा, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित और जदुनाथ भट्टाचार्य द्वारा संगीतबद्ध वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोह का हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर 1937 में इस गीत से प्रमुख छंदों को हटाने और विभाजन के बीज बोने का आरोप लगाया था। सात नवंबर को, मोदी ने वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोहों की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के बीच इस गीत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को राज्यसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे और स्वास्थ्य मंत्री एवं राज्यसभा के नेता जे पी नड्डा दूसरे वक्ता होंगे। लोकसभा में चुनाव सुधारों पर भी चर्चा होगी।

- राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना
- 150वीं वर्षगांठ पर बहस के लिए 10 घंटे का समय किया गया निर्धारित

एनसीएमसी कार्ड एक, यात्रियों को फायदे अनेक

- एनसीएमसी कार्ड में अयोध्या और काशीधाम दिखेगा
- ओपेन लूप सिस्टम से जुड़ी सभी प्रणालियों में हो सकेगा उपयोग

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: परिवहन निगम प्रबंधन का ड्रीम प्रोजेक्ट एनसीएमसी कार्ड (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) जनवरी माह के अंत तक आ जाएगा।

परिवहन निगम प्रबंधन इसकी तैयारी पूरी कर चुका है। इस कार्ड का यात्री न केवल रोडवेज बसों में बल्कि मेट्रो व नगर बसों में भी इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। सिर्फ यूपी ही नहीं देश में जहां भी ओपेन लूप प्रणाली से सार्वजनिक परिवहन जुड़ा है, यह कार्ड वहां भी काम करेगा। कार्ड का प्रारूप आ गया है। एसबीआई की मदद से यह कार्ड विभिन्न सेवाओं में 'रन' करेगा। कार्ड में अयोध्या के राममंदिर और बाबा काशी विश्वनाथ के मंदिरों की झलक दिखाई देगी।

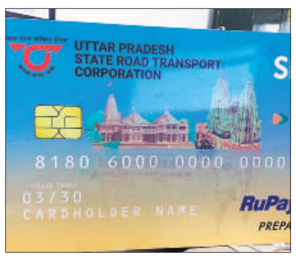

कार्ड उपलब्ध कराएगा ये सहूलियतें

जिस सिस्टम पर चल रही होगी ओपेन लूप प्रणाली सभी में इस कार्ड का उपयोग हो सकेगा। इसके जरिए यात्री रोडवेज, नगर बसों, मेट्रो आदि में कैशलेस टिकट प्राप्त कर सफर कर सकेंगे। सिर्फ यही नहीं इसके माध्यम से दिल्ली मेट्रो समेत यूपी और देश के विभिन्न सार्वजनिक परिवहन वाहनों में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस कार्ड में यात्री अपनी आवश्यकतानुरूप पैसा भी भरवा सकेगा। अपनी जरूरत के मुताबिक पैसा रखकर इससे शॉपिंग भी की जा सकेगी।

रोडवेज बसों में यात्री कर सकेंगे इसका उपयोग

प्रदेश परिवहन निगम के पास अनुबंधित और स्वयं बसों का बेड़ा करीब 13,000 से अधिक है। इन सभी में यात्रा के दौरान इस कार्ड का उपयोग किया जा सकेगा। टिकट मशीनों में इसका इस्तेमाल किया जाएगा। चरणबद्ध तरीके से इसे लागू किया जाएगा। पहले चरण में लखनऊ और गाजियाबाद क्षेत्र में बतौर ट्रायल इसकी शुरुआत की जाएगी। इसके बाद पूरे प्रदेश में इसे लागू कर दिया जाएगा।

यात्रियों के लिए परिवहन निगम का यह कैशलेस कार्ड काफी लाभप्रद होगा। इसका उपयोग यात्री मेट्रो, नगर बस, रोडवेज समेत तमाम अन्य सेवाओं में कर सकेंगे। खास बात यह है कि देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के जिन प्रांतों में ओपेन लूप सिस्टम लागू है, वहां भी इस कार्ड की उपयोगिता होगी।

-**यजुवेंद्र कुमार**, प्रधान प्रबंधक, आईटी एवं पीपीपी

परिवहन निगम प्रबंधन इस कार्ड को अंतिम रूप दे चुका है। प्रदेश सरकार जनवरी माह से यह तोहफा यात्रियों को उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री से समय मांगा जा रहा है। इस एक कार्ड से यात्री अनेक फायदे ले सकेगा।

-**दयाशंकर सिंह**, परिवहन मंत्री उप्र.

ब्रीफ न्यूज

बाला जी मंदिर में लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर के कोतवाली थाना क्षेत्र में सद्भावनानगर की फ्लोरिडोल कॉलोनी में स्थित मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में रविवार को तड़के चोर लाखों रुपये के सोने चांदी के आभूषण और नकदी चुराकर ले गया। चोरों ने बालाजी की प्रतिमा से करीब सवा किलो चांदी के दो छत्रों को उखाड़ लिया। इसके अलावा मंदिर के अंदर कार्यालय में रखी लोहे की अलमारी को तोड़कर करीब नौ तोले सोने का एक हार, सोने का एक छत्र, चांदी के विभिन्न आकारों के कई छत्र, कुछ नकदी और बालाजी के दरबार में रखे दान-पात्र से चढ़ावा राशि चुरा ली। कुल मिलाकर इस चोरी का अनुमानित मूल्य 20 से 25 लाख बताया जा रहा है।

डोडा में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के घने जंगल में रविवार को एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ कर एक राइफल और गोला-बारूद बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने थाथरी के भल्लारा वन क्षेत्र में संयुक्त रूप से अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जंगल के अंदर एक ठिकाने से एक राइफल, उसकी दो मैगजीन और 20 राउंड बरामद किए गए।

गोवा के नाइट क्लब में आग, पांच पर्यटकों समेत 25 जिंदा जले

डांस फ्लोर पर चल रहे थे इलेक्ट्रिक पटाखे, मृतकों में 2 उत्तर प्रदेश के निवासी

- डांस फ्लोर पर थे 100 से ज्यादा पर्यटक मरने वालों में 20 क्लब के कर्मचारी
- क्लब के महाप्रबंधक समेत चार गिरफ्तार सीएम ने गठित की जांच कमेटी

पणजी, एजेंसी

गोवा के नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन में शनिवार आधी रात के बाद अचानक लगी आग से 25 लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में 5 पर्यटक और 20 क्लब के कर्मचारी हैं। छह लोगों की हालत नाजुक है। घटना उस समय हुई जब नाइट क्लब पर्यटकों से भरा हुआ था और डांस फ्लोर पर 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे।

सूची के अनुसार आग में मारे गए पांच पर्यटकों में से चार दिल्ली के थे, जिनमें एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल थे। पांचवां पर्यटक कर्नाटक का था। मृतकों में से 20 नाइटक्लब के कर्मचारी थे, जिनमें उत्तराखंड के पांच, नेपाल के चार, झारखंड और असम के तीन-तीन, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के दो-दो और पश्चिम बंगाल का एक व्यक्ति शामिल है। उत्तराखंड के मृतकों की पहचान जितेंद्र सिंह, सतीश सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुमित नेगी और मनीष सिंह के रूप में हुई है। उत्तर प्रदेश के रोहन सिंह और सुनील कुमार भी शामिल हैं।

उत्तरी गोवा जिले में नाइट क्लब में जले हुए अवशेष मिले, जहां शनिवार आधीरात के बाद आग लग गई थी।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि अंदर इलेक्ट्रिक पटाखे फोड़े गए थे, जिससे आग लगी। क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और द्वार प्रबंधक रियांशु ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव डॉ. वी. कैंडावेलू और डीजीपी आलोक कुमार को दोषी सरकारी अधिकारियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने नाइट क्लब अग्निकांड की जांच के लिए समिति गठित की है। ये समिति एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देगी।

यह नाइट क्लब राजधानी पणजी से लगभग 25 किलोमीटर दूर अरपोरा में स्थित है। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 5 पर्यटक और 20 कर्मचारी शामिल हैं। इसी बीच सीएम ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं ताकि कारण का पता लगाया जा सके और जिम्मेदारी तय की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आग क्लब की पहली मंजिल पर लगी थी और भीड़भाड़ होने एवं छोटे दरवाजों के कारण ग्राहक बाहर नहीं निकल सके।

राष्ट्रपति- प्रधानमंत्री ने अग्निकांड पर शोक जताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने इस घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को पचास-पचास हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को पांच लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

प्रसाद में मिली अंगूठी तो श्रीकृष्ण की मूर्ति से की शादी

संवाददाता, इस्लामनगर(बदायूं)

अमृत विचार : बदायूं का इस्लामनगर शनिवार रात एक अनोखे विवाह का गवाह बना। यहां एक युवती ने भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति के साथ सात फेरे लिए और वरमाला भी पहनाई। ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। रविवार सुबह विदाई हुई। युवती उसी गांव निवासी बहनोई के घर चली गई। परिजनों ने बताया वृंदावन में दर्शन के दौरान सोने की अंगूठी मिलने पर युवती ने कान्हा से शादी करने का संकल्प लिया था। वहीं पिंकी शर्मा आने वाले दिनों में वृंदावन जाकर श्रीकृष्ण की सेवा में अपना जीवन बिताना चाहती है।

इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव ब्यौर कासिमाबाद निवासी पोस्ट ग्रेजुएट पिंकी शर्मा (28) ने शनिवार रात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति के साथ हिन्दू रीति- रिवाज से विवाह किया। घर को सजाया गया था। युवती का बहनोई पक्ष बराती बना। सौ बराती कान्हा की मूर्ति के साथ आए। जिसके बाद गांव के प्राथमिक विद्यालय में मंडप में सात फेरे हुए। हवन-पूजन, मंत्र उच्चारण और विधि-विधान के साथ पिंकी शर्मा ने कान्हा की मूर्ति को वरमाला पहनाई। विवाह के दौरान दावत हुई। जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। रविवार को पिंकी शर्मा की विदाई हुई।

श्रीकृष्ण की मूर्ति के साथ पिंकी।

वह कान्हा की मूर्ति लेकर बहनोई के घर चली गईं। जहां द्वार पूजा हुई। पिंकी शर्मा ने कहा कि उन्हें कान्हा से बचपन से ही गहरा लगाव है। वह एक साल पहले दर्शन करने के लिए वृंदावन गई थीं। जहां प्रसाद के रूप में सोने की अंगूठी मिली, जो शुभ संकेत है। जिसे कान्हा का आशीर्वाद मानकर उनके साथ विवाह का संकल्प लिया। इसके अलावा कई दिनों से उन्हें सपना आ रहा था। कान्हा ने सपने में दो बार उन्हें वरमाला पहनाई थी। जब समाज और रिश्तेदार उन पर शादी करने का दबाव बना रहे थे तो उन्होंने किसी युवक की बजाय कान्हा से ही शादी करने का निर्णय लिया था। इसलिए कान्हा को अपना जीवनसाथी बना लिया है।

गले में फंसी टॉफी, दम घुटने से ढाई साल के बच्चे की मौत

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

अमृत विचार: नहटौर क्षेत्र के ग्राम चक गोवर्धन में गले में टॉफी फंसने से ढाई साल के बच्चे की मौत हो गई। परिवार में कोहराम मच गया। गांव के शमशाद का पुत्र शाफैज शनिवार दोपहर घर में खेल रहा था। इसी दौरान उसने टॉफी खा ली, जो गले में फंस गई। उस वक्त वहां कोई परिजन नहीं था। सांस रुकने से वह छटपटाते हुए बेहोश होकर गिर पड़ा। बच्चे के गिरने की आवाज पर परिजन उसे सीएचसी नहटौर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जिंदगी की आस में परिजन उसे धामपुर के एक निजी अस्पताल भी ले गए, लेकिन वहां भी डॉक्टर ने निराशा जाहिर कर दी। बच्चे की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। शमशाद ने बताया कि घर पर काफी कोशिश के बाद भी टॉफी नहीं निकाली जा सकी तो अस्पताल ले गए।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष कुमार आर्य ने अभिभावकों से अपील की कि छोटे बच्चों को सख्त टॉफी, पॉपकॉर्न, च्युइंग गम, मूंगफली, अंगूर तथा छोटे आकार वाले खाद्य पदार्थ बिना निगरानी के न दें।

मां के आंचल में सो रहे चार माह के बच्चे को उठा ले गया भेड़िया

कैसरगंज(बहराइच)। कैसरगंज थाना क्षेत्र में स्थित गोड़हिया नंबर 3 के मजरे मल्लाहनपुरवा में शनिवार देर रात एक बजे घर में घुसकर भेड़िया मां के आंचल में सो रहे चार माह के बच्चे सुभाष को उठा ले गया। वनविभाग की टीम ग्रामीणों के साथ मिलकर सर्च अभियान चला रहीं हैं।

परिवार और ग्रामीण बच्चे की तलाश में जुटे हुए हैं। लेकिन अब तक उसका कोई पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में भेड़ियों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासन से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देने की मांग की जा रही है। वहीं बहराइच वन प्रभाग के डीएफओ राम प्रकाश यादव का कहना है कि घटना के बाद से ही वन विभाग की टीमें सर्च अभियान चला रही हैं पर अभी कोई सफलता नहीं मिली है। बता दें कि वन्यजीवों के हमले में अब तक दस लोगों की मौत हो चुकी है और 32 लोग घायल हुए हैं।

रविवार को 1650 पहुंची इंडिगो की उड़ानें

- तेजी से सामान्य हो रहे हालात इंडिगो ने अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड पूरा किया

मुंबई, एजेंसी

इंडिगो ने रद्द या अत्यधिक विलंबित उड़ानों के लिए अब तक 610 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली है और शनिवार तक 3,000 नग सामान यात्रियों तक पहुंचा दिया गया है। सरकार ने बताया कि विमानन नेटवर्क तेजी से सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है और परिचालन पूरी तरह स्थिर होने तक सभी सुधारात्मक कदम लागू रहेंगे।

नागर विमानन मंत्रालय ने अपनी विज्ञप्ति में कहा कि इंडिगो अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर चुका है। रद्द उड़ानों से प्रभावित यात्रियों के यात्रा पुनर्निर्धारण में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की सहायता के लिए विशेष सहायता केंद्र बनाए गए हैं, ताकि रिफंड और दोबारा बुकिंग से जुड़े मुद्दों का त्वरित समाधान हो सके। इंडिगो की उड़ानें शुक्रवार को 706 से बढ़कर शनिवार को 1,565 हो गईं और रविवार को उड़ानों की संख्या 1,650 तक पहुंच गयी।

इंडिगो के बोर्ड ने संकट प्रबंधन समूह का गठन किया

मुंबई। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के बोर्ड ने एक संकट प्रबंधन समूह का गठन किया है, जो हालात की निगरानी के लिए नियमित रूप से बैठक कर रहा है। एयरलाइन ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इसमें कहा गया कि कंपनी का निदेशक मंडल ग्राहकों को हो रही परेशानियों का समाधान करने और यात्रियों को रिफंड सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

विद्युत बिल राहत योजना में बढ़ा लाभ का दायरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले बकाएदार भी होंगे लाभान्वित

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में विद्युत बिल राहत योजना में उपभोक्ताओं को मिलने वाले लाभ का दायरा और बढ़ा दिया गया है। ऐसे में अब 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले बकाएदार भी लाभान्वित होंगे। अधिकतम लोगों को राहत देने के मद्देनजर राज्य सरकार ने यह संवेदनशीलता दिखाई है।

दरअसल, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देशों के क्रम में अब 30 नवंबर 2025 तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक बोझ में बड़ी कमी आएगी। पहले 31 मार्च के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। जिलों के दौरे और विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, फिर भी उनका काफी बकाया शेष है।

वन्यजीव

जंगल में इन दिनों पर्यटक न सिर्फ हाथी, गैंडे और बारहसिंघे देख रहे हैं, बाघों की झलक भी बार-बार देखने को मिल रही है

पर्यटकों को खूब भा रहे दुधवा-पीटीआर, हो रही बाघों की साइटिंग

संवाददाता, लखीमपुर/ पीलीभीत

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क और पीटीआर का नया पर्यटन सीजन शुरू होते ही बाघ प्रेमियों की किस्मत खूब चमक रही है। दुधवा पार्क के जंगल के हर कोने में इन दिनों पर्यटक न सिर्फ हाथी, गैंडे और बारहसिंघे देख रहे हैं, बल्कि खूबसूरत और ताकतवर बाघों की झलक भी बार-बार देखने को मिल रही है।

अब तक दर्जनों बार दिखा बाघ : दुधवा टाइगर रिजर्व प्रशासन के अनुसार, इस सीजन में अब तक दर्जनों बार बाघों, तेंदुओं और गैंडे जैसे दुर्लभ वन्यजीवों की साइटिंग हो चुकी है। वनकर्मी भी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि पर्यटकों को रोमांचक अनुभव के साथ-साथ सुरक्षा का भी पूरा भरोसा मिल सके। दुधवा आने वाले सैलानियों के लिए यह बाघ दर्शन किसी जंगल सफारी बोनस से कम नहीं था। नजदीक से देखे गए इस शेर-ए-दुधवा की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे पर्यटकों में दुधवा घूमने का उत्साह और बढ़ गया है।

दुधवा पार्क की दक्षिण सोनारीपुर रेंज में दिखे बाघ।

पीटीआर में शावकों संग अठखेलियां करती दिखी बाघिन

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भी सैलानियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रकृति को करीब से निहारने एवं बाघों के दीदार करने के लिए सैलानी पहुंच रहे हैं। शनिवार शाम शावकों के साथ अठखेलिया करती बाघिन के दीदार होने पर सैलानी खासे उत्साहित दिखे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र बीते 1 नवंबर से शुरू किया गया था। बीते माह में 4500 से अधिक सैलानी पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंचे थे। वहीं 30 दिन के अंदर 70 से अधिक विदेशी सैलानियों ने भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व में दस्तक दी थी। रविवार को दिनभर में 300 से अधिक सैलानी टाइगर रिजर्व पहुंचे। महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव ने बताया कि रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण सैलानियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

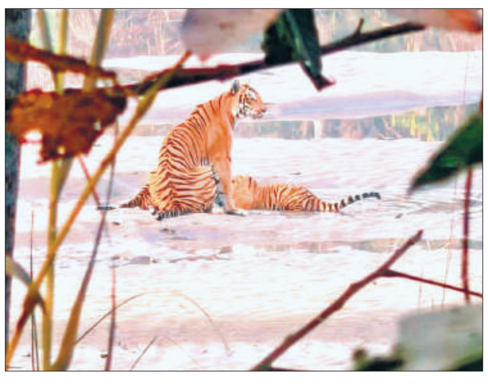

अमृत विचार

बरेली, सोमवार,8 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

जहरीला पदार्थ खाने से महिला की हालत गंभीर

तिलहर, अमृत विचार : क्षेत्र के एक गांव में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक विवाहित महिला ने किसी बात को लेकर घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। सुबह करीब 8 बजे अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो परिजन घबराकर उसे सीएचसी लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार दिया और तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

किसान नेता के बाबा का निधन, जताया शोक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय किसान मज़दूर संगठन (सरदार वीएम सिंह) के तहसील महासचिव सचिन मिश्रा के बाबा राम आसरे मिश्रा का रविवार को देहांत हो गया। वह 90 वर्ष के थे। सचिन मिश्रा ने बताया कि उनके बाबा राम आसरे मिश्रा का अंतिम संस्कार सोमवार, 8 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे गांव सतवां बुजुर्ग तहसील पुवायां में होगा।

दो दिन में स्कूलों में पहुंच जाएंगे प्रश्नपत्र

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जिले के परिषदीय विद्यालयों में कक्षा एक से आठ तक के छात्रों की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं 10 दिसम्बर से होना है। विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। बीएसए के मुताबिक, अगले दो दिनों में परीक्षा के प्रश्नपत्र एबीएसए के माध्यम से स्कूलों में पहुंच जाएंगे। उत्तर पुस्तिकाएं खरीदने समेत स्टेशनरी की व्यवस्था में प्रधानाध्यापक जुटे हैं। उत्तर पुस्तिकाएं खरीदने के लिए प्रति छात्र 3 से 4 रूपए कम्पोजिट ग्रांट के रूप में उपलब्ध कराए जाते हैं। अगले दो दिनों में परीक्षा की तैयारी कराने का प्रधानाध्यापकों पर दबाव है। में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिव्या गुप्ता ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं की तैयारी में एबीएसए को लगाया गया है। प्रश्न पत्र भी तैयार हैं। दो दिनों में एबीएसए के माध्यम से स्कूलों में पहुंच जाएंगे।

पुलिस लाइन में चिकित्सा शिविर लगा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में रविवार की सुबह 9 बजे से एक बजे तक पुलिस लाइन परिसर में होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर वामा वेलनेस कैंप के अंतर्गत लगाया गया। पुलिस विभाग के अधिकारियों और पुलिस परिवार के बच्चों तथा रिक्रूट महिला आरक्षियों का चिकित्सा परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार आदि की बीमारियों की निशुल्क दवा वितरित की। खान-पान एवं जीवन शैली संबंधी आवश्यक परामर्श प्रदान की गयी। शिविर में सीओ लाइन आदि रहे।

नेपाली हाथियों के झुंड ने जमकर मचाया उत्पात

बरबटपुर और राठ गांव में हजारों बीघा गेहूं व गन्ना की फसल रौंदी, वन विभाग की टीम ने रविवार को पहुंचकर की जांच

संवाददाता, खुटार

अमृत विचारः नेपाल से जंगल होते हुए खुटार पहुंचे नेपाली हाथियों के झुंड ने शनिवार रात को बरबटपुर और राठ गांव से लेकर गेहूंआ तक अपने पैरों तले गन्ना और गेहूं की फसलों को रौंद डाला है। इससे कई किसानों की फसल नष्ट होने से काफी नुकसान हुआ। रविवार सुबह खेतों पर किसान पहुंचे तो हाथियों के पैरों के निशान मिले। इससे हाथियों के आने-जाने की जानकारी हो पाई। सूचना पर वन विभाग की टीम पहुंची और बारीकी से जांच की। वन विभाग का दावा है कि हाथियों का झुंड बरबटपुर, राठ, रायपुर, महेशापुर, अठकोना, गेहुंआ में दस्तक देने के बाद वापस बरबटपुर जंगल में चला गया। हालांकि, वन विभाग की टीम ने किसानों से बातचीत कर सतर्कता बरतने की अपील भी की है। साथ ही हाथियों के आने की सूचना तत्काल देने की बात कही है। जांच करने के बाद टीम वापस लौट गई।

बता दे कि नेपाल के शुक्लाफंटा सेंचुरी से करीब 15 से अधिक हाथियों का झुंड हर साल जंगल से होते हुए पीलीभीत और शाहजहांपुर की सीमा में प्रवेश करता हैं। जंगल से सटे गांवों किनारे खेतों को अपना निशाना बनाकर फसलों को तबाह करते हैं। जिससे तमाम किसानों को काफी नुकसान पहुंचता है। ग्रामीणों की मानें तो शनिवार रात 11 से 12 बजे के बीच नेपाली हाथियों का झुंड बरबटपुर जंगल से निकलकर राठ, महेशापुर, रायपुर, अठकोना, गेहूंआ पहुंचा। इन गांवों से निकले हाथियों ने अपने पैरों से खेतों में खड़ी गन्ने और गेहूं की फसल को तबाह कर दिया। बाद में हाथी इसी रास्ते से वापस जंगल में चले गए। रविवार सुबह किसान खेतों की तरफ पहुंचे तो पता चल सका। सूचना पर वन दरोगा रोहित पांडेय, वनरक्षक संतोष गौड़, दाताराम, संदीप, सहदेव वनकर्मी मौके पर पहुंचे और खेतों में मिले पगमार्कों की जांच की। वनरक्षक संतोष गौड़ ने बताया कि हाथियों का झुंड वापस जंगल में चला गया है। ग्रामीणों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। इसके अलावा टीम निगरानी कर रही है।

हाथियों ने कुछ इस तरह से गन्ने की फसल तहस-नहस कर दी। ● अमृत विचार

खेत में मिले हाथियों के पगचिह्न।

हाथियों द्वारा रौंदी गई गेहूं की फसल । ● अमृत विचार

> सूचना पर टीम को भेजा गया था। जांच कराई गई है। उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत करा दिया गया है।
> -डॉ. सुशील कुमार, एसडीओ वन विभाग

राजस्व टीम ने की जांच, मिलेगा मुआवजा

वनरक्षक संतोष गौड़ ने बताया कि हाथियों के समूह से जिन किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है। उसकी जांच कर इसकी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को दी जाएगी। बाद में राजस्व विभाग की टीम जांच करेंगी। बाद में किसानों को फसलों के नुकसान होने का मुआवजा मिल सकेगा। हालांकि, रविवार सुबह दस बजे टीम ने जांच की है और किसानों से सतर्क रहने के लिए कहा गया है। किसानों ने बताया शनिवार रात को बरबटपुर जंगल से हाथियों का झुंड राठ से होते हुए रायपुर, अठकोना, गेहुंआ पहुंचा और वापस फिर से उसी रास्ते से जंगल में चला गया। इससे कुंभिया माफी गांव की तरफ हाथियों का झुंड नहीं पहुंच सका और खेतों में फसलों का नुकसान होने से बच गया। हालांकि, किसान निगाह रखे हुए हैं।

पांच साल से हाथियों का झुंड दे रहा दस्तक

नेपाल के शुक्लाफंटा सेंचुरी से हाथियों का समूह जंगल होते हुए पीलीभीत और शाहजहांपुर की सीमा में करीब वर्ष 2021 से अब तक दस्तक देता आ रहा है। इससे कई किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है और मुआवजा की मांग उठा चुके हैं। लेकिन वन विभाग और राजस्व टीम जांच करने के बाद किसानों को मुआवजा दिलाने में कोई अहम भूमिका नहीं निभाती है। हालांकि, किसानों को फसल नुकसान होने की उम्मीद प्रशासन से रहती है। नेपाली हाथियों के झुंड ने बरबटपुर, महेशापुर, अठकोना, रायपुर और गेहुंआ में फसलों को बर्बाद किया है। जनपद लखीमपुर खीरी के कस्बा मोहम्मदी के गांव पड़सर निवासी प्रदीप वर्मा का खेत महेशापुर, अशोक वर्मा, राम लड़ैते, राजू वर्मा, गेहुंआ निवासी रामप्रकाश मिश्रा, राठ निवासी कमलेश वर्मा, अशोक वर्मा व तमाम किसानों की फसलें बर्बाद हुई है।

निरीक्षण करने पहुंचीं सीडीओ, पंचायत घर पर मिला ताला

शाहजहांपुर, अमृत विचारः सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह शनिवार को ग्राम पंचायत इन्देपुर कांट के निरीक्षण के लिए पहुंचीं। मौके पर पंचायत भवन पर ताला मिला। कार्यालय बंद पाकर वह वापस लौटीं। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर सचिवालय के रूप में कार्य करने वाला पंचायत कार्यालय बंद होना अत्यन्त गंभीर मामला है। इस पर उन्होंने संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के आदेश दिए। ग्राम पंचायतों में सेवाओं का सुचारू संचालन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान बंद मिला पंचायत घर।

बिहार के किसानों ने देखी नवाचार खेती

गंगानगर कृषि फार्म पर अंत :फसल मॉडल का अवलोकन करते किसान दल के सदस्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः गंगानगर स्थित कृषि फार्म पर आज गन्ना शोध परिषद के प्रसार अधिकारी डॉ. संजीव पाठक के साथ बिहार के 40 सदस्यों का दल पहुंचा, जहां उन्होंने फार्म पर हो रहे विविध नवाचारों का निरीक्षण किया। दल ने गन्ने के साथ टमाटर, गेंदा, शिमला मिर्च, चुकंदर, लहसुन, मटर, ब्रोकली, फूल गोभी, बंद गोभी, चना, मसूर, सरसों, काला आलू, लाल आलू तथा पतली मिर्च की अंतःफसली खेती के प्रयोगों को करीब से देखा। साथ ही मिनी स्प्रिंकलर सिस्टम, सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई, वेदर स्टेशन, ड्रैगन फ्रूट, काली हल्दी सहित समस्त गन्ना प्रजातियों का विस्तृत अवलोकन किया।

- 40 सदस्यीय दल ने की सराहना किसानों ने अंत :फसलों को व्यवहारिक लाभदायक बताया

निरीक्षण के दौरान किसानों एवं दल के सदस्यों ने गन्ना उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की तथा फार्म पर अपनाए गए मॉडल को बेहद उपयोगी बताया। फार्म के नवाचार, स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली और मल्टीलेयर पॉलीहाउस तकनीक से वे विशेष रूप से प्रभावित हुए। सभी सदस्यों ने कहा कि वे भी इसी तरह गन्ने के साथ अंतःफसली खेती अपनाकर उत्पादन बढ़ाने की दिशा में कदम उठाएंगे। दल ने फार्म प्रबंधन को विहार आने का निमंत्रण भी दिया।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, बिजली गुल

तिलहर, अमृत विचार : रविवार सुबह नगर में पूर्वी तिराहे के पास एक ट्रांसफॉर्मर में भीषण आग लग गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और बिजली सप्लाई बंद कराकर आग पर काबू पाया। आग लगने से कस्बे के कई मोहल्लों की बिजली गुल हो गई। विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त लाइन को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया है। जेई कृपांशु ने बताया कि जल्द ही विद्युत आपूर्ति को सुचारू कर दिया जाएगा।

ट्रांसफार्मर से उठतीं लपटें।

यात्रा के दौरान चालक नहीं चलाएंगे फोन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः ठंड बढ़ते ही रोडवेज प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। रोडवेज बस अड्डे की व्यवस्था, बसों की फिटनेस और चालक-परिचालकों के कार्य व्यवहार की जांच के लिए निरीक्षण अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान कई कमियां सामने आईं, जिन्हें तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए अब बस चालक यात्रा के समय मोबाइल का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं कर पाएंगे।

नए नियम के अनुसार बस रवाना होने से पहले चालक अपना मोबाइल रोडवेज कर्मियों के पास जमा कराएंगे और यात्रा पूरी होने पर ही वापस मिलेगा। यदि कोई चालक बस संचालन के दौरान मोबाइल पर बात करते पकड़ा गया तो कार्रवाई तुरंत होगी। यही नियम एसएमएस-सिटी बस चालकों पर भी लागू रहेगा।

बस अड्डे पर खड़ी रोडवेज की बसें। ● अमृत विचार

आरएम अरुण कुमार के निर्देश पर एआरएम रमेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने बस अड्डे का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों की जांच की थी।

जांच के बाद उन्होंने बताया कि कोहरे वाले मौसम को देखते हुए रात में चलने वाली सभी बसों पर अतिरिक्त रेडियम पट्टियां लगाई जाएंगी ताकि सड़क पर उनकी दृश्यता बढ़ सके। साथ ही फाग लाइट, टायर, वाइपर और इंजन की कार्यप्रणाली की भी जांच की गई। बसों में फर्स्ट एड बॉक्स और अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रखने के आदेश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में चालक की लापरवाही के चलते हुई दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा करना जरूरी हो गया। भविष्य में नियम तोड़ने या सुरक्षा में चूक पाए जाने पर संबंधित चालक पर विभागीय कार्रवाई तय है।

रोडवेज प्रशासन ने यात्रियों से भी नियमों के पालन में सहयोग की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि बस चालक व कंडक्टर की सतर्कता सीधे यात्रियों की जान से जुड़ी होती है, इसलिए सभी मिलकर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें।

बाबा साहब को अर्पित किए श्रद्धा सुमन

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार : डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर पुवायां में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। एआरपी वीरपाल के आवास पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

कार्यक्रम में पुवायां विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी उपेंद्र पाल सिंह ने बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बाबा साहब के बताए आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस मौके पर सुबोध कनौजिया एडवोकेट, बृजेश कुमार, अजय कुमार कनौजिया, एआरपी सुनील कुमार, वीरपाल, दिनेश कुमार (अध्यापक), रामरतन लाल कनौजिया फौजी, अध्यापक सत्यप्रकाश, अध्यापक गजेंद्र सिंह, संजय राना, अध्यापक दीपक कुमार, राजेंद्र, अजीत कुमार एडवोकेट, राजकिशोर कनौजिया एडवोकेट, सचिन दीक्षित एडवोकेट, नीलेश पटेल, सुखदेव, नैतिक, नमन, राहुल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- बड़ी संख्या में मौजूद रहे लोग

बैठक में हुआ पेंशन पुनरीक्षण पर विचार विमर्श

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक लोदीपुर स्थित लान में सम्पन्न हुई। बैठक में केन्द्रीय 8 वें वेतन आयोग की परिधि से जनवरी-2026 के पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारी, शिक्षकों, पेंशनरों को छोड़े जाने से प्रदेश ही नहीं पूरे देश के करोड़ों पेंशनरों में चिन्ता व असंतोष है।

जिसके संदर्भ में आगामी 15 दिसम्बर को प्रान्तीय आह्वान पर धरना प्रदर्शन ज्ञापन कार्यक्रम तय है। जिसमें जिलाध्यक्ष अजय सिंह वर्मा ने प्रतिभाग करने की अपील की है। बैठक में अजयसिंह वर्मा, एम एम ए खान, जागेश कुमार पाली, सुशील सक्सेना, राम किशोर शर्मा, केके अग्निहोत्री, प्रतापनारायण अवस्थी, खालिद मजीद, रामसेवक शर्मा, रामदास भास्कर, नन्हे लाल, हरक सिंह बिष्ट, वाल किशन जियारी, महेन्द्रपाल, सत्येन्द्र कुमार, इफ्तिखार अहमद, हरि किशोर अग्निहोत्री, रामदास कश्यप, वालेश मिश्रा, विनोद गुप्ता, सवेश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

- पेंशनर्स ने आठवें वेतन आयोग से वंचित करने पर जाताया रोष

आईटीआई कालेज के सामने एलईडी लाइट लगवाने की मांग

शाहजहांपुर, अमृत विचार : तिलहर के मोहल्ला नईबस्ती निवासी कौशल कुमार गुप्ता ने डीएम को ज्ञापन देकर शिकायत करते हुए कहा कि मोहल्ला नई बस्ती में आईटीआई कालेज के सामने बिजली के खम्भे पर कोई एलईडी लाइट नहीं लगी है। जिससे रात्रि में चोरों को आशियाना मिलता है। प्रार्थना पत्र देने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। आईटीआई कालेज के सामने एलईडी लाइट लगवाने की मांग की। वहीं, सभासद राधा गुप्ता ने डीएम को पत्र देकर शिकायत करते हुए बताया कि कस्बा तिलहर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में अल्ट्रासाउण्ड की व्यवस्था नहीं है।

समस्याओं का निदान न होने पर पेंशनरों में रोष

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : पेंशनर्स कल्याण संस्था की मासिक बैठक पेंशनर कक्ष कोषागार में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता डा अरूण सक्सेना ने की।

बैठक में जनपद में शिक्षा विभाग के पेंशनर को नेशनल वेतन वृद्धि की प्रगति एवं कार्यवाही पर विचार विमर्श किया गया। आठवें वेतन आयोग के मिलने वाले लाभ पेंशनर्स को दिये जाने की स्थिति स्पष्ट न होने के कारण पेंशनर में काफी रोष व्याप्त है और सभी काफी परेशान हैं।

- बैठक वेतन वृद्धि की प्रगति व कार्रवाई पर की गई चर्चा

ओंकार नाथ शुक्ला ने 18 महीने का एरियर, रेलवे किराये में छुट की बहाली करने की मांग की। बैठक में पीके अग्निहोत्री, भूप सिंह, दिलीप कपूर, रामजीलाल वाजपेई, राजेश्वर तिवारी, मायावती, विष्णु प्रकाश गुप्ता, विजय लक्ष्मी, करुण कुमार त्रिपाठी, श्रीकान्त शुक्ला, पवनकुमार मिश्रा, अनीता मिश्रा, राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला, विजय कुमार देवल, रामकुमार तिवारी तथा कई लोग मौजूद रहे।

पेंशन व स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं के समाधान की मांग

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी की मासिक बैठक में पेंशन व स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई गई। सरोजकुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वरिष्ठ नागरिकों ने सेवसनिवृत् की पेंशन, स्वास्थ्य, बेसहारा पशुओं से सुरक्षा, गायों की देखरेख आदि समस्याएं उठाते हुए इनके निराकरण की मांग की। सचिव सुदेश कुमार गुप्ता ने संगठन में एकता, सदभाव, भाईचारा व वरिष्ठजनों का सम्मान करने बात रखी। बैठक मे देवेश त्रिपाठी, जागेश कुमार पाली, देवेन्द्र गुप्ता, रामलड़ेते, अतुल कुमार गुप्ता, रामसेवक शर्मा आदि ने विचार रखे। संचालन सुदेश गुप्ता ने किया। ओमकार सिंह, विनोद कुमार सक्सेना, रईसपाल सिंह, समीर सक्सेना, संजीव सक्सेना, संत कुमार विश्वकर्मा, विनोद कुमार अग्निहोत्री, प्रेम सिंह रहे।

सर्दी और कोहरे से जनजीवन प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः जिले में सर्दी का सितम जारी है। रविवार को मौसम में आई ठिठुरन के साथ न्यूनतम तापमान सामान्य दिनों की अपेक्षा गिरकर 10 डिग्री के आसपास पहुंच गया, वहीं अधिकतम तापमान 23 डिग्री रिकार्ड हुआ। सामान्य से दो डिग्री कम न्यूनतम और एक डिग्री कम अधिकतम तापमान के चलते सुबह की सर्द हवाओं ने लोगों को कंपा दिया। दिन में धूप जरूर निकली, लेकिन शीतलहर का असर कम नहीं हुआ और ठंड का प्रभाव पूरे दिन बना रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में आगामी दिनों तक ठंड का यही मिजाज बना रहेगा। कोहरे की वजह से सुबह कई जगह दृश्यता बेहद कम रही, जिसके चलते सड़क यातायात प्रभावित हुआ और वाहनों ने रेंग-रेंगकर सफर तय किया। अभिभावकों के अनुसार बच्चों को सुबह की पहली पाली में स्कूल भेजना मुश्किल हो रहा है। कई बच्चे देर से पहुंच रहे हैं। इस बीच कृषि क्षेत्र के लिए यह तापमान फायदेमंद बताया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. मनमोहन सिंह के अनुसार सात से 25 डिग्री का तापमान गेहूं और चना जैसी रबी फसलों की बढ़वार के लिए अनुकूल माना जाता है। हालिया तापमान इसी दायरे में रहने से फसलें तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि ठंड के दौरान खेतों में हल्की सिंचाई लाभकारी रहेगी और 15 दिन के अंतराल पर सिंचाई करना उचित होगा।

घने कोहरे में हाईवे से जाता वाहन। ● अमृत विचार

- सामान्य दिनों की अपेक्षा न्यूनतम तापमान दो डिग्री नीचे पहुंचा

तापमान और नीचे जा सकता है, ऐसे में खेतों की नमी बनाए रखना जरूरी बताया गया। कोहरे और ठंड को देखते हुए प्रशासन ने भी राहत के इंतजाम शुरू किए हैं। जिले में लगभग 300 स्थानों पर अलाव जलाने का निर्णय लिया गया है। इनमें बाजार क्षेत्र, बस अड्डा, अस्पताल और बड़े चौराहों को प्राथमिकता दी गई है। नगर निकायों को अलाव व्यवस्था की प्रतिदिन निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

निर्वाचन नामावली में धांधली का आरोप

शाहजहांपुर, अमृत विचारः उत्तर प्रदेश विधान परिषद बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन के प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर ने आरोप लगाया कि निर्वाचन नामावलियों को तैयार कर प्रस्तुत किए आलेख में धांधली की गई है। कहा कि बरेली-मुरादाबाद मंडल के चुनाव में बिजनौर, गोरखपुर और फिरोजाबाद तक के शिक्षकों के नाम सूची में जोड़ दिए गए हैं। उन्होंने रविवार को मोहल्ला बिजलीपुरा स्थित सपा कार्यालय पर पत्रकारों से कहा कि शिक्षक एमएलसी चुनाव की सूची एसआईआर की तरह गड़बड़ तैयार हुई है। आरोप लगाया कि 20 वर्ष के व्यक्ति को शिक्षक दर्शाया गया है तथा 15 से 20 प्रतिशत वोट फर्जी हैं। सूची में डबल वोट पाए गए, नाम अलग होने के बावजूद फोटो एक ही है। एक सूची में सौ से अधिक वोट डबल मिले हैं। कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को शिक्षक बनाकर धांधली का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यवाहक जिलाध्यक्ष चुने गए वर्मा

आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा का स्वागत करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक बहादुरगंज स्थित रोटी गोदाम स्कूल में हुई। बैठक में कृष्ण कुमार वर्मा को कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए प्रांतीय महामंत्री यदुवीर सिंह यादव ने कहा कि शिक्षा मित्रों की प्रत्येक समस्या हमारी समस्या है। जिसको हल कराने के लिए हम दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अपने संगठनात्मक कार्यों की अधिकता को दृष्टिगत रखते हुए बैठक में आए सभी सदस्यों व पदाधिकारियों से विचार-विमर्श करने के उपरांत सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा के नाम का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया। पारित प्रस्ताव के आधार पर कृष्ण कुमार वर्मा को कार्यवाहक जिलाध्यक्ष तथा ब्लॉक अध्यक्ष-कांट, संदीप कुमार सक्सेना को जिला सोशल मीडिया प्रभारी के पद पर मनोनीत किया गया, सोशल मीडिया का अतिरिक्त कार्य अब तक जिला सचिव राजीव कुमार द्विवेदी देख रहे थे।

- शिक्षामित्रों की प्रत्येक समस्या हमारी : यदुवीर

बैठक में जिला महामंत्री श्रीमती संतोष शुक्ला, जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा, जिला लेखाकार अमितोष सिंह चौहान, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव यादव जिला, मीडिया प्रभारी अनुज तिवारी, जिला संगठन मंत्री सर्वेश कुमार गौतम, जिला प्रचार मंत्री प्रमोद यादव, जिला व्यवस्थापक श्याम कुमार, हनुमत प्रसाद प्रजापति, संदीप सक्सेना, राजेश कुमार गौतम, केदारी पटेल, कुलदीप कुमार गंगवार, अनूप त्रिवेदी, सुरजीत कुमार गंगवार, अनिरुद्ध सिंह कुशवाहा आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बंडा थाना क्षेत्र के गांव देवकली निवासी सुधा देवी ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि उसकी शादी ढाई साल पूर्व कपिल निवासी गांधीनगर थाना गोला गोकरन नाथ जिला लखीमपुर खीरी के साथ हुई थी। उसके मायके वालों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। दहेज में एक मकान और जमीन की मांग करने लगे। दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने उसे मारपीट करके घर से निकाल दिया। वह मायके में रह रही है। पुलिस ने पति समेत छह के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

घर में घुसकर दुष्कर्म की कोशिश, दी तहरीर

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि एक माह पूर्व रात में साढ़े नौ बजे घर पर थी। उसका पति दूसरे जिले में काम करता है। आरोप है कि गांव का शिवम उसके मकान में घुस आया और अंदर से कुंडी बंद कर ली। आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म करने का प्रयास किया। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी का बेटा जाग गया।आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

फर्जी बैनामा कर भूमि हड़पने वाला गिरफ्तार

पुवायां, अमृत विचार : पुवायां पुलिस ने भूमि से संबंधित धोखाधड़ी में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के अनुसार गांव डेलखेड़ा निवासी अजय सिंह की तहरीर पर न्यायालय के आदेश पर दर्ज मुकदमें के अनुसार ग्राम डेलखेडा निवासी छोटेलाल पुत्र बोदिल ने वर्ष 2008 में उसकी माता के साथ धोखाधड़ी करते हुए फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा अपने पक्ष में करा लिया था और जमीन बेंचकर 2.90 लाख रुपये हड़प लिए। पुलिस ने रविवार को आरोपी छोटेलाल को ग्राम डेलखेडा से सुबह लगभग 11 बजे गिरफ्तार कर लिया।

टावर से 12 बैटरियां चोरी, रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अल्हागंज थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी सोनल सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि वह एक टावर पर टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत है। कंपनी का एक टावर मुड़िया खुर्द में लगा है। दस दिन पूर्व अज्ञात चोरों ने कमरे का ताला तोड़ दिया और 12 बेटियां चुराकर ले गए। पुलिस ने अज्ञात में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सड़क हादसों में हेल्पर समेत दो की मौत

शामली का रहने वाला था हेल्पर अनुज शर्मा, दूसरे हादसे में बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने रौंदा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अनुज शर्मा के गमगीन परिजन।

अनुज शर्मा।

- **सड़क दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों के घरों में मचा कोहराम, परिजनों का रो रोकर बुराहाल**

अमृत विचार : अलग अलग सड़क हादसों में ट्रक के हेल्पर समेत दो लोगों की मौत हो गई। एक हादसा हरदोई रोड पर हुआ। इस रोड पर ट्रैक्टर-ट्राली को बचाने के चक्कर में ट्रक पेड़ से टकरा गया। हादसे में शामिल जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र का रहने वाला हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि चालक ने कूद कर जान बचाई। जिला अस्पताल में हेल्पर को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं तिलहर क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसने मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। दोनों मृतकों के परिजनों का रो रोकर बुराहाल है।

शामली जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के झाल निवासी अनुज शर्मा (32) ने ट्रक पर हेल्पर था। शनिवार रात 11 बजे वह प्लाईवुड लेकर हरदोई जा रहा था। जाहनीखेड़ा के पास अचानक ट्रक के सामने गन्ना से भरी ट्रैक्टर ट्राली आ गई। चालक ने ट्रैक्टर ट्राली को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसका नियंत्रण ट्रक से हट गया, इससे लहराता हुआ ट्रक पेड़ से जा टकराया। चालक ने किसी तरह कूद कर जान बचाई, लेकिन अनुज केबिन में सो रहा था, जिस वजह से वह खुद को संभाल नहीं सका और गंभीर रूप से घायल हो गया। जाहनीखेड़ा चौकी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने अनुज को मेडिकल कॉलेज भेजा। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर अनुज के परिजनों रोना बिलखना मच गया। अनुज की मौत से उसके भाई अंकित, पत्नी गुड़िया और बेटा अगम का रो रोकर बुराहाल है। चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार ने बताया कि जहानीखेड़ा के पास हादसा हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दुर्घटना में घायल युवक की मौत

तिलहर/जैतीपुर, अमृत विचार : जैतीपुर-तिलहर मार्ग पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल युवक को डॉक्टरों ने सीएचसी से मेडिकल कॉलेज भेज दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। युवक की मौत से परिजनों का रो रो कर बुराहाल है। पुलिस के अनुसार जैतीपुर थाना क्षेत्र के गांव अमईपुर सड़ा निवासी पुष्पेंद्र (20) किसी कार्य से तिलहर आया था। शाम को वह बाइक से जैतीपुर जा रहा था। जैसे ही वह तिलहर-जैतीपुर मार्ग पर खंडसार गांव के निकट पहुंचा। वैसे ही अज्ञात वाहन ने पुष्पेंद्र की बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं अज्ञात चालक वाहन लेकर भाग गया। पुलिस ने घायल को सीएचसी भेजा। हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। परिजन पुष्पेंद्र को मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुष्पेंद्र की मौत से परिजनों का रो रोकर बुराहाल है।

हादसे में घायल महिला ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

शाहजहांपुर, अमृत विचार : भैंस से बाइक टकरा जाने से बाइक पर पीछे बैठी महिला गिरकर घायल हो गयी थी। महिला की इलाज के दौरान मेडिकल कालेज में मौत हो गयी। तिलहर थाना क्षेत्र के गांव चकममरेज निवासिनी गीता देवी (60) के बेटे विपिन की 23 नवंबर को शादी थी। महिला अपने बेटे के साथ बाइक से 14 नवंबर को शादी कार्ड देने के लिए औदापुर गांव में सत्यपाल के घर जा रही थी। राजपुर गांव के सामने भैंस अचानक सड़क पर दौड़कर आ गयी, जिससे महिला बाइक से नीचे गिर गयी और घायल हो गयी। घायल महिला को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान गीता देवी की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि शादी के निमंत्रण बंट चुके थे, इसलिए शादी कैंसिल नहीं की गई थी।

रोवर्स-रेंजर्स शिविर में प्रशिक्षकों ने कराया अभ्यास

जीएफ कॉलेज में रोवर्स रेंजर्स शिविर में अभ्यास कराती प्रशिक्षक।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **चिकित्सा और स्ट्रेचर द्वारा रोगी की सहायता का दी जानकारी**

अमृत विचार : जीएफ. कॉलेज शाहजहांपुर में चल रहे पांच दिवसीय रोवर्स रेंजर्स शिविर के तीसरे दिन आज जिला स्काउट ट्रेनिंग कमिश्नर करण कुमार पांडे ने रोवर्स रेंजर्स को प्राथमिक चिकित्सा और स्ट्रेचर द्वारा सहायता, मानचित्रण,खोज चिन्ह द्वारा रास्ते की जानकारी का अभ्यास कराया।

कॉलेज के रोवर्स प्रभारी डॉ मोहम्मद तुफैल खान और रेंजर्स प्रभारी डॉ. हिना ने बताया कि यह पांच दिवसीय शिविर का तीसरा दिन बहुत ही सकारात्मक रहा। यह शिविर 9 दिसंबर 2025 तक चलेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में रोवर्स और रेंजर्स में अब्दुल रहमान, मोहम्मद अमान, अभिषेक वर्मा, फ़ैज़, नवाज़, राहिल, आयुष शगुफ्ता, सूफिया, सानिया, कशिश, अल्पना, प्रतिभा, अंशिका, अनामिका और अंजली आदि का विशेष योगदान रहा।

तिलहर में ट्रेन से गिरकर यात्री की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : तिलहर रेलवे स्टेशन पर यार्ड में ट्रेन से गिरकर एक यात्री घायल हो गया। घायल यात्री की मौके पर मौत हो गयी। सूचना पर जीआरपी मौके पर पहुंची। पुलिस ने उसकी जेब से मोबाइल बरामद किया और परिवार वालों को सूचना दी। परिवार वाले जीआरपी थाना पर पहुंचे। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार की रात में तिलहर रेलवे स्टेशन में यार्ड में अप लाइन पर ट्रेन से गिरकर एक यात्री गिरकर गया और उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने मौके पर पहुंची और अप लाइन से शव को किनारे किया। मृतक की उम्र 28 साल थी। पुलिस ने उसकी जेब से मोबाइल बरामद करने के बाद परिवार वालों को सूचना दी। सीतापुर के मोहल्ला लालपुर बाजार निवासी राम प्रकाश जीआरपी थाना पहुंचे और शव की शिनाख्त पुत्र विष्णु के रुप में की है। उन्होंने बताया कि उसका बेटा हरिद्वार में काम करता था।और कुछ दिन पहले आया था। वह ट्रेन से हरिद्वार जा रहा था।

आसाराम केस की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में आज

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **पीड़िता पक्ष ने की जमानत रद्द करने की मांग, कहा-बीमारी का आधार गलत**

अमृत विचारः दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हो सकती है। यह सुनवाई इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि पीड़िता पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आसाराम को बीमारी के आधार पर दी गई राहत को चुनौती देते हुए जमानत रद्द करने की मांग की है।

दोषी आसाराम।

गौरतलब है कि 28 अक्टूबर को कोर्ट ने चिकित्सकीय आधार पर आसाराम को अंतरिम जमानत दी थी, जिसके बाद से राहत अवधि बढ़ती चली गई। आज सुनवाई में कोर्ट यह देखेगा कि जमानत जारी रखी जाए या उसे समाप्त किया जाए। दोनों पक्षों की दलीलों के चलते सुनवाई का रुख आज काफी अहम माना जा रहा है। परिजनों की याचिका में कहा गया है कि जिस बीमारी को आधार बनाकर जमानत दी गई, वह वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाती। दलील दी गई है कि चिकित्सा कारण इतने गंभीर नहीं कि सजा पाए व्यक्ति को जेल से बाहर रखा जाए। परिजनों ने कोर्ट से आग्रह किया है कि जैसे गंभीर अपराध में कड़ी सजा बनी रहती है, वैसे ही इस मामले में भी राहत नहीं दी जानी चाहिए। मामले की पृष्ठभूमि पर नजर डालें तो छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में लंबी सुनवाई के बाद आसाराम को सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अपील, पुनर्विचार और जमानत संबंधी कई स्तरों पर कानूनी प्रक्रिया चली। आज की सुनवाई को इस केस का एक नया मोड़ माना जा रहा है

रात में झोपड़ी में लगी आग, दो ग्रामीणों पर लगाया आरोप

पुवायां, अमृत विचारः गांव सुनारा बुजुर्ग में बीती रात एक महिला के सोते समय अचानक आग लग जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता मुन्नी देवी, पत्नी स्व. मोतीलाल ने बताया कि वह रात लगभग 3 बजे अपने घर के छप्पर के नीचे सो रही थीं, तभी अचानक छप्पर में आग भड़क उठी। मुन्नी देवी का कहना है कि आग प्राकृतिक रूप से नहीं लगी, बल्कि गांव के ही दो लोगों ने जानबूझकर आग लगाई है। महिला ने दोनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए थाना पुवायां में रिपोर्ट दर्ज करने की अपील की है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग पर काबू पाया। पीड़िता ने बताया कि यदि समय रहते जाग न जाती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। पीड़िता ने पुलिस से इस संबंध में कठोर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

फ्रेंचाइजी देने के नाम पर साढ़े 10 लाख रुपये हड़पे

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **पीड़िता शशि ट्रेडर्स की प्रोपाइटर है, बरेली मोड़ था आफिस, कंपनी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज**

अमृत विचारः शहर की मोहल्ला कटिया टोला की युवती ने दिल्ली की एक कंपनी पर फ्रेंचाइजी देने के नाम पर 10 लाख 50 हजार रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। उसका आरोप है कि न फ्रेंचाइजी दी और न ही रुपये वापस किए। पुलिस ने कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी का रिपोर्ट दर्ज की है।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला कटिया टोला निवासी उत्कर्ष शुक्ला पुत्री प्रदुमन शुक्ला ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि वह कटिया टोला में शशि ट्रेडर्स प्रोपाइटर हैं। उन्होंने ईलास ई-काम इनफोटेक प्राइवेट लिमिटेड जिसका कार्यालय पूर्व में बरेली मोड़ पर आवास विकास कॉलोनी में था। उसका मुख्यालय आफिस मथुरा रोड दिल्ली में है। उन्होंने एक किता रजि एग्रीमेंट जोवर वेयर हाउस के लिए कंपनी के खाते में यस बैंक में आनलाइन 10 लाख 50 हजार रुपये स्थानांतरित किए थे। पीड़िता ने बताया कि कंपनी ने एग्रीमेंट की कापी मंगवाकर कंपनी के डायरेक्टर ने हस्ताक्षर करके कापी उसको भेज दी। उसको कंपनी ने आश्वासन दिया कि कंपनी की फ्रेंचाइजी मिल गई और शीघ्र ही फ्रेंचाइजी काम पर आ जाएगी, परन्तु बाद में पीड़िता को फ्रेंचाइजी पर काम नहीं मिला। उसका आरोप है कि कंपनी ने उसके साथ धोखाधड़ी करके पैसा हड़प लिया है और फ्रेंचाइजी भी नहीं दी। सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी इलास ईकाम इनफोटेक प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

डम्पर की टक्कर से पांच लोग गंभीर रुप से घायल

सिंधौली, अमृत विचारः कस्बे में स्थित पेट्रोल पंप के समीप हाईवे पर अनियंत्रित डम्पर की टक्कर से बाइक आगे जा रही बाइक से टकरा गयी। जिससे पांच लोग घायल हो गए। थाना क्षेत्र के गाँव मरौरी निवासी मानसिंह अपने भतीजे गोलू के साथ रविवार की देर शाम पुवायां से सिंधौली होकर अपने घर जा रहे थे।

कस्बे में स्थित समाजवादी सेवा केंद्र पेट्रोल पंप के सामने पीछे से आए अनियंत्रित डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसके बाद बाइक सामने जा रही बाइक से टकरा गयी। दूसरी बाइक पर गाँव पैना सुन्दरनगर निवासी बाइक सवार गोविन्द,विमल तथा अनिकेत भी बाइक लड़खड़ाने से घायल हो गए। डंपर चालक वाहन को लेकर मौके से भाग गया। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर घायलों को उपचार हेतु स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया।

दूसरे संप्रदाय के युवक से हो रहा था किशोरी का निकाह रुकवाया, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **नाबालिग किशोरी को थाने ले आई पुलिस, हो रही मामले की जांच**

> एक मैरिज लान में निकाह हो रहा था। आरोप लगाया गया कि अलग-अलग संप्रदाय के लोग है। दोनों को थाना लाकर पूछताछ की जा रही है। जो जांच में निकलेगा वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।
> – **राजेश द्विवेदी** एसपी

अमृत विचारः शहर में गदियाना रोड पर एक मैरिज लान में एक संप्रदाय का युवक दूसरे संप्रदाय की किशोरी से निकाह कर रहा था। इस दौरान दोनों तरफ के परिवार के लोग थे। हिन्दु संगठन के नेता मैरिज लान में पहुंच गए और हंगामा किया। इस दौरान काफी संख्या में दोनों संप्रदाय के लोग एकत्रित हो गए। सदर बाजार पुलिस को सूचना दी गयी। पुलिस दोनों को लेकर थाना पर आ गयी।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला गदियाना रोड पर एक संप्रदाय के लोगों ने मैरिज लान बुक कराया। दूसरे संप्रदाय की 16 वर्षीय किशोरी और उसकी मां रविवार की दोपहर बाद पहुंचे, इसके बाद दूसरे संप्रदाय का 26 वर्षीय युवक और उसका परिवार मैरिज लॉन में पहुंच गया। युवक के परिवार वालों ने निकाह कराने के लिए काजी को बुला लिया। युवक की तरफ से काफी संख्या में लोग एकत्रित थे।

किशोरी का युवक के साथ निकाह पढ़ाया जा रहा था और दावत चल रही थी। इस दौरान हिन्दू संगठन के नेता राजेश अवस्थी को किसी सूचना दी कि किशोरी का दूसरे संप्रदाय से निकाह कराया जा रहा है। नेता राजेश अवस्थी शाम को अपनी टीम के साथ मैरिज लान पहुंच गए और निकाह रुकवाया। इस दौरान मैरिज लान के अंदर हंगामा होने लगा। लड़के पक्ष के लोग इधर-उधर खिकसने लगे। सूचना पर सदर बाजार पुलिस मैरिज लान पहुंच गयी और दोनों पक्षों को थाना पर ले आयी। बताते है कि किशोरी की तरफ से उसकी मां थी। किशोरी लोदीपुर की रहने वाली है और युवक मोहल्ला दिलाजाक का रहने वाला है और उसके परिवार के लोग थे। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच की जा रही है।

हादसे में बाइक सवार चाट विक्रेता की मौत

संवाददाता, सिंधौली/शाहजहांपुर

- **सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव ढकिया हमीदनगर निवासी था मृतक**

अमृत विचारः पुवायां रोड पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार घायल हो गया। घायल को सीएचसी पर लाया गया। डॉक्टर ने घायल को रेफर कर दिया। परिवार वाले घायल को बरेली के एक अस्पताल में ले गए,जहां उसकी मौत हो गयी।

मृतक पंकज।

सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव ढकिया हमीदनगर निवासी 35 वर्षीय पंकज की कस्बे में मुड़िया मोड़ पर चाट की दुकान है। शनिवार की सुबह वह घर से दुकान पर बाइक से आ रहे थे। पुवायां रोड पर पुवायां की तरफ से आ रहे वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे चाट विक्रेता घायल हो गया। चालक वाहन लेकर भाग गया। परिवार और पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सीएचसी पर लेकर आए। डाक्टर ने घायल को रेफर कर दिया। परिवार वाले घायल चाट विक्रेता को लेकर बरेली गए। जहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। परिवार वाले उसका शव लेकर सुबह यहां आए। उसकी पत्नी सुमन और बेटे मोहन व आकाश का रो-रोकर बुराहाल है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

स्कूटी सवार महिला का पर्स लेकर भागे उचक्के

शाहजहांपुर, अमृत विचारः शहर में एक महिला पर्स छीनकर स्कूटी पर सवार दो युवक भाग गए। महिला ने पुलिस चौकी पर सूचना देकर चली गयी। पर्स में मोबाइल और कुछ रुपये थे। सदर बाजार थाना क्षेत्र में शनिवार की शाम दो महिलाएं पैदल जा रही थी। मल्हार रोड पर मोहन नर्सिंग होम के सामने बना नंबर की स्कूटी पर दो युवक आए और एक महिला का झपट्टा मारकर पर्स छीनकर भाग गए। महिला ने शोर मचाया तो स्कूटी सवार एक गली से निकल गए। महिला के पर्स में मोबाइल फोन और कुछ रुपये थे। महिला पुलिस चौकी पर सूचना देकर घर चली गयी। सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि महिला की तरफ से कोई तहरीर नहीं आयी है।

दबंग बोला: शादी नहीं की तो लड़की को मार दूंगा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **वन स्टॉप सेंटर पर साथियों के साथ पहुंचा आरोपी**

अमृत विचार : दबंग और उसके साथियों ने एक पिता को वन स्टॉप सेंटर पर जाकर धमकी दी है, कि यदि उसने अपनी बेटी की शादी आरोपी के साथ नहीं की तो वह लडकी को जान से मार देगा। धमकी देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कस्बा बंडा निवासी एक व्यक्ति ने चौक कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि शनिवार की दोहपर अपनी भाभी और भाई के साथ अपनी पुत्री से मिलने वन स्टाफ सेंटर आया था। दोपहर साढ़े तीन बजे चार पहिया वाहन से आकाश व तिलकराज निवासी गहलुइया थाना बंडा और दो अज्ञात व्यक्ति वन स्टाप सेंटर के बाहर आए। आरोपी उसे और उसकी भाभी तथा उसके भाई को गाली देने लगे। विरोध करने पर मारपीट पर अमादा हो गए। आरोपी आकाश ने धमकी देते हुए कहा कि हम तुम्हारी लड़की से शादी करेंगे और शादी नहीं की तो जान से मार दूंगा। पीड़ित ने बताया कि आरोपी उसकी बेटी को आरोपी अगवा करके ले गया था। बरामद होने के बाद वन स्टाप सेंटर में है। मुकदमा कोर्ट में चल रहा है। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि आकाश आदि के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सांसद को ज्ञापन देकर शिक्षकों ने की टीईटी से मुक्ति देने की मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

सांसद अरुण सागर को ज्ञापन सौंपते शिक्षक प्रतिनिधि। ● अमृत विचार

- **29 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की सेवा संरक्षित रखने की अपील**
- **संगठन ने केंद्र से न्यायसंगत निर्णय की उम्मीद जताई, सांसद को सौंपा ज्ञापन**

अमृत विचार : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में शिक्षकों का प्रतिनिधि मंडल रविवार को भाजपा सांसद अरुण कुमार सागर से मिला। प्रतिनिधि मंडल में शामिल सदस्यों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सांसद को सौंपा। शिक्षकों ने सांसद से टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने और यह मुद्दा संसद में उठाने को कहा।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि भारत सरकार की 25 अगस्त 2010 की गजट अधिसूचना में राज्यों को यह अधिकार दिया गया था कि वे सेवा में कार्यरत शिक्षकों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्वयं निर्धारित कर सकें। इसी आधार पर उत्तर प्रदेश शासन ने 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को राहत प्रदान की थी। संगठन ने निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 23 (1) व (2) का हवाला देते हुए कहा कि नियुक्ति के समय आवश्यक योग्यता न होने पर भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सेवा जारी रखने का प्रावधान स्पष्ट है, इसलिए 2011 के बाद टीईटी की अनिवार्यता लागू करना लाखों शिक्षकों के भविष्य और पारिवारिक जीवन को प्रभावित करने वाला निर्णय है। सांसद को ज्ञापन देते वक्त जिला अध्यक्ष मुनीश मिश्र, जिला मंत्री देवेश बाजपेई, जिला कोषाध्यक्ष रविन्द्र पाल प्रजापति, जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार तिवारी, संयुक्त मंत्री डॉ. विनय गुप्ता, अश्विनी अवस्थी, राजकमल आर्य, अरविंद त्रिपाठी, आनंद गंगवार, शुभम् शुक्ला, अरविंद गौतम, उमेश चन्द्र सक्सेना, अभिनय मिश्रा, सचिन अवस्थी, अखिलेश कुमार, पल्लवी, सुनील सिंह, प्रतिमा, संगीता, देवेन्द्र कुशवाहा, रुपेश द्विवेदी, सुरेन्द्र पाल, मोहम्मद अहमद, मनोज कुमार, मुकेश कुमार, आफताब अली, सबीउल हसन खां, आसिफ खां, डॉ. मुईनुद्दीन खां, मनोज कुमार, इरफान महमूद, शिव सरन शुक्ला, संदीप, श्रुति शर्मा, कमल चतुर्वेदी, रणधीर भाटी, ममता शर्मा, अभिषेक कटियार, डाल सिंह, अशोक कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, सुधीर कुमार गुप्ता, शत्रुधन आदि लोग रहे।

संगठन ने तीन मांगों पर दिया जोर

संगठन ने तीन मांगों पर जोर दिया। कहा गया कि 29 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्यता समाप्त की जाए, शैक्षणिक योग्यता के आधार पर वेतनमान–पदोन्नति व सेवा लाभ प्रदान किए जाएं तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को देखते हुए केंद्र सरकार तत्काल हस्तक्षेप करे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शिक्षक समाज राष्ट्र निर्माण की मुख्य धुरी हैं, इसलिए उन्हें असुरक्षा की स्थिति में रखना उचित नहीं है। सांसद अरुण सागर ने आश्वासन दिया कि समाधान हेतु हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। संगठन ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए राहत प्रदान करेगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नहीं मिला मानदेय

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः जिले में अप्रैल माह में भर्ती हुई 312 नई आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में से ज्यादातर का मानदेय सात महीने से जारी नहीं हो सका है। भुगतान न मिलने से कार्यकर्ताओं में रोष के साथ परेशानी बढ़ती जा रही है। सबसे बड़ी बाधा पीएमएफ पोर्टल पर दस्तावेजों का धीमा सत्यापन बताया जा रहा है। सात माह का समय बीत जाने के बाद भी प्रक्रिया पूरी नहीं होने से कार्यकर्ता लगातार कार्यालय के चक्कर काट रही हैं, लेकिन उन्हें अभी भी मानदेय का इंतजार है। सूत्रों के अनुसार 146 कार्यकर्ताओं का मानदेय इसलिए रुका है क्योंकि उनका खाता लोकल बैंक में है, जिसके चलते सत्यापन लंबित है। बाकी कार्यकर्ताओं के आधार, बैंक विवरण सहित अन्य दस्तावेजों की पुष्टि भी धीमी गति से पूरी हो रही है। कई बार मांग उठाने और पत्राचार के बावजूद मानदेय जारी न होने से महिलाओं में आक्रोश है। इनका कहना है कि बिना मानदेय सात माह तक सेवा करना कठिन हो रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जिन कार्यकर्ताओं का सत्यापन पूरा हो गया है, उनका मानदेय खाते में भेज दिया गया है। शेष कार्यकर्ताओं के खाता, आधार सहित अन्य विवरण का सत्यापन जारी है। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर प्रक्रिया पूर्ण कर लखनऊ पोर्टल पर भेज दी गई है।

- **कई बार अधिकारियों से की चुकीं हैं शिकायत, नहीं दिया ध्यान**

मानदेय फंसने वालों में लोकल बैंक खाता धारक ज्यादा

अब पता चला है कि कई आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के बैंक खाते राष्ट्रीय बैंक के बजाय प्रदेश स्तरीय बैंकों में हैं। अधिकारियों के अनुसार यूपी ग्रामीण बैंक जैसे खातों में आईएफएससी कोड दर्ज करने पर बैंक का पुराना नाम प्रदर्शित होता है, जबकि बैंक के नाम में संशोधन हो चुका है। इसी अंतर के कारण पोर्टल पर नाम–मिलान नहीं हो पा रहा और सत्यापन लंबित हो रहा है। विभाग की जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय बैंकों में खाते वाले अधिकांश कार्यकर्ताओं का सत्यापन पूरा कर मानदेय भेजा जा चुका है। बीते माह 77 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के खाते में मानदेय ट्रांसफर किया गया। शेष कार्यकर्ताओं के दस्तावेजों की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि बाधा दूर होते ही सभी को मानदेय भेज दिया जाएगा।

प्राथमिक शिक्षक संघ के चुनाव की प्रक्रिया शुरू

15 ब्लॉकों में अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष पद के लिए होंगे चुनाव, रविवार से नामांकन आरंभ

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ से संबद्ध उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक स्तरीय निर्वाचन की नामांकन प्रक्रिया शनिवार को गुलाब मैरिज हॉल लोधीपुर में हुई। संगठन के पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत जिले के 15 ब्लॉकों में से आज पांच ब्लॉकों में अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष पदों हेतु निर्धारित नियमावली के अनुसार नामांकन लिए गए।

प्रक्रिया सुबह 11 बजे नामांकन पत्र वितरण से शुरू हुई, 11:30 बजे तक फार्म दिए गए। दोपहर 01:30 बजे तक भरे हुए फॉर्म जमा हुए और दोपहर 2 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच हुई। इसके बाद ढाई बजे तक नाम वापसी का समय निर्धारित रहा। निर्वाचन अधिकारी व जिलाध्यक्ष ऋषिकान्त पाण्डेय ने बताया कि नियमानुसार जिन पदों पर एकल आवेदन वैध पाए जाएंगे, उन्हें कल निर्विरोध निर्वाचित कर प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। वगैर निर्वाचन प्रक्रिया से चलने बाले संगठन अवैधानिक हैं। फर्म बनाकर संचालित संघ शिक्षक हित में कभी उपयोगी नहीं हो सकते। शिक्षकों के भविष्य व संगठनात्मक मजबूती के लिए पारदर्शी चुनाव जरूरी है। जिन ब्लॉकों में आज नामांकन कार्य सम्पन्न नहीं हो सका, वहां चुनाव प्रक्रिया शीत अवकाश के बाद 20 जनवरी से निर्धारित तिथि पर कराई जाएगी। चुनाव प्रभारी रत्नाकर दीक्षित, पर्यवेक्षक विक्रांत मिश्रा व अरविन्द शुक्ला ने संपूर्ण प्रक्रिया संचालित कराई। चुनाव सहयोग में सचिन मिश्रा, शशांक शेखर और पल्लवी गुप्ता की भूमिका रही। निर्वाचन के दौरान धीरज रस्तोगी, राजेश पाण्डेय, नरेंद्र जायसवाल, मुकेश कुमार, संजीव दीक्षित, व्यास, अनीस अहमद, उज्जवल प्रताप सिंह, वैभव मिश्रा, शहाना वेगम, गरुण कुमार, सर्वेश पाल, प्रीति भारती, वृजेश मिश्रा, मानसी सक्सेना, शुभम, अजय प्रताप, राजवीर यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

नामांकन प्रक्रिया के दौरान उपस्थित शिक्षक। ● अमृत विचार

- पांच ब्लॉकों में नामांकन सम्पन्न, कई पदों पर एकल दावेदारी
- अन्य ब्लॉकों में चुनाव शीत अवकाश बाद 20 जनवरी से

इन लोगों ने दाखिल किया पर्चा

आज प्राप्त नामांकन के अनुसार ब्लॉक तिलहर से अध्यक्ष पद पर अरविन्द वर्मा, मंत्री पद पर मनोज मलिक और कोषाध्यक्ष पद पर अभिषेक गंगवार ने नामांकन पत्र दाखिल किया। ब्लॉक खुटार से अध्यक्ष पद हेतु सचिन मिश्रा, मंत्री पद हेतु संतोष कुमार तथा कोषाध्यक्ष पद हेतु मोहम्मद इमरान का नामांकन हुआ। ददरौल ब्लॉक में अध्यक्ष पद के लिए नवनीत तिवारी और कोषाध्यक्ष पद के लिए अंकित रस्तोगी ने नामांकन किया। ब्लॉक जलालाबाद से अध्यक्ष दावेदारी हेतु जितेंद्र कुमार सिंह व मंत्री पद हेतु संतोष कुमार ने नामांकन जमा किया, जबकि ब्लॉक कांट से अध्यक्ष पद के लिए दशरथ नंदन अवस्थी ने नामांकन प्रस्तुत किया।

लायंस क्लब सहेली ने लगाया स्वास्थ्य कैंप

शिविर में जांच कराती महिलाएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- महिलाओं में माहवारी संबंधी दिक्कतों पर डॉक्टर्स ने की जांच, दवा भी दी

अमृत विचारः रानी लक्ष्मी बाई महिला विंग और लायंस क्लब सहेली ने प्रकाश हेल्थ केयर पर महिलाओं की पीसीओडी, पीसीओएस, पाइल्स एवं वी–जॉइंट संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए शिविर आयोजित किया। कैंप में डॉ. नमिता सिंह, डॉ. अमित सिंह, अंकित शुक्ला, कमल तिवारी और हिमालया कंपनी का पूर्ण सहयोग रहा। मौके पर मरीजों को निःशुल्क दवा भी दी गई।

डॉ. नमिता सिंह ने बताया 10 में से 8 महिलाओं को माहवारी से जुड़ी समस्याएं रहती हैं, परन्तु वे इसे बताने में संकोच करती हैं। समय पर ध्यान न देने पर यह समस्या गंभीर रूप ले लेती है और कई बार सर्जरी तक आवश्यकता पड़ जाती है। उन्होंने कहा कि कैंप का उद्देश्य इन समस्याओं को कम करना और महिलाओं को जागरूक करना है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रानी लक्ष्मी बाई महिला विंग की अध्यक्ष स्तुति गुप्ता व लायंस क्लब की अध्यक्ष महिमा शुक्ला आदि ने सहयोग किया

दीनी महफिल का किया आयोजन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मदरसा अरबिया अनवारूल उलूम मस्जिद अंटा चौराहा में रविवार को दीनी महफिल का आयोजन किया गया। महफिल में मुख्य वक्ता मौलाना अजीमुद्दीन कासमी ने कहा कि अगर दीनी और दुनियावी मामलों में, ज़िंदगी के सामाजिक मामलों में खुदा के हुक्म को तोड़ा जा रहा है, तो इंसानों की बातें नहीं सुननी चाहिए, चाहे वे हमारे बच्चे ही क्यों न हों। पवित्र कुरआन में कहा गया है ऐ ईमान वालों, अपने माल या अपने बच्चों को अल्लाह की याद से भटकने मत दो। मौलाना कासमी ने कहा कि पैगंबर ए इस्लाम का फरमान है, जब तुम सेहतमंद हो और ज़रूरत हो, तब दान करो। यह सबसे अच्छा दान है।

इस मौके पर डॉ. मसरूर अहमद, मास्टर सलमान, माशूक अली, शकील मिस्त्री, इरफान खान, मास्टर मशकूर, मास्टर शकील, डॉ. शाहिद अख्तर, मुफ्ती अनस कासमी, मुफ्ती ओसामा अजीम, हाफिज शकील, मौलाना उस्मान कासमी आदि समेत तमाम लोग मौजूद थे।

बहन को शादी के बहाने ले जाने का आरोप

संवाददाता, जैतीपुर

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के एक गांव के युवक ने अपनी 20 वर्षीय बहन को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। युवक का कहना है कि 30 नवंबर की दोपहर करीब 12 बजे वह घर पर नहीं था, तभी संदीप नामक युवक उसकी बहन को शादी के इरादे से अपने साथ ले गया। परिजनों ने बताया कि दिल्ली में काम के दौरान संदीप से युवती की पहचान हुई थी। आरोप है कि आरोपी घर पहुंचा और बहन को साथ ले गया। युवती घर में रखे कुछ रुपये और जेवर भी साथ ले गई। युवक ने बताया कि उसने अपने स्तर पर बहन की तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। प्रार्थना पत्र पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

महिला भिखारी की संदिग्ध अवस्था में मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला रंगीन चौपाल में रविवार की दोपहर बाद एक महिला अकील अहमद के दरवाजे पर भीख मांग रही थी। अचानक उसकी तबीयत खराब होने पर जमीन पर गिर गयी और बेहोश हो गयी। मेडिकल कालेज भेज दिया। जहां डाक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

जमीन को लेकर भाई ने की मारपीट रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ललौरीखेड़ा निवासी हसरत खान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि जमीन के बंटवारे में उसके तहेरे भाई इब्राहिम, इस्लाम और परवेज ने उसको बीच का खेत दे दिया।

जब उसने अपने हिस्से के खेत को बेचने चाहा तो आरोपियों ने विरोध किया और बिक्री से रोका। इसी रंजिश के कारण 29 नवंबर को शाम सात बजे आरोपी उसके घर में घुस आए, उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पैदल घर जा रहे युवक को वाहन ने मारी टक्कर, मौत

संवाददाता, पीलीभीत

- शाहगढ़ मार्ग पर शनिवार देर रात कोहरे की वजह से हुआ हादसा

अमृत विचार : घने कोहरे के बीच शाहगढ़ मार्ग पर देर रात एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें युवक की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भिजवाया।

माधोटांडा थाना क्षेत्र के गांव कुंवरपुर निवासी 19 वर्षीय विशाल शनिवार रात किसी काम से शाहगढ़ गए थे। देर हो जाने पर सवारी न मिलने के कारण वह पैदल ही घर के लिए निकल पड़े। रात में घना कोहरा भी छाया था। इसी दौरान शाहगढ़ मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। काफी समय तक शव सड़क पर पड़ा रहा, जिसे राहगीरों ने देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

माधोटांडा थाना प्रभारी अशोक पाल ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और आसपास के मार्गों पर सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। युवक की मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुराहाल है। पुलिस अज्ञात वाहन को तलाश कर रही है।

जिला बदर ने महिला को दी अपहरण की धमकी

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जिला बदर बदमाश ने महिला को अपहरण की धमकी दी है। पीड़िता की तहरीर पर चौक कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। शहर के मोहल्ला सिंजई निवासिनी महिला ने बताया कि वह एक होटल में रिस्पेशन पर नौकरी करती है और अपनी बेटी व वृद्ध मां के साथ जीवन यापन करती है।

रोज की तरह 4 दिसंबर को शाम साढ़े पांच बजे अपने घर जाने के लिए होटल के बाहर निकलकर आटो रिक्शा का इंतजार कर रही थी। इसी बीच सफेद रंग की कार उसके पास आकर रुकी। कार में जिला बदर अपराधी सुमित गुप्ता, सूर्यकांत गुप्ता निवासी हुण्डाल खेल चौक कोतवाली व हितेश चंद्र निवासी काशीराम कालोनी सवार थे। आरोपियों ने महिला से कहा कि चुपचाप कार में आकर बैठ जाओ। यदि कार में नहीं बैठी तो जबरन कार में डाल लेगें। लोगों की भीड़ लगने लगी। आरोपियों ने महिला को गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों के खिलाफ चौक कोतवाली में एक मुकदमा दर्ज है। आरोपियों ने मुकदमे समझौता करने के लिए दबाव बनाया। जिला बदर अपराधी फोन पर जान से मारने की धमकी दे रहा है और नौकरी छोड़ने के लिए दबाव बना रहा है। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

शार्ट सर्किट से दुकान में लगी आग

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार : रेडीमेड कपड़ो की दुकान में आग लगने से सामान जलकर राख हो गया। सूचना के करीब चार घंटे बाद पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

बिलसंडा कस्बे की मुख्य बाजार में राकेश राठौर की कपड़े की दुकान है। वह शनिवार शाम दुकान को बंद कर घर आ गए थे। देर रात दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। कुछ ही देर में आग की लपटें निकलने लगी।दुकान से धुंआ निकलने पर लोगों ने घरों से बाहर आकर देखा तो दुकान की शटर से धुंआ निकल रहा था। जानकारी मिलते ही वह भी मौके पर पहुंच गए। इसकी सूचना मिलने पर दमकल टीम मौके पर पहुंची और बमुश्किल आग पर काबू किया।

दमकल कर्मी आग पर काबू पाने के लिए पानी डालते हुए। ● अमृत विचार

- सूचना देने के चार घंटे बाद पहुंची दमकल की टीम

पूरी तरह से आग पर काबू करने में सुबह हो गई। ये भी आरोप लगा कि टीम देरी से पहुंची थी। जिसे लेकर व्यापारियों ने नाराजगी व्यक्त की। फिलहाल दुकान पर रखा काफी सामान जल गया। पीड़ित ने लाखों का नुकसान बताया है। दुकानदार का कहना है कि यदि समय से दमकल पहुंच जाती तो कुछ सामान बच जाती।

आयोजन — 749 मरीजों की जांच, 35 मोतियाबिंद रोगी ऑपरेशन के लिए चयनित

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज ने लगाया स्वास्थ्य मेला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः रविवार को वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा शाहजहांपुर द्वारा ग्राम ढढेल, पसगवां क्षेत्र में निशुल्क स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया। मेले में कुल 749 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 35 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई और उनके ऑपरेशन वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा में निशुल्क कराए जाएंगे। सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयां दी गईं तथा एमआरआई, सीटी स्कैन एवं अन्य जांचों के लिए रियायती कूपन वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पंडित श्यामा राव पवार ने कहा कि संस्था आगे भी ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगातार आयोजित करती रहेगी, जिससे आमजन को लाभ मिलता रहे। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है और यह प्रयास जनसेवा की दिशा में निरंतर जारी रहेगा।

स्वास्थ्य मेले में 48 लोगों की हड्डी जांच (बीएमडी), 71 की दिल की जांच (ईसीजी), 157 की ब्लड शुगर जांच तथा लगभग 198 मरीजों का ब्लड प्रेशर परीक्षण निःशुल्क किया गया। टीम के सदस्यों ने लोगों को नियमित जांच के प्रति जागरूक किया और परिवार स्वास्थ्य कार्ड की जानकारी दी, जो 200 रुपए में उपलब्ध है तथा एक वर्ष तक मान्य रहेगा। बताया गया कि कार्ड धारक मरीजों के लिए ओपीडी पर्चा निःशुल्क बनेगा। दवाओं और सभी जांचों पर 20 प्रतिशत छूट तथा सामान्य ऑपरेशन में 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। खून की आवश्यकता होने पर 10 प्रतिशत छूट का लाभ भी मिलेगा। कार्डधारकों के लिए भर्ती फाइल, बिस्तर, नर्सिंग केयर व चिकित्सकीय परामर्श निःशुल्क होगा।

अस्पताल द्वारा बताया गया कि सभी प्रकार के ऑपरेशन, सस्ती दवाइयां, आईसीयू, वेंटीलेटर, डायलिसिस, एमआरआई, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड आदि सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य शिविर में समाजसेवी अतर सिंह यादव का योगदान उल्लेखनीय रहा। शिविर में न्यूरोसर्जरी, पीडियाट्रिक सर्जरी, सामान्य रोग, नेत्र रोग, हड्डी, चर्म, दंत, स्त्री एवं प्रसूति रोग तथा सर्जरी विभाग के चिकित्सक– डॉ. पंडित पवार, डॉ. राजीव रंजन, डॉ. नरेश पवार, डॉ. अर्जित सिंह, डॉ. आदित्य, डॉ. स्वप्निल, डॉ. अवंतिका, डॉ. वाशु, डॉ. प्रनव चावला, डॉ. कीर्ति वरदानी उपस्थित रहे। मेडिकल कॉलेज के पीआरओ विपिन शर्मा, अतुल गंगवार सहित पैरामेडिकल टीम भी मौजूद रही।

मेले में मरीजों की जांच करते डॉक्टर।

- एमआरआई-सीटी स्कैन पर छूट, दवा व जांचें निशुल्क

स्वास्थ्य शिविर में मोतियाबिंद के 8 मरीज मिले

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रविवार को वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा शाहजहांपुर द्वारा संचालित ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, थाना नखासे के सामने मीरानपुर कटरा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में कुल 210 मरीजों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 8 मरीजों का चयन मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु किया गया। इन मरीजों का ऑपरेशन रोहिलखंड अस्पताल में निशुल्क कराया जाएगा। शिविर में सभी मरीजों को निशुल्क आई ड्रॉप और दवाइयां दी गईं। शिविर में उपस्थित चिकित्सकों ने मरीजों को नियमित नेत्र परीक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया। साथ ही अस्पताल में उपलब्ध नेत्र रोग संबंधी सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई, जिनमें काला मोतियाबिंद की जांच व इलाज, कार्निया रोग उपचार, आंख के पर्दे से संबंधित जांच, मोतियाबिंद ऑपरेशन चीरे विधि व फेको विधि से, भेंगापन, नासूर, नाखूना आदि के उपचार व ऑपरेशन सुविधा शामिल है। कंप्यूटराइज्ड चश्मा नंबर जांच और प्रमाणीकरण की सुविधा भी सस्ती दरों पर उपलब्ध कराई जाती है। वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल में परिवार स्वास्थ्य कार्ड 200 रुपए में उपलब्ध है, जिसकी वैधता एक वर्ष की होगी। शिविर में मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग से डॉ. पारुल, सामान्य रोग विभाग से डॉ. गौरव सिंह, नेत्र टेक्नीशियन पैरामेडिकल स्टाफ एवं मेडिकल कॉलेज के एमएसडब्ल्यू जितेन्द्र गंगवार मौजूद रहे।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
सुविधायें
- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रोसिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट, छाती में दर्द या भारीपन, सांस फूलना, पैरों में सूजन, हाई ब्लडप्रेशर, हाई कोलेस्ट्रोल, डाइबिटीज (शुगर), सीने या पेट में जलन या दर्द, हार्ट अटैक, हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें। अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षो का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट) (के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें +91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP)
- गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL)
- गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL)
- पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

न्यूज ब्रीफ

मुंशी का बैग छीनकर भाग गए बाइक सवार

बदायूं, अमृत विचार : कोतवाली बिसौली क्षेत्र में मुंशी का काम कर रहे युवक से डाकघर के सामने तमंचे के बल पर बैग छीनने का आरोप लगा है। घटना को अंजाम देने के बाद तीन आरोपी बाइक से भाग गए। नगर के नखासा निवासी अर्जुन भारद्वाज का काम करते हैं। शनिवार को वह काम निपटाकर वापस घर लौट रहे थे। पीछे से बाइक से तीन लोग आए और तमंचा दिखाकर बैग छीन लिया। उन्होंने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की है।

स्थानांतरण के 15 दिन बाद भी नहीं हुई रवानगी

कुंवरगांव, अमृत विचार : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जिले में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए 20 नवंबर को थाने में तैनात पुलिस कर्मियों का स्थानांतरण किया था और तत्काल रवानगी के आदेश भी दिए थे। लेकिन स्थानांतरण पाने वाले पुलिस कर्मियों को अब तक कार्यमुक्त नहीं किया गया है। पिछले माह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थाना कुंवर गांव थाने में तैनात सिपाही धर्मवीर का ट्रांसफर दातागंज कोतवाली कर दिया था। साथ ही उन्हें तत्काल कार्यमुक्त करने के आदेश दिए थे। स्थानांतरण के 15 दिन बाद भी सिपाही को कार्यमुक्त नहीं किया गया है।

पुलिस ने तीन वारंटियों को भेजा जेल

बिल्सी, अमृत विचार : एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली बिल्सी पुलिस ने रविवार को तीन वारंटियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने बताया गांव मिर्जापुर सोहरा निवासी सुरेंद्र, नरेंद्र और संतोष कुमार के खिलाफ न्यायालय विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम ने वारंट जारी किए थे। तीनों को गिरफ्तार करके कोर्ट के सामने पेश किया है।

महिलाओं पर फब्तियां कसते युवक को पकड़ा

कुंवरगांव, अमृत विचार : थाना कुंवरगांव पुलिस ने अश्लील गाना गाने और फब्तियां कसने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। रविवार को पुलिस चेकिंग कर रही थी। कुंवरगांव चौराहे पर एक व्यक्ति वहां से गुजरने वाली युवतियों और महिलाओं पर अश्लील फब्तियां कसता दिखा। पुलिस ने युवक को पकड़ लिया। उसने अपना नाम शहर के मोहल्ला कबलूपुरा निवासी आरिश बताया। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

63 फीसद वक्फ संपत्तियों का ब्योरा अपलोड

37 प्रतिशत संपत्तियों का ब्योरा उम्मीद पोर्टल पर दर्ज न होने मुतवल्लियों को सता रहा डर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

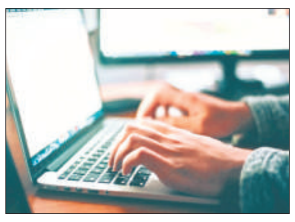

अमृत विचार : वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को अपलोड करने की समय -सीमा समाप्त हो चुकी है। अंतिम तिथि तक करीब 63 फीसदी संपत्तियों का ब्योरा उम्मीद पोर्टल पर अपलोड हो सका है। 45 फीसदी संपत्तियों का ब्योरा शेष रहने से मुतवल्ली और प्रबंधक चिंतित हो उठे हैं। उन्हें डर सता रहा है जिन संपत्तियों का ब्योरा अपलोड नहीं हो सका कहीं उस पर सरकार का कब्जा न हो जाए। हालांकि अल्पसंख्यक विभाग के अधिकारी अब भी तिथि बढ़ने की बात कह रहे हैं।

जिले में करीब 2250 वक्फ संपत्तियां पंजीकृत हैं। इनमें सुन्नी बोर्ड की 22 सौ सुन्नी और 40 शिया की संपत्तियां शामिल हैं। वक्फ बोर्ड की संपत्तियों का पंजीकरण 5 दिसंबर तक उम्मीद पोर्टल पर किया जाना था, लेकिन महज 63 प्रतिशत संपत्तियों का ही पंजीकरण हो सका। अधिकतर संपत्तियां दस्तावेजों के अभाव में पोर्टल पर दर्ज होने से रह गई हैं। अब इनके अस्तित्व पर संकट गहराने लगा है, जो संपत्तियां पोर्टल पर पंजीकृत होने से रह गईं हैं उनके मुतवल्ली और प्रबंधकों को डर सता रहा है कि अगर पंजीकरण के लिए तारीख आगे नहीं बढ़ी तो कहीं इन संपत्तियों पर सरकार अपना कब्जा न जमा ले। जिसके चलते मुतवल्लियों को प्रबंधकों के माथे पर बल पड़ गया है। हालांकि अल्पसंख्यक विभाग के अधिकारी कर्मचारी जिन संपत्तियों का ब्योरा दर्ज नहीं हो सका है उनके मुतवल्लियों और प्रबंधकों को वक्फ ट्रिब्यूनल में जाने की सलाह दे रहे हैं।

- **जिन संपत्तियों का नहीं हुआ ब्योरा दर्ज उन पर सरकार का कब्जा होने का सता रहा डर**
- **जिले में करीब 1,407 संपत्तियों का निर्धारित तिथि तक दर्ज हो सका है ब्योरा**

> वक्फ संपत्तियां पंजीकृत होने की समय सीमा समाप्त हो चुकी है। अभी भी आठ सौ से अधिक संपत्तियों का ब्योरा दर्ज होने से रह गया है। जिन संपत्तियों का ब्योरा उम्मीद पोर्टल पर दर्ज होने से रह गया है। उनके मुतवल्ली तथा प्रबंधक वक्फ ट्रिब्यूनल जा सकते हैं। वक्फ ट्रिब्यूनल को समय बढ़ाने का अधिकार है।
>
> **-प्रणव पाठक**, प्रभारी अल्पसंख्यक विभाग

वक्फ ट्रिब्यूनल आखिरी उम्मीद

अल्पसंख्यक विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के मुताबिक जो संपत्तियां उम्मीद पोर्टल पर अपलोड होने से रह गई हैं। उन्हें अभी समय मिल सकता है। मुतवल्लियों और प्रबंधकों को वक्फ बोर्ड संशोधित बिल 2025 में वक्फ ट्रिब्यूनल में जाने का अधिकार दिया है। वक्फ ट्रिब्यूनल पेनॉल्टी के आधार पर छह माह का समय दे सकता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि जो संपत्तियां पोर्टल पर पंजीकृत होने से रह गईं हैं, उनके मुतवल्ली तथा प्रबंधक वक्फ ट्रिब्यूनल की ओर रुख करेंगे।

यह है वक्फ ट्रिब्यूनल

अल्पसंख्यक विभाग के कर्मचारियों के अनुसार वक्फ ट्रिब्यूनल एक विशेष न्यायिक निकाय है। जिसे वक्फ से जुड़े विवादों, मामलों और प्रश्नों का निपटारा करने का अधिकार दिया गया है। जिससे वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और उनके अधिकारों से जुड़े कानूनी मामलों को अदालतों के बजाय ट्रिब्यूनल में सुलझाया जा सके। वक्फ ट्रिब्यूनल एक तरह से वक्फ संपत्तियों के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट की तरह काम करता है।

तीन दिन से लापता युवक का तालाब में उतराता मिला शव

संवाददाता, विजय नगला/बिनावर

- **घर नहीं लौटने पर परिजनों ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी**

अमृत विचार : तीन दिन से लापता युवक का शव उसके घर के सामने तालाब में उतराता मिला। सूचना पर पुलिस पहुंची। ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव मिलने के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

इस्ताक अहमद।

थाना बिनावर क्षेत्र गांव मोहम्मदी निवास इस्ताक अहमद तीन दिन से लापता चल रहे थे। परिजनों ने गांव और रिश्तेदारी में जानकारी की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। परिजनों के प्रार्थना पत्र पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करके युवक की तलाश शुरू की थी। रविवार सुबह लगभग 8 बजे ग्रामीणों ने इस्ताक अहमद के घर के सामने तालाब में उसका शव उतराता देखा। जानकारी होते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों ने शव की शिनाख्त की। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। शव को तालाब से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। ग्रामीणों के अनुसार युवक के तीन छोटे बच्चे हैं। वह शांत स्वभाव के थे। कभी कभार दौड़ा पड़ जाता था। आशंका जताई जा रही है कि दौड़ा आने पर तालाब में गिर गया होगा। डूबने से उसकी मौत हो गई होगी। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया तालाब में युवक का शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोटेदार पर कार्रवाई नहीं अब मुख्यमंत्री से शिकायत

कोटेदार के खिलाफ जांच करते पूर्ति निरीक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार: गांव कोल्हाई में कोटेदार द्वारा बरती जा रही अनियमिताओं की शिकायत पर सहसवान पूर्ति निरीक्षक द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान कोटेदार को पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाने के बाद चेतावनी देकर छोड़ दिया। कोटेदार के खिलाफ हुई जांच के ग्रामीण संतुष्ट नहीं दिखाई दिए। उन्हें मुख्यमंत्री से शिकायत का दोबारा जांच कराने की मांग की है।

गांव कोल्हाई निवासी सतेंद्र सिंह ने कोटेदार संतोष कुमारी के खिलाफ खाद्यान्न वितरण में अनियमिताओं के खिलाफ डीएम से शिकायत की थी। लेकिन उनकी शिकायत दो माह तक ठंडे बस्ते में पड़ी रही। जांच न होने पर शिकायतकर्ता ने दोबारा से डीएम को शिकायत पत्र सौंपा। इसके बाद सहसवान पूर्ति निरीक्षक जांच को पहुंचे। आरोप है कि पूर्ति निरीक्षक ने दुकान का लाइसेंस निलंबित करने के स्थान पर कोटेदार पर पांच हजार का जुर्माना लगाते हुए चेतावनी देकर छोड़ दिया। इस कार्रवाई से शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं है। शिकायतकर्ता सतेंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर दोबारा से जांच कराने की मांग की है।

निजी धर्म कांटे से तौल नहीं करा पाएंगे किसान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

गन्ना क्रय केंद्र पर खड़े गन्ना लदे वाहन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : गन्ना क्रय केंद्रों पर आने वाले वाहनों को क्रय केंद्र के कांटे पर ही तौला जाएगा। अन्य जगहों पर तौल कराने पर गन्ना नहीं खरीदा जाएगा। ग्रामीणों की शिकायत पर गन्ना विभाग ने क्रय केंद्र संचालकों को कड़ी फटकार लगाते हुए नियमों के अनुसार ही खरीद करने को कहा है।

क्षेत्र के कुंवर गांव, आमगांव, गुलड़िया और सिलहरी के गन्ना खरीद केंद्रों पर किसानों का गन्ना बेचा जा रहा है। क्रय केंद्रों पर तौल कराने के बाद ही वाहन को अनलोड किया जा रहा है। कुछ किसानों ने गन्ना विभाग से शिकायत की थी कि क्षेत्र में गन्ना माफिया सक्रिय हैं और वह अपना गन्ना कुछ निजी क्षेत्र से खरीद कर निजी कांटे पर तौल कराने के बाद क्रय केंद्रों पर ला रहे हैं। आरोप था कि उनका गन्ना क्रय केंद्रों पर नहीं तौला जा रहा है जिससे गन्ना खरीद में धांधली का पता चलता है। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने कहा कि वह स्वयं गन्ना क्रय केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। किसी तरह की धांधली नहीं हो रही हे। बिचौलिये गन्ना नहीं खरीद रहे हैं। उन्होने कहा कि गन्ना क्रय केंद्र संचालकों को निर्देशित किया है कि यदि कोई किसान बाहर से तौल करा कर लाता है तो उसका गन्ना न लिया जाए।

क्रय केंद्र पर ही गन्ना लदे ट्रैक्टर ट्रॉली की तौल कराई जाए। साथ ही बिना पर्ची के गन्ना नहीं खरीदा जाएगा। यदि कोई बिना पर्ची के गन्ना लाता है तो उसको वापस कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि बिसौली और रूपापुर की चीनी मिलों के क्रय केंद्रों पर विभाग के अधिकारी चेकिंग कर रहे हैं कहीं भी किसी तरह की शिकायत मिलती हैं तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

- **गन्ना लदे वाहनों की क्रय केंद्रों पर ही होगी तौल**
- **शिकायत के बाद गन्ना विभाग ने जारी किए निर्देश**

बिचौलिए का गन्ना नहीं खरीदा जाएगा

जिला गन्ना अधिकारी ने कहा जिले में कहीं पर भी गन्ना माफिया खरीद नहीं कर रहे हैं। शासन के निर्देशानुसार किसान का ही गन्ना खरीदा जा रहा है। चीनी मिलों को भी हिदायत दी गई है कि किसी बिचौलिए का गन्ना नहीं लिया जाए। यदि किसी चीनी मिल पर बिचौलिया का गन्ना खरीदा गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने प्रत्येक चीनी मिल को सूचना जारी कर दी है। गन्ना विभाग ने रविवार को अनेकों क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। सड़क पर गाड़ी रोक कर ट्रैक्टर ट्रॉली वालों से बात की और गन्ने के बारे में जानकारी की। शेखूपुर चीनी मिल प्रशासन ने अपने गन्ना किसानों से कहा है कि वह अपना गन्ना मिल गेट पर लाएं अन्य किसी जगह पर गन्ना न उतारा जाए। यदि बीच में कहीं पर भी गन्ना उतारा गया तो शिकायत मिलने पर गन्ना किसान का सट्टा कैंसिल कर दिया जाएगा उसका गन्ना नहीं खरीदा जाएगा। इसलिए मिल के सभी किसान अपने गन्ने का पूरा भुगतान लेने को मिल पर ही गन्ना लाएं।

भारतीय राष्ट्रीय पार्टी ने प्रदर्शन कर ईवीएम हटाने की उठाई मांग

उझानी, अमृत विचार : अंबेडकर पार्क में रविवार को बीआरपी चीफ आरपी मौर्य के नेतृत्व में ईवीएम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन करने वालों ने कहा कि देश से ईवीएम को हटाया जाना चाहिए।

ईवीएम हटाओ देश बचाओ अभियान के तहत बीआरपी चीफ ने दावा किया ईवीएम के बल पर बार -बार बीजेपी जीत रही है। देश में बीजेपी केअलावा सभी राष्ट्रीय पार्टियां ईवीएम के खिलाफ हैं। देश की 80 प्रतिशत जनता का ईवीएम के प्रति अविश्वास है। इसीलिए चुनाव आयोग को तत्काल ईवीएम को हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव बैलेट पेपर से ही होगा। चुनाव आयोग के खिलाफ बड़ा जनसैलाब खड़ा करेंगें। मजबूर होकर चुनाव आयोग को अपना फैसला बदलना पड़ेगा। इस मौके पर अजय सैनी, जोगेंद्र चौधरी, अजीत मौर्य, रोहित कुमार, राकेश शाक्य, अंजलि,ध्रुव सैनी, ओमप्रकाश आदि मौजूद

निरीक्षण में गैर हाजिर रहे कर्मचारियों पर कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल में निरीक्षण के दौरान गैरहाजिर मिले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। गैरहाजिर कर्मियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही सुरक्षा गार्डों को हर समय अस्पताल में मौजूद रहने को कहा गया है। जिससे किसी समय कोई विवाद की स्थिति न पैदा हो।

तीन दिन पहले जिला महिला अस्पताल में सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश पाल सिंह ने अचानक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के समय तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी गैर हाजिर मिले थे। साथ ही कई जगहों पर सुरक्षा गार्ड भी तैनात नहीं थे। सिटी मजिस्ट्रेट ने अस्पताल के रजिस्टर और अन्य रिकॉर्ड चेक किया। इमरजेंसी और पीएनसी वार्ड भी देखा। लेकिन निरीक्षण के समय किसी वार्ड में सुरक्षा गार्ड नजर नहीं आए। सिटी मजिस्ट्रेट ने लेबर रूम और सीएनसी वार्डों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय वार्ड के बाहर भीड़ लगी होने पर नाराजगी व्यक्त की गई। सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा लेबर रूम और सीएनसी वार्ड के बाहर किसी तरह की भीड़ नहीं होनी चाहिए।

जो कर्मचारी आज ड्यूटी पर नहीं है उनका एक दिन का वेतन काटा जाए। सिटी मजिस्ट्रेट ने निर्देशित किया कि महिला अस्पताल में सुरक्षा के लिए सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं लेकिन समय पर एक भी नहीं है। यहां पर प्रतिदिन सुरक्षा गार्ड की तैनाती की जाए जिससे किसी मरीज को किसी तरह की दिक्कत न हो।

सिटी मजिस्ट्रेट के निरीक्षण के बाद जिला महिला अस्पताल प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए रविवार को बताया कि जो कर्मचारी गैरहाजिर मिले उनको एक दिन का वेतन काटा जाएगा। साथ ही महिला अस्पताल में तैनात सुरक्षा गार्डों की तैनाती हर वार्ड पर की जाएगी। मुख्य गेट से लेकर अंदर तक सुरक्षा गार्ड मौजूद रहेंगे। सीएमएस डॉ. शोभा अग्रवाल ने कहा कि अब किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मरीजों के वार्डों में गंदगी न हो इसलिए तीमारदारों को भी वार्ड के अंदर नहीं रुकने दिया जा रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश पर यह तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटा जाएगा।

जिला महिला अस्पताल। ● अमृत विचार

- **अनुपस्थित कर्मियों का एक दिन का वेतन काटने का निर्देश**
- **जिला महिला अस्पताल में हर समय मौजूद रहेंगे सुरक्षा गार्ड**

अब प्रेरणा कैंटीन से मिलने लगा खाना

जिला महिला अस्पताल में बंद प्रेरणा कैंटीन खुल गई है जिससे यहां पर मरीजों एवं कर्मचारियों को अब चाय व खाना भी मिलने लगा है। कैंटीन विवाद को लेकर कई दिनों तक मरीजों को खाना नहीं मिला था। प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद मामला सुलझा दिया गया जिसके बाद महिला मरीजों को अब खाना मिलने लगा है।

डोडा छिलका के साथ आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

बदायूं, अमृत विचार : कुंवरगांव पुलिस ने एक युवक को गश्त के दौरान पकड़ा, तलाशी में उसके पास से 5.470 किग्रा डोडा छिलका बरामद हुआ। आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कुंवरगांव थाने के उपनिरीक्षक सुकेंद्र पाल सिंह रविवार को गश्त कर रहे थे।

बदायूं-कुंवरगांव मार्ग पर गांव फरीदपुर जाने वाले मार्ग के तिराहे से एक युवक को पकड़ा। जिसके पास से प्लास्टिक के कट्टे में डोडा छिलका मिला। उसने अपना नाम गांव लाही फरीदपुर निवासी भूरे अली बताया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी पर पहले से हत्या, गुंडा एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, चोरी, बलवा, मारपीट, धमकाने, धोखाधड़ी, गोवध अधिनियम आदि के 13 मामले चल रहे हैं।

घायल का इलाज नहीं करने पर भाकियू ने जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में सड़क हादसे में घायल का इलाज नहीं करने पर भाकियू ने भारी हंगामा किया और मेडिकल कॉलेज के जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

सिरसौली निवासी धर्मवीर सागर रविवार को एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे परिजन उनको लेकर राजकीय मेडिकल कालेज पहुंचे। मेडिकल कॉलेज में उनको भर्ती नहीं किया गया। घायल के परिजनों के अनुनय -विनय करने पर उनके साथ गाली -गलौज की गई। साथ ही घायल को दिल्ली ले जाने को रेफर कर दिया गया।

इस मामले की जानकारी होने पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के मंडल प्रवक्ता राजेश कुमार सक्सेना दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचे, उन्होंने भी डॉक्टरों से बात करने का प्रयास किया, मगर किसी ने बात नहीं की। जिस पर उन्होंने कहा कि यहां का स्टाफ संवेदनहीन है।

सोमवार को प्राचार्य से बात करके आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। अब आंदोलन किया जाएगा। घायल के बाद में शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। राजेश सक्सेना के साथ जसवीर सिंह, जयवीर सिंह, चिरंजी लाल, जोगिंदर सिंह, प्यारेलाल, ओंकार सिंह, रामचरण लाल,द सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे

भाकियू मंडल प्रवक्ता राजेश सक्सेना बात करते हुए। ● अमृत विचार

- **राजकीय मेडिकल कॉलेज से घायल को दिल्ली किया रेफर**

समस्या ग्रामीणों को नहीं मिल रहा लाभ, नहीं बैठते हैं डॉक्टर, झोलाछाप से दवा लेने को मजबूर लोग

स्वास्थ्य विभाग बेखबर, बंद रहता है प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। रविवार को आरोग्य मंदिरों पर मरीजों को दवा के लिए भटकना पड़ता है। पीएचसी पर डॉक्टरों के नहीं बैठने से स्थानीय लोगों को दवाएं नहीं मिल रही हैं। लेकिन विभाग का ध्यान इस ओर नहीं है, जिससे लोगों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी ठीक नहीं है। जिससे ग्रामीणों को इलाज के लिए झोलाछापों की शरण में जाना पड़ता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्सी के अन्तर्गत आने वाले रिसौली गांव में हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है। यहां पर केवल शशिकांत मौर्य फार्मासिस्ट है डॉक्टर की तैनाती की गई मगर कभी डॉक्टर केंद्र पर नहीं बैठते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यहां पर गांव व आस पास के तमाम मरीज प्रतिदिन दवा लेने को आते हैं मगर यहां कभी डॉक्टर नहीं मिलते हें। फार्मासिस्ट मरीजों को दवा देते हैं। महीने में एक या दो दिन डॉक्टर आते हैं और फिर फार्मासिस्ट के हवाले पीएचसी रहती है। करीब पांच हजार की आबादी वाले इस गांव में बुखार और अन्य बीमारियों के दर्जनों मरीज हर समय मिलते हैं,लेकिन यह मरीज डॉक्टर के न बैठने से झोलाछाप से इलाज करते हैं जिससे अच्छा खासा पैदा खर्च करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि डॉक्टरों के न आने की शिकायत कई बार बिल्सी एमओआईसी से की गयी फिर भी कोई लाभ नहीं हुआ।

रिसौली का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

> रिसौली में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है। वहां पर स्टाफ तैनात हैं, लेकिन डॉक्टर नहीं बैठते, इसकी जानकारी नहीं है। पता किया जाएगा। यदि ग्रामीणों को लाभ नहीं मिल रहा है तो डॉक्टर से पूछताछ की जाएगी।
>
> **-डॉ. रामेश्वर मिश्रा**, सीएमओ

- **रिसौली की पीएचसी पर कई महीने से नहीं पहुंच रहे डॉक्टर**

रिसौली गांव की आबादी करीब पांच हजार है फिर भी यहां स्वास्थ्य सेवाएं बदतर हैं। पीएचसी पर कभी डॉक्टर नहीं मिलते हैं। फार्मासिस्ट ही दवा देते हैं। जिससे लोगों को कोई लाभ नहीं मिलता है।
नन्हेलाल - रिसौली

स्वास्थ्य विभाग का अस्पताल है, लेकिन इस अस्पताल से कोई लाभ नहीं है। डॉक्टर नहीं आते हैं। कर्मचारी है खानापूर्ति करते हैं जिससे आम आदमी को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।
धर्म सिंह - ग्रामीण

सीएमओ और एमओआईसी को कई बार लिखित में शिकायती पत्र दिया जा चुका है मगर उस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया, जिससे स्वास्थ्य सेवा का लाभ नहीं मिल पाता है।
सुनील कुमार- ग्रामीण

यहां पर डॉक्टर महीने में एक या दो बार ही आते हैं। लोगों को दवा के लिए झोलाछापों का सहारा लेना पड़ता है। लेकिन इस ओर कोई देखने वाला नहीं है। अब किससे शिकायत की जाए। ग्रामीण परेशान हैं।
कृष्णा- ग्रामीण

घर के बाहर रखा जनरेटर उठा ले गए चोर

बिल्सी, अमृत विचार : बिल्सी के नाई पिंडरी रोड स्थित एक कॉलोनी से शनिवार देर रात चोर घर के बाहर रखा जनरेटर उठा ले गए। सुबह जब घर मालिक वहां पहुंचा तो जनरेटर गायब देख उसके होश उड़ गए।

मोहल्ला संख्या पांच निवासी पीड़ित उदयराज ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में जांच-पड़ताल की। पुलिस ने वारदात के स्थल के आसपास के घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालने की तैयारी शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से संदिग्ध लोगों की आवाजाही देखी जा रही थी, लेकिन किसी ने इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया।

राजनीतिक हिस्सेदारी के बिना समाज की तरक्की नहीं

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर के मोहल्ला जवाहरपुरी निवासी मनोज कुमार पाल के आवास पर पाल समाज की बैठक हुई। बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी मोहन लाल पाल, विशिष्ट अतिथि मुरलीधर पाल, पाल क्षत्रिय छात्रावास के अध्यक्ष नत्थू लाल पाल, अशोक कुमार पाल ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि हम सभी अहिल्याबाई होल्कर के वंशज हैं। उन बहादुर, पूर्वजों की संतान हैं जिन्होंने खून-पसीना बहाकर देश को सींचा है।

बदायूं पाल समाज की संख्या तीन लाख है। देश में 18 करोड़ हैं। देश को आजाद हुए 75 साल हो गए लेकिन शैक्षणिक, आर्थिक, औद्योगिक क्षेत्र में समाज बहुत पीछे है। राजनीतिक हिस्सेदारी न के बराबर है। इस हिस्सेदारी के बिना समाज की तरक्की नहीं होगी। मुख्य वक्ता राकेश पाल ने समाज के लोगों से कहा कि फूल की पंखुड़ी की तरह बनो, तभी माला बनेगी। संचालक वीरपाल बघेल ने प्रेरित करते हुए कहा कि सभी लोग आपसी मनभेद, मतभेदों को भुलाकर समाजहित में संगठित होकर कार्य करें। आगामी चुनाव में समाज के लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में मैदान में उतारें। हर प्रकार से सहयोग करें। जसवीर सिंह पाल ने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। बैठक में हेम सिंह, देव सिंह, महेंद्र पाल, पिंटू पाल, सौरभ पाल, प्रदीप पाल, गनेश, विपिन पाल रहे।

सदर विधानसभा क्षेत्र में 2271.38 लाख से होगा 23 सड़कों का निर्माण

कुछ सड़कों का कराया जाएगा चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण, शासन से मिली मंजूरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

विधानसभा क्षेत्र के लगभग सभी गांव में सड़कों का निर्माण कार्य कराया गया है। जो सड़क जर्जर थी उनके निर्माण की स्वीकृति मिली है। विधानसभा की कोई भी सड़क जर्जर नहीं छोड़ी जाएगी। धीरे-धीरे विकास के सभी कार्य कराए जा रहे हैं। इन सड़कों का निर्माण कार्य होने के बाद लोगों को काफी लाभ मिलेगा।
– **महेश चंद्र गुप्ता**, सदर विधायक/पूर्व राज्यमंत्री

- सदर विधायक ने शासन को दिया था प्रस्ताव, जल्द ही शुरू कराया जाएगा काम

अमृत विचार : सदर भाजपा विधायक और पूर्व राज्यमंत्री महेश चंद्र गुप्ता के प्रयास से जल्द ही 23 सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। जिसमें कुछ सड़कों का चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण भी होगा। शासन ने बदायूं विधानसभा क्षेत्र की इन सड़कों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। सड़कों के निर्माण के लिए 2271.38 लाख की धनराशि मंजूर की गई है। निर्माण संस्था को सड़कों का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू करने को निर्देशित किया गया है। सड़कों के निर्माण को स्वीकृति मिलने से संबंधित क्षेत्र के लोगों में प्रसन्नता है।

विधानसभा क्षेत्र में कई सड़क जर्जर हो गई हैं। जिन पर गुजरते समय लोगों को काफी दिक्कतें होती है। ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक व पूर्व राज्यमंत्री को समस्या से अवगत कराया था। सड़क के निर्माण की मांग की थी। विधायक ने सड़कों का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था।

शासन ने 23 सड़कों के निर्माण की स्वीकृति दी है। जिसमें मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग से जखौलिया मार्ग, बरातेगदार से रजलामई मार्ग, घौसपुर से ब्यौर मार्ग, बदायूं-बिजनौर मार्ग से भतरी गोवर्धन मार्ग पर रिटेलिंग वॉट निर्माण, टिकरी से कल्लिया काजिमपुर मार्ग, बीएम मार्ग से पुठी सराय संपर्क मार्ग, बिनावर-बिलहत-मूसाझाग से मुल्लापुर तक सीसी मार्ग, बिछुरईया स शेरगंज घटबेटी तक सीसी मार्ग, वजीरगंज गोठा में सीसी मार्ग स्वीकृत किया गया है। इसके अलावा वजीरगंज-उसैता मार्ग से लहरा लाडपुर, गुरुपुरी चंदन से घटपुरी, कुंवरगांव से कसेर पनौटा मार्ग, एमएफ राजमार्ग से बल्लिया मार्ग, बनकोटा-गरुइया मार्ग, एमएफ राजमार्ग से केदारनगर मार्ग, भगवतीपुर संपर्क मार्ग, बनकोटा व आलमपुर संपर्क मार्ग, बरखेड़ा से गौटिया बिहार तक संपर्क मार्ग, बदायूं-बिसौली से सिरसा मार्ग, मझिया से कचहरी, शेखूपुर सकरी जंगल मार्ग तक सौंदर्यीकरण व चौड़ीकरण कार्य स्वीकृत हुआ है। साथ ही वजीरगंज कसेर कटैया से विजय नगला और आसम-बरखैन मार्ग के सौंदर्यीकरण, बदायूं-आंवला मार्ग से दराब नगर से अहरुईया संपर्क मार्ग पर सीसी रोड का निर्माण होगा।

इन सभी सड़कों का कार्य 2271.38 लाख की लागत से होगा। सड़कों की स्वीकृति मिलने के बाद इन इलाकों के लोगों में काफी खुशी है और उम्मीद जाता रहे हैं कि आने वाली बरसात से पहले इन सड़कों का कार्य पूरा हो जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि सड़कों से ही क्षेत्र के विकास का रास्ता खुलता है। उनकी मांग पर सदर विधायक ने शासन को प्रस्ताव भेजा था। शासन ने भी कार्यदायी संस्था को जल्द काम शुरू करने का निर्देश दिया है।

न्यूज ब्रीफ

हनुमान मंदिर में मनाया गया स्थापना दिवस

बदायूं, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र बिसौली के गांव रमपुरिया स्थित हनुमान मंदिर में दो साल पूर्व शिव परिवार की स्थापना की गई। दो साल पूरे होने पर मंदिर में स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस पर पुजारी और श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जल से अभिषेक किया। साथ ही पुष्प अर्पित किए। तथा लोगों के कल्याण के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में शिव शक्तिपीठ बरेली आचार्य मुख्य अतिथि रहे। उनके द्वारा कार्यक्रम को संपन्न कराया गया। इस मौके पर मनोज चौधरी, शिवानी चौधरी, उमेश पाल सिंह, बृजेश देवी, अमन चौधरी, दक्ष चौधरी आदि मौजूद रहे।

इन्फेक्शन से युवक की मौत, मचा कोहराम

उसहैत, अमृत विचार : कस्बा के स्व. अनंत राम सैनी फौजी के पुत्र संदीप सैनी (30) की इंफेक्शन से रविवार को मौत हो गई। संदीप भाई के साथ कानपुर में रहते थे। वहां उनकी तबीयत खराब हुई तो उनके भाई दीपक उसे लेकर चार दिन पहले घर पर आए। घर पर उनकी हालत ठीक थी। उन्होंने शुक्रवार को अपने परिवार के एसआईआर फार्म खुद भरकर बीएओ को दिए थे। शनिवार को संदीप की अचानक तबीयत बिगड़ गई आनन फानन में भाई दीपक उपचार के लिये बदायूं ले गए। जहां से बरेली रेफर कर दिया।

आवासीय योजना के प्लॉटों पर कब्जे की आशंका

बिल्सी, अमृत विचार : मोहल्ला संख्या पांच निवासी संजीव कुमार और मनोज कुमार ने डीएम को भेजे शिकायती पत्र में बताया 14 मार्च 2003 को केंद्र व राज्यांश योजना के अंतर्गत 50 व 72 वर्ग मीटर वाले प्लॉट लॉटरी प्रणाली से आवंटित किए गए थे। इसी लॉटरी में वर्तमान पालिकाध्यक्ष ज्ञान देवी सागर को भी एक प्लॉट मिला था। जिसकी आवंटन राशि नगर पालिका कोष में जमा कर दी थी, जिसकी रसीद उनके पास मौजूद हैं। आरोप है कि वर्ष 2007 में पालिकाध्यक्ष के पति ओमप्रकाश सागर के अध्यक्ष बनने के बाद उनकी पत्नी सहित कुछ लोगों के प्लॉटों की रजिस्ट्री तो कर दी गई, लेकिन कई आवंटियों की बार-बार प्रार्थना के बावजूद न तो रजिस्ट्री कराई गई और न ही कब्जा दिलाया गया। उक्त भूमि से संबंधित एक वाद नेम सिंह बनाम नगर पालिका सिविल जज सहसवान न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि इसके बावजूद पालिका प्रशासन ने उसी स्थल को गौशाला निर्माण के लिए चिन्हित कर निविदा प्रक्रिया भी शुरू करा दी है।

पूर्व सांसद राजवीर सिंह का किया स्वागत

सांसद राजवीर सिंह का स्वागत करते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, उझानी

अमृत विचार : पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र पूर्व सांसद राजवीर सिंह के उझानी आगमन पर एडवोकेट मोहित प्रभार की पुत्री ने स्वागत किया। उन्होंने धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाकर संदेश दिया कि सनातन के खिलाफ बोलने वालों को समाज में रहने का अधिकार नहीं है।

सांसद राजवीर सिंह राजू भैया रविवार को उझानी पहुंचे। उनका भव्य स्वागत किया गया। भाजपा जिला प्रतिनिधि मोहित कुमार ने कहा कि जब भी राजू भैया उझानी आते हैं तो हमें उनका आशीर्वाद व मार्गदर्शन प्राप्त होता है और हम चाहते हैं राजू भैया जैसे नेता हमारे क्षेत्र में आते रहें जिससे लोगों को काम करने की प्रेरणा मिलती रहे। उनके आगमन पर समर्थकों ने ढोल नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। सांसद राजू भैया ने कहा कि भाजपा सरकार ने हर क्षेत्र में विकास किया है। आगे भी किया जाएगा। गरीबों मजदूरों दलितों को आगे लाने के लिए हमेशा काम करते रहेंगे। इस मौके पर भाजपा जिला प्रतिनिधि, शिवांशी प्रभाकर, अंकित चौहान, मनीष वाल्मीकि, अनोखे वाल्मीकि, सुरेंद्र वाल्मीकि, पारस चौहान, उर्मिला देवी, राममूर्ति देवी, रवि कश्यप आदि मौजूद रहे।

रैलियों से प्रत्याशियों की ताकत परखेगी कांग्रेस

संवाददाता, दातागंज

दातागंज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता और मौजूद लोग।

- दातागंज में बेला डांडी मार्ग स्थित बाजार में हुआ कांग्रेस का संविधान बचाओ संवाद कार्यक्रम

अमृत विचार : दातागंज के बेलाडांडी मार्ग स्थित बाजार में कांग्रेस का संविधान बचाओ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सीतापुर सांसद राकेश राठौर ने कहा कि प्रधानमंत्री पिछड़ों के आरक्षण की रक्षा नहीं कर पाए हैं। प्रदेश में कांग्रेस मजबूत प्रत्याशियों की तलाश कर रही है। हर विधानसभा क्षेत्र में रैलियां कर प्रत्याशियों की ताकत देखी जाएगी। प्रत्याशियों का सर्वे कराया जाएगा।

सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार पूंजी पतियों के लिए काम कर रही है। दलित, पिछड़ों, मुसलमानों, किसानों और नौजवानों के हितों पर भाजपा हमला कर रही है। कांग्रेस राहुल गांधी के एजेंडे पर संघर्ष तेज करेगी। राहुल गांधी ने आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को तोड़ने का जो एलान किया है वह देश में नई क्रांति लाएगा। उत्तर प्रदेश में 2027 में कांग्रेस के बिना कोई सरकार नहीं बनेगी। जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि दातागंज में कांग्रेस जनता की आवाज को मजबूती से उठाएगी। सीतापुर से आईं वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री सुनीता चौधरी ने कहा कि दलितों के हितों के लिए कांग्रेस ही संघर्ष कर सकती है। इस मौके पर सीतापुर पिछड़ा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजेश पाल, धर्मेंद्र कश्यप, गिरीश चंद्र यादव, कुंवर पाल सिंह, सत्यम यादव, अभिषेक यादव, वेद प्रकाश, उमेश यादव, अर्जुन यादव, बिजनेश यादव, सुधीर यादव, गौरव यादव आदि उपस्थित रहे।

जाम से जूझता रहा पुलिस लाइन चौराहा, घंटों फंसे रहे वाहन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

पुलिस लाइन चौराहे पर लगा जाम। ● अमृत विचार

- बदायूं क्लब में कार्यक्रम को लेकर सड़क पर रहा जाम
- यातायात रहा बाधित, लगी रही लाइन, रोडवेज रोड रहा बंद

अमृत विचार : रविवार को पुलिस लाइन चौराहा जाम से जूझता रहा जिससे दर्जनों वाहन घंटो जाम में फंसे रहे। बदायूं क्लब से लेकर रोडवेज तक वाहनों का रेला लगा रहा। पुलिस ने बमुश्किल किसी तरह जाम खुलवाया जिसके बाद जाम से लोगों को निजात मिली।

रविवार को अवकाश के दिन आम तौर पर सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है। लगभग सभी सड़कें खाली रहती हैं। बाजारों में भी रौनक नहीं रहती है। लेकिन आज बदायूं क्लब में आयोजित कार्यक्रम के चलते पुलिस लाइन चौराहे से रोडवेज तक काफी देर तक जाम लगा रहा। कार्यक्रम में आने वालों के वाहन सड़क पर ही खड़े कर दिए गए जिससे बसों व अन्य वाहनों के आवागमन में दिक्कत हुयी। दोपहर एक बजे से लेकर तीन बजे तक रोड जाम रहा। अधिकारियों के वाहन भी जाम का शिकार हो गए। अन्य वाहन जाम में फंसे रहे।

जाम के चलते कार बस और दोपहिया वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रैफिक पुलिस के साथ थाना सिविल लाइन पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया तब कहीं जाकर जाम से निजात मिली।

पुलिस लाइन से इंदिरा चौक रोड पर भी जाम रहा। मुख्य चौराहे पर जाम के चलते चारों ओर की सड़कों पर वाहनों के पहिए थम गए। जिससे और दिक्कत हो गयी। इंदिरा चौक पर जाम के चलते ऑटो और ई रिक्शा चालको के कारण जाम लगा। पुलिस ने ऑटो चालकों को चौराहे पर बाद में नहीं आने दिया। जिसके बाद बसों को बरेली दातागंज रोड की ओर निकाला जा सका।

उधर सुबह दस बजे से ट्रैफिक पुलिस ने संतोष सिंह चौराहे पर वाहनों को रोकना शुरू कर दिया। ट्रैक्टर ट्राली चालकों को वापस लौटा दिया। केशव बसों को ओवरब्रिज पर चढ़ने दिया गया अन्य वाहन चालकों को रोककर उनसे पूछताछ की गयी।

ट्रैफिक पुलिस ने बिना हेलमेट के बाइक चला रहे लोगों को रोक कर एक ओर खड़ा कर दिया। काफी देर बाद उन्हें जाने दिया।

दातागंज चौराहे पर भी ऑटो चालकों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चला कर इधर उधर दौड़ाया। जिससे चौराहे पर एक भी ऑटो चालक नजर नहीं आया। यहां पर सुबह से शाम तक ई रिक्शा और ऑटो चालक सवारियां बैठते हैं और यहीं पर स्टैंड बना लिया है जिससे बसों ट्रकों को आने जाने में भारी दिक्कत होती है। स्थानीय दुकानदारों की शिकायत पर आज कार्यवाही की गयी।

बाइक सवारों को दी हेलमेट की हिदायत

नवादा चौकी पर पुलिस ने मुरादाबाद और बरेली रोड से आने वाले बाइक सवारों को रोक कर हेलमेट लगाने की हिदायत दी। पुलिस ने कुछ युवकों को काफी देर तक बिठाए रखा। रविवार को पुलिस ने शहर के अनेक क्षेत्रों में बाइक चालकों को रोक कर हेलमेट लगाने की हिदायत दी। कहा कि यातायात के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है फिर भी कुछ लोग नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

छात्र मॉडल पेपर से कर रहे बोर्ड परीक्षा की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बोर्ड परीक्षा नजदीक आते ही मेहनत से जुटे परीक्षार्थी

अमृत विचार: यूपी बोर्ड परीक्षा शुरू होने का समय जैसे- जैसे नजदीक आ रहा है। वैसे-वैसे परीक्षार्थियों की धड़कने बढ़ने लगी हैं। बोर्ड परीक्षा का पैटर्न बदलने के बाद से परीक्षार्थियों ने भी पढ़ाई करने के तरीके में बदलाव किया है। वह पिछले वर्षों में हुई परीक्षा के प्रश्नपत्रों और नए मॉडल पेपरों का अध्ययन कर रहे हैं। इसके माध्यम से उन्हें यह समझने में काफी मदद मिल रही है, कि गत वर्ष के दौरान हुई परीक्षा में किस प्रकार के प्रश्न पूछे गए थे। जिससे वह परीक्षा में अच्छे नंबर ला सकें।

हाईस्कूल इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से शुरू होने वाली हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा परीक्षा की तैयारी तेजी से पूरी करने में लगा हुआ है। परीक्षा केंद्रों की अनंतिम सूची जारी होने के बाद आईं आपत्तियों का निस्तारण किया जा रहा है। रिपोर्ट 11 दिसंबर को शासन में भेजी जाएगी। इसके बाद परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी होगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद की तैयारियों के साथ साथ परीक्षार्थी भी परीक्षा में अच्छे नंबर लाने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं। यूपी बोर्ड द्वारा पिछले दो तीन सालों में परीक्षा का पैटर्न बदला है। इसी बदले हुए पैटर्न की वजह से तैयारी में जुटे छात्रों ने भी पढ़ाई करने का तरीका बदल लिया है। हाईस्कूल इंटरमीडिएट के परीक्षा पिछले साल हुई परीक्षा के प्रश्नपत्रों और नए मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं। वहीं शिक्षक भी प्रत्येक प्रश्न पत्र का विश्लेषण कर छात्रों को बता रहे हैं कि कौन-से अध्याय से बार-बार प्रश्न आते हैं, किन टॉपिक्स पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है और पेपर पैटर्न को कैसे समझना है।

लोनिवि तीन माह पूर्व शासन में भेज चुका डीपीआर, अब तक नहीं मिली स्वीकृति

बजट के अभाव में शुरू नहीं हुआ पुल का निर्माण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- करीब साढ़े चार सौ करोड़ की लागत से होना है पुल का अधूरा कार्य
- दो साल पूर्व रामगंगा नदी पर बने अधूरे पुल से कार गिरने से हुआ था हादसा

अमृत विचार: रामगंगा नदी पर बना मुढ़ा पुख्ता पुल पर निर्माण कार्य शुरू हो सके, इसके लिए लोक निर्माण विभाग शासन की स्वीकृति का इंतजार कर रहे हैं। करीब छह माह पूर्व भेजा गया था। लेकिन अब तक स्वीकृति नहीं मिल सकी है। अब भी फाइल शासन में ही अटकी पड़ी है। हालांकि विभागीय अधिकारी फरवरी मार्च माह में बजट जारी होने का दावा कर रहे हैं।

बरेली और जिले के दातागंज क्षेत्र को जोड़ने के लिए करीब 42 करोड़ की लागत से रामगंगा नदी पर मूढ़ा पुख्ता पुल का निर्माण किया गया था। जिस पर 2023 में आवागमन भी शुरू हो गया था। इसी साल बाढ़ आने से पुल का पहुंच मार्ग बह गया। पुल हवा में लटक गया। ऐसी स्थिति होने के बाद भी लोक निर्माण विभाग द्वारा सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए। नतीजा यह निकला साल 2024 के नवंबर माह के दौरान रात के समय गूगल के सहारे पुल पर पहुंची एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। कार नदी में गिरने से उसमें सवार तीन युवकों की मौत हो गई।

हादसे के बाद जिला प्रशासन के साथ साथ शासन में भी हड़कंप मच गया था। नदी में कार गिरे के बाद लोक निर्माण विभाग के कई इंजीनियरों के खिलाफ दातागंज कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिसकी विवेचना अब तक पूरी नहीं हो सकी है। इसके बाद शासन के निर्देश पर आईआईटी रुड़की के इंजीनियर ने पुल और रामगंगा नदी का सर्वे कर रिपोर्ट लोक निर्माण विभाग को सौंपी थी। इसके बाद लोक निर्माण विभाग द्वारा 155 करोड़ रुपए का डीपीआर तैयार बनाई गई। इसके बाद प्रस्ताव तैयार शासन में भेज दिया गया। लेकिन प्रस्ताव पर अब तक स्वीकृति नहीं मिल सकी है।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक स्वीकृति के लिए भेजे गए प्रस्ताव पर कई बार आपत्तियां लगाई गईं थी। अब उनका निस्तारण किया जा चुका है। आपत्तियों का निस्तारण किए जाने के बाद भी अब तक पुल निर्माण के लिए शासन से वित्तीय स्वीकृति नहीं मिल सकी है। फाइल अब भी शासन में ही अटकी हुई है। हालांकि विभागीय अधिकारी फरवरी, मार्च माह में वित्तीय स्वीकृति मिलने का दावा कर रहे हैं।

200 मीटर बढ़ेगी पुल की लंबाई

मूढ़ा पुख्ता पुल का निर्माण कार्य करीब 155 करोड़ की लागत से होना है। वित्तीय स्वीकृति के लिए फाइल शासन में अटकी हुई है। स्वीकृति के मिलने के बाद पुल की लंबाई दो सौ मीटर बढ़ाई जाएंगी। साथ ही 400 मीटर का संपर्क मार्ग और करीब चार किलोमीटर अतिरिक्त संपर्क मार्ग बनाया जाएगा।

पुल निर्माण के लिए भेजे गए प्रस्ताव पर वित्तीय कमेटी के द्वारा आपत्तियां लगाई गईं थी। उन आपत्तियों में सुधार कर प्रस्ताव शासन में भेजा जा चुका है। जल्द ही पुल निर्माण की स्वीकृति मिल जाएगी। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। उम्मीद है कि फरवरी, मार्च माह तक स्वीकृति मिलने के साथ बजट भी आवंटित हो जाएगा। – **नरेश कुमार सिंह**, अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग

शिविर में पुलिस कर्मियों परिजनों की हुई जांच

बदायूं, अमृत विचार : वामा सारथी, उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन और जिला होम्योपैथिक चिकित्सालय की ओर से रिजर्व पुलिस लाइन में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। डॉ. रजनेश शर्मा, फार्मासिस्ट संजीव, वार्ड ब्वाय केशव राम ने जांच की और दवाओं का नि:शुल्क वितरण किया। एसपी देहात डॉ. हृदेश कठेरिया और पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य की जांच की। प्रतिसार निरीक्षक इंद्रजीत सिंह मौजूद रहे।

बेसन में चावल का आटा मिलाकर बेच रहा है मिलावटखोर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- रंगीन रसगुल्ला में मिलाया जा रहा केमिकल पदार्थ
- सक्रिय हैं मिलावट खोर, खाद्य सुरक्षा विभाग खामोश

अमृत विचार: जिले में मिलावटखोर सक्रिय हैं। ऐसा कोई खाद्य पदार्थ न हो जिसमें उनके द्वारा मिलावट नहीं किया जा रहा है। धंधेबाज मुनाफा कमाने के लिए दाल, मसाले आदि के साथ सभी खाद्य पदार्थ को मिलावट कर बेच रहे हैं। उनके द्वारा बेसन में भी मिलावट की जा रही है। यह लोग खराब चावल के टुकड़ों को कम दाम में खरीद कर उसका आटा बनाकर बेसन में मिलाकर बेच रहे हैं। यहां तक रंगीन रसगुल्लों में भी हानिकारक केमिकल को मिलाकर बेचा जा रहा है। पिछले माह एडीएम कोर्ट द्वारा मिलावट करने वाले ऐसे 15 धंधेबाजों के खिलाफ जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके बाद भी बाजार में मिलावटी खाद्य वस्तुओं की बिक्री कम नहीं हो पा रही है।

पाचन तंत्र पर पड़ता है असर

जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. कप्तान सिंह कहते हैं कि मिलावटी खाद्य पदार्थ के सेवन से लोगों की सेहत खराब होती है। उनका पाचन तंत्र बिगड़ जाता है। बेसन में मिलाया जा रहा केमिकलयुक्त पीला रंग शरीर के अंदर घाव बनाता है। धीरे-धीरे ये घाव लिवर को खराब करता है। इसके अलावा मिलावट की वजह से एलर्जी की समस्या बढ़ती है। लोगों को मिलावटी खाद्य पदार्थ की खरीदारी से बचना चाहिए

बाजार में मिलावटी खाद्य वस्तुओं की रोकथाम के लिए अभियान चल रहा है। जिसकी निगरानी भी होती है। बेसन, मैदा, सूजी, तेल आदि खाद्य पदार्थ के सैंपल लिए जा रहे हैं। जहां से शिकायत आती है वहां पर टीम को भेजकर सैंपल लिए जाते हैं। सैंपल फेल आने पर जुर्माना भी लगाया जाता है। – **सीएल यादव**, सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त द्वितीय

सहालग सीजन चल रहा है। सहालग सीजन में दूध, पनीर, मसाले तथा बेसन आदि की मांग अधिक है। शादी समारोह का आयोजन करने वाले लोग बाजार में इन खाद्य वस्तुओं की खरीदारी करने पहुंच रहे हैं। उनके द्वारा जो खाद्य पदार्थ खरीदे जा रहे हैं, वह कितने शुद्ध हैं कितने अशुद्ध इसकी जानकारी नहीं हैं। बाजार में इस समय बेसन 130 रुपये किलो, मैदा व सूजी 70 रुपये किलो तक बिक रही रही है। यह खाद्य पदार्थ तक शुद्ध नहीं है। यह लोगों की सेहत से खिलवाड़ करते हुए मैदा और बेसन में खराब चावल का आटा व केमिकल युक्त रंग मिला रहे हैं। किराना दुकानदारों के अनुसार सहालग में मैदा और बेसन की खपत हर आयोजन में होती है। इसी मांग का फायदा उठाते हुए कुछ व्यापारी पुराने या खराब चावल को पीसकर बेसन में मिला रहे हैं और पीला रंग डालकर इसे असली जैसा बना देते हैं। वहीं, मैदा में भी चावल का आटा मिलाया जा रहा है, जिससे इसमें फफूंदी लगने और स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ने की आशंका रहती है। किराना व्यापारी मुकेश गुप्ता कहते हैं कि त्योहारों पर मिलावटखोर सक्रिय हो जाते हैं। इससे अच्छे व्यापारियों की साख खराब होती है। वहीं दुकानदार राकेश कुमार शर्मा बताते है कि मिलावट की वजह से व्यापार प्रभावित होने लगा है। इसलिए ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जरूरी है। बाजार में मिलावटी खाद्य पदार्थ की बिक्री चलते शिकायतों की संख्या भी बढ़ रही है।

ऐसे होती है मिलावट

बाजार में बेसन खुला और पैकेट में बिक रहा है। इनके दामों में भी अंतर है। बताया जाता है कि धंधेबाज खुले बेसन के साथ पैकेट में भी अपने ब्रांड के नाम पर बेसन तैयार कर रहे हैं। धंधेबाज खराब चावल के टुकड़े पिसवाकर उसे बेसन में मिला देते हैं। रंग डालकर उसे बेसन के कलर में कर दिया जाता है। इसके बाद उसे बाजार में बिकने के लिए भेज दिया जाता है। 10 रुपये का चावल बेसन बनने के बाद 130 रुपये में बिक बेचा जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कार चालक पर एफआईआर दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली में दी गई तहरीर में ग्राम बिचपुरी निवासी दिनेश कुमार की पत्नी किरन देवी ने बताया 12 नवंबर की शाम 6 :30 बजे उसके पति दिनेश कुमार काम निपटाकर ग्राम टिकरी से बाइक से घर आ रहे थे। इसी दौरान कार चालक ने नियंत्रण खोते हुए उन्हें टक्कर मार दी, वह गंभीर रुप से घायल हो गए थे। उन्हें सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां पर उनका इलाज चला। पुलिस ने मामले में कार चालक ग्राम मोहम्मदपुर भजा निवासी गुड्डू कोहली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जेठ समेत चार के खिलाफ मुकदमा

बीसलपुर, अमृत विचार : ग्राम परेवा निवासी रामबेटी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 6 दिसंबर की शाम 4 बजे उसके जेठ सर्वेश कुमार, देवर बबलू, कमलेश, रामू ने आकर गाली देने लगे। विरोध करने पर हमला कर मारपीट की गई। शोर पर आसपास के लोगों के जमा होने पर आरोपी धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

वार्षिकोत्सव जुगनू में छात्रों ने बिखेरी छठा

समारोह में मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

वार्षिकोत्सव जुगनू के दौरान कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार : डीपॉल स्कूल का वार्षिकोत्सव जुगनू मनाया गया। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम करके छठा बिखेरी। मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सीडीओ केशव कुमार ने 12वीं के विद्यार्थियों और एजुकेशन काउंसलर मार्टिन ने 10वीं के विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

वार्षिकोत्सव की शुरूआत में प्रधानाचार्य अजिन पॉल ने स्कूल के मूल्यों और उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया। छात्र-छात्राओं ने स्वागत गान और नृत्य प्रस्तुत करके मन मोहा। बच्चों ने जुगनू नामक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। जिसे खूब सराहा किया। छोटे बच्चों ने सामूहिक नृत्य पेश किया। सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, विशिष्ट अतिथि एडीजे विकाश सिंह, एआरटीओ प्रशासन राम वचन गुप्ता, सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय, स्कूल मैनेजर अजीष जॉर्ज ने दीप प्रज्वलित किया। छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष सैन थॉम विनसेंशियन सोसाइटी के असिस्टेंट प्रोविंशियल फादर जॉनसन ने अध्यक्षीय भाषण दिया। मिशन सुपीरियर फादर मैथ्यू वीसी ने स्कूल की वार्षिक पत्रिका दर्शन के नवीनतम अंक का विमोचन किया। कार्यक्रम के अंत में मैनेजर फादर अनीश जॉर्ज ने कोरियोग्राफर जिंटो को सम्मानित किया। सभी का धन्यवाद किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

विदेश भेजने के नाम पर ठगे 12 लाख, रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : विदेश में नौकरी दिलाने के नाम एक ठग ने 12 लाख रुपये की ठगी कर ली। उसके बदले में नकली वीजा और टिकट आदि थमा दिए। जब उसे जानकारी हुई। तो उसने रुपये मांगे, तो आरोपी जान से मारने की धमकी देना शुरू हो गया। इस मामले में पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम गुलड़िया भिंडारा निवासी मोहम्मद सलीम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी जान पहचान विक्रमजीत सिंह निवासी ग्राम हूड़ा थाना अमरिया से मई 2025 में उसके भाई के मझोला स्थित गैराज पर हुई थी। आरोपी ने उसे बताया वह विदेश में नौकरी पर भेजने का काम करता है। उसकी बातों पर विश्वास करके उसने भी विदेश जाने की इच्छा जताई। जिस पर आरोपी ने 12 लाख रुपये में विदेश भेजने की बात कही, इस पर उसने 28 जून 2025 को आरोपी के खाते में दस लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

वीरेश कुमार का वन बेहटा में किया स्वागत

डॉ. वीरेश कुमार सिंह का स्वागत करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : भाजपा नेता डॉ. वीरेश कुमार सिंह ने रविवार को बिल्सी क्षेत्र में जनसंपर्क किया। ग्रामीणों से बात की और उनकी समस्याओं को जाना। आज उन्होंने वनबेहटा, निजामपुर, रिसौली, सिरासौल, संजरपुर, रूहान हरगनपुर में जनसम्पर्क कर लोगों से मुलाकात की, इस अवसर पर सतीश सिंह, श्री कृष्ण,नीरज शर्मा, गिरीश मौर्य, सुदीप सिंह, मनोज तोमर, अर्पण तोमर, नन्हे ठाकुर, गुड्डू राघव, विनोद राणा, सुनील कुमार, दीपक ठाकुर, कल्लू चौहान, डॉ राजेश सिंह, सोमेंद्र सिंह , लल्ला ठाकुर, हेमराज शाक्य सुशील सिंह, प्रमोद सिं, राकेश सिंह, आकाश आदि ने फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया ।

हरदोई जिले में पत्रकारों से मारपीट का विरोध

उझानी, अमृत विचार : हरदोई जिले के बिलग्राम में पत्रकारों के साथ हुई घटना से पत्रकारों में रोष है। इसके संबंध में रविवार को उझानी में आदर्श पत्रकार एकता ट्रस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के आवास पर बैठक हुई। घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो पत्रकार आंदोलन करेंगे। संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एम आरिफ खान ने बताया कि थाना बिलग्राम में रुखसाना पुत्र मंसीर की मौत का मामला सामने आया था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने की बजाय समझौते का दबाव बनाया। जिसके चलते महिला समेत दो पत्रकार बाइट लेने के लिए सीओ कार्यालय गए थे। पुलिसकर्मियों ने उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया। उनके मोबाइल छीनकर वीडियो डिलीट कर दी। महिला पत्रकार को गाड़ी में डालकर थाने ले जाया गया। बंदूक की बट से पीटा गया। प्रदेश में पत्रकारों पर हो रहे हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से प्रकरण की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है। मोहम्मद आकिल खान, मुसर्रत अली, मोहम्मद नईम, अंकित चौहान, जीशान अहमद, शाहिद खान आदि मौजूद रहे।

मनुष्य को हर पल कर्मशील रहना जरूरी

संवाददाता, बिल्सी

यज्ञ करते आचार्य संजीव रूप। ● अमृत विचार

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के यज्ञ तीर्थ गुधनी स्थित प्रज्ञा यज्ञ मंदिर में रविवार को आर्य समाज का साप्ताहिक सत्संग श्रद्धा एवं शांति के साथ संपन्न हुआ। आचार्य संजीव रूप ने यज्ञ के दौरान मानव जीवन में कर्म, पुरुषार्थ और सतत प्रयास के महत्व पर प्रकाश डाला। आचार्य संजीव रूप ने कहा कि युगों-युगों के शुभ कर्मों का जब तक मेल नहीं होता, तब तक मानव शरीर पाना संभव नहीं। यह कोई बच्चों का खेल नहीं है। उन्होंने कहा कि मनुष्य का असंतुष्ट रहकर आगे बढ़ने की भावना ही समाज और राष्ट्र के विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। आचार्य ने कहा कि संतुष्ट सुअर से असंतुष्ट मनुष्य लाख गुना श्रेष्ठ है। जो प्राप्त से संतुष्ट हो जाए, वह न पुरुषार्थ करेगा, न ज्ञान अर्जित करेगा, न व्यापार और न ही कोई आविष्कार-ऐसा व्यक्ति निकम्मा होकर बैठ जाता है। इसलिए मनुष्य को हर पल कर्मशील रहना चाहिए। डॉ.सत्यम आर्य ने स्वास्थ्य और चरित्र पर जोर देते हुए कहा कि स्वस्थ रहना प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है। अस्वस्थ व्यक्ति न समाज के लिए लाभकारी होता है न राष्ट्र के लिए। चरित्रवान व्यक्ति ही वास्तविक रूप से स्वस्थ और सक्षम माना जाता है। इस मौके पर कमलेश कुमारी, संतोष कुमारी, गुड्डो रानी, सरोज देवी, सूरजवती देवी, कौशिकी रानी, पंजाब सिंह, राकेश आर्य सहित आर्य संस्कारशाला के बच्चे मौजूद रहे।

देवीपुरा गोशाला में संकीर्तन और उदघाटन नौ को

पीलीभीत, अमृत विचार: गौर धाम परिवार की ओर से गोसेवा करते हुए देवीपुरा गोशाला में टिनशेड बनवाया। इसका उद्घाटन नौ दिसंबर को किया जाएगा।जिसमें गौर धाम परिवार के लोग जुटेंगे और संकीर्तन भी किया जाएगा। बता दें कि शहर से करीब पांच किमी की दूरी पर स्थित देवीपुरा गोशाला में गौर धाम परिवार की ओर से पूर्व में भी गोसेवा को लेकर कदम उठाए जा चुके हैं। इसी क्रम में एक नए टिनशेड का निर्माण कराया गया है। जिसका अब उद्घाटन किया जाएगा। गौर धाम परिवार के दीपू अग्रवाल ने बताया कि नौ दिसंबर को उदघाटन किया जाएगा। गोपूजन कार्यक्रम सुबह 10 बजे होगा। इसके बाद संकीर्तन और दोपहर एक बजे आरती की जाएगी।

सौरभ गुप्त बनाए गए जिलाध्यक्ष

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सौरभ गुप्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन की कार्यकारिणी गठित

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन के जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सौरभ गुप्ता बने हैं।

अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद और उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की ओर से स्वागत कार्यक्रम हुआ। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केबी गुप्ता ने कहा कि वैश्य समाज का प्रतिनिधित्व राष्ट्रवादी संगठन में रहा है।

आशा व्यक्त की कि नई जिम्मेदारी का सौरभ गुप्ता कुशलतापूर्वक और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। संगठन के विधि आयाम प्रमुख अधिवक्ता संजीव कुमार, अरविन्द कुमार गुप्ता, संरक्षक ज्वाला प्रसाद, महामंत्री पुष्पेंद्र गुप्ता, अधिवक्ता दिलीप गुप्ता, नितिन माहेश्वरी, राधेश्याम गुप्ता आदि आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. जयप्रकाश गुप्ता ने की।

वृद्ध को नशा देकर रुपये उड़ाने वाले को पकड़ा

बरखेड़ा, अमृत विचार: बुजुर्ग को नशा देकर उसकी रकम उड़ाने वाले को पुलिस ने धर दबोचा। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया क्षेत्र के ग्राम परेवा अनूप निवासी उमाचरन ने बीते दिनों रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था उसके पिता जवाहरलाल 3अक्टूबर को पेंशन के रुपये निकालने के लिए बैंक गए थे।वहां पर किसी ने केले या लस्सी में नशीला पदार्थ देकर 38 हजार रुपये उड़ा लिए थे। अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इस मामले में आरोपी ग्राम कासिमपुर निवासी महेंद्र को आरा मशीन के पास देशी शराब की दुकान के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

ओरल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम में 17 पंजीकरण

पीलीभीत, अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज में संचालित हो रहे ओरल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम में अभी तक 17 रोगी पंजीकृत किए गए हैं। प्रत्येक शुक्रवार को ओपीडी में मरीजों को देखा जा रहा है और जांच कर उनको उपचार मुहैया कराने के लिए चिकित्सकों की जिम्मेदारी तय की गई है। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में ओरल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम की शुरुआत 29 अक्टूबर से की गई थी। इसके तहत प्रत्येक शुक्रवार को ओपीडी संचालित की जा रही है। इसके तहत अभी तक 17 रोगी पंजीकृत किए गए हैं। तीन की बायोप्सी हो चुकी है। दो की रिपोर्ट लंबित है। इस पहल को सफलतापूर्वक संचालित करने में विभागाध्यक्ष डेंटल यूनिट डॉ. कन्हैया लाल गुप्ता हिस्ट्री टेकिंग क्लीनिकल जांच में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सीनियर रेजिडेंट कम्युनिटी मेडिसिन डॉ. शोभित सिंह, इसके प्रमोशन, काउंसलिंग एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों को ओरल कैंसर की रोकथाम और प्रारंभिक पहचान को बता रहे हैं।जांच की जिम्मेदारी विभागाध्यक्ष पैथोलॉजी डॉ. विभूति गोयल दी गई है।

पेंशनर्स को शहीद का दर्जा देकर दी श्रद्धांजलि

कैंडल जलाकर शिक्षक रामाशीष को श्रद्धांजलि देते अटेवा मंच के पदाधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: अटेवा पेंशन बचाओ मंच के पदाधिकारियों ने अंबेडकर पार्क में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया।

जिसमें मंच के पदाधिकारियों ने डॉ. रामाशीष को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई। बता दें। रामाशीष शिक्षक थे, पुरानी पेंशन की मांग को लेकर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे। धरना प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज में उनकी मौत हो गई थी। अंबेडकर पार्क में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मंच के पदाधिकारियों ने कहा वह रामाशीष की शहादत को बेकार नहीं जाने देंगे। पुरानी पेंशन की बहाली और एनपीएस की समाप्ति के लिए आखिरी दम तक संघर्ष करेंगे।

जरूरतमंदों को वस्त्र वितरित किए

जरूरतमंदों को वस्त्र वितरित करते समिति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : पतंजलि योग समिति के अंतर्गत योग गुरु गिरधारी सिंह राठौर की प्रेरणा से कई साल से निर्धन व जरूरतमंद लोगों को सर्दी के मौसम में गर्म कपड़ों का वितरण किया जा रहा है। रविवार को भी इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए समिति के पदाधिकारियों ने शहर के छह सड़का क्षेत्र में कंबल और ऊनी वस्त्रों का वितरण किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि समाज सेवा पतंजलि योग समिति का मुख्य उद्देश्य है और हर वर्ष सर्दी में गरीब परिवारों तक गर्म कपड़े पहुंचाए जाते हैं। इसके साथ ही समिति द्वारा समय-समय पर अन्य जनहितकारी व सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। भीमसेन सागर, डॉ. बीके मिश्रा, डॉ. जुगल किशोर, सुरेंद्र सिंह, सूरज भान, मुकेश सारस्वत, पुष्पेंद्र यादव, महेश यादव, संजीव चौहान, महेंद्र पाल सिंह, अशोक कुमार सिंह, प्रदीप शर्मा, सतीश चंद्र सिंह, योगेंद्र पाल, राजकुमार सिंह, दिनेश रजक, पुरुषोत्तम सिंह, मदनलाल पाल, वीरेंद्र कुमार व त्रिवेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
N.H.-30, बंथरा, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश
Radiation Oncology Department
Cancer Facilities (कैंसर उपचार एवं सुविधाएं)
कैंसर की सटीक जाँच (Accurate Diagnosis)
नवीनतम तकनीक द्वारा कैंसर की प्रारंभिक एवं सटीक पहचान की सुविधा
- बायोप्सी
- रेडियो इमेजिंग (CT, MRI)
- ब्लड मार्कर जाँच
कीमोथेरेपी (Chemotherapy)
- सभी प्रकार के कैंसर की कीमोथेरेपी द्वारा उपचार की पूर्ण व्यवस्था
कैंसर की पूर्ण देखभाल (Comprehensive Cancer Care)
- कैंसर रोगियों के लिए पोषण, काउंसलिंग एवं पुनर्वास सहायता
- व्यक्तिगत (Individualised) उपचार योजना
रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट परामर्श उपलब्ध
- कैंसर के हर चरण के लिए सही मार्गदर्शन व उपचार योजना उपलब्ध।
(प्रतिदिन ओ.पी.डी. कमरा नं. 171 में प्रातः 9:00 से सायं 4:00 बजे तक)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- 7521001988, 7521001989

स्वामी ब्रह्मानंद के कार्यों को किया याद

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बदायूं क्लब में हुआ अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा का समारोह
- हम सभी को स्वामी ब्रह्मानंद के आदर्शों पर चलना चाहिए: राजवीर सिंह

कार्यक्रम में राष्ट्रीय संरक्षक व एटा के पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू भैया।

अमृत विचार : शिक्षाविद स्वामी ब्रह्मानंद की जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा की ओर से बदायूं क्लब में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक एटा के पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू भैया ने की।

स्वामी ब्रह्मानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बदायूं के इतिहास में लोधी समाज ने यह ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया है। स्वामी ब्रह्मानंद ने सांसद रहते हुए किसी भी तरह के पैसे को हाथ तक नहीं लगाया। वह अपना भोजन भी खुद ही बनाते थे। जो दूसरे के यहां से आ जाए उसे ही स्वीकार करते थे।

उन्होंने राठ में लगभग 3000 एकड़ में एक महाविद्यालय की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किया। उस महाविद्यालय को अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के बैनर तले विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने का कार्य किया जा रहा है। फर्रुखाबाद सांसद मुकेश राजपूत ने कहा कि सभी लोगों को स्वामी ब्रह्मानंद के आदर्शों पर चलना चाहिए।

रामपुर के पूर्व सांसद घनश्याम सिंह लोधी, प्रदेश अध्यक्ष साहब सिंह राजपूत, प्रदेश प्रचार मंत्री कुलदीप राजपूत, जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह राजपूत, बुलंदशहर के डिबाई से विधायक सीपी सिंह लोधी, सयाना विधायक सयाना देवेंद्र सिंह लोधी, विधायक कासगंज देवेंद्र सिंह राजपूत, मारहरा विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी, अमानपुर विधायक हरिओम वर्मा, विधायक किशन लाल राजपूत, विधायक प्रवक्तानंद, विधायक रामगोपाल लोधी आदि ने समारोह का संबोधित किया। ब्लॉक प्रमुख कृष्णा राजपूत, अधिवक्ता पद्मसिंह, यशवीर सिंह लोधी, पुष्पेंद्र सिंह लोधी, विजेंद्र सिंह लोधी, आनंद लोधी, धनंजय लोधी, राकेश लोधी, निहाल सिंह राजपूत, पूरन लोधी, मुकेश राजपूत, मुनेंद्र आदि उपस्थित रहे।

तार टूटने से सप्लाई बाधित

बदायूं, अमृत विचार : कस्बा उझानी में सब्जी मंडी रोड किनारे खड़े बिजली पोल का अज्ञात वाहन में उलझ कर तार टूट गया। जिसकी वजह से आधे कस्बे की विद्युत सप्लाई बाधित हो गई। बिजली का तार टूटने की सूचना लोगों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को दी।

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
- पी.आर.ओ (पब्लिक रिलेशन आफिसर)
- सिक्यूरिटी गार्ड
- कंप्यूटर ऑपरेटर
वेतन योग्यतानुसार
सम्पर्क करें
एच.आर. ऑफिस एडमिन ब्लाक वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल एन.एच.-30, बन्थरा, शाहजहाँपुर
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 04 बजे तक
मो. 7521001986

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

अस्पताल में महिला की मौत, हत्या का आरोप

बरेली, अमृत विचार : एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसके परिवार के लोगों ने ससुरालियों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। आंवला के रसूला गांव निवासी गीता देवी की शादी सुभाषनगर क्षेत्र के रामचंद्रपुरम करगैना निवासी दिनेश पाठक से हुई थी। रिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी के साथ मारपीट कर उसे गोली खिला दी गई। जिसके बाद उसे बदायूं रोड पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। रविवार शाम महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला की मारपीट कर हत्या का आरोप

बरेली,अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिला के परिजनों ने ससुराल वालों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वंशीनगला निवासी देवी ने बताया कि उसने अपनी बेटी लता की शादी रिठौरा निवासी धर्मेंद्र से की थी। आरोप है कि धर्मेंद्र आए दिन लता से मारपीट करता था।

स्वामी रामभद्राचार्य बोले, नहीं बनेगी देश में बाबर के नाम से मस्जिद

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद को लेकर किया तीखा प्रहार

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचारः कल्कि धाम में चल रही कल्कि पुराण कथा के अंतिम दिन जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा प्रहार किया। कहा कि ममता बनर्जी ने विष वमन किया है। ममता 300 नहीं 3 हजार करोड़ दे दें तब भी देश में आक्रांता के नाम पर मस्जिद नहीं बनेगी। इस बार पश्चिम बंगाल में ममता की सरकार नहीं बचेगी।

स्वामी रामभद्राचार्य ने कठोर शब्दों में कहा कि ममता बनर्जी को वह अपनी बहन नहीं कह सकते। उन्होंने उन्हें जयचंद, मोहम्मद गौरी और मोहम्मद गजनी जैसों की विचारधारा से प्रेरित बताते हुए उनकी बहन बताया। कहा कि ममता बनर्जी का 300 करोड़ रुपये से बाबरी मस्जिद बनाने का बयान महज वोट बटोरने का नाटक है। यह भी कहा कि अब ममता बनर्जी और उनके बीच सीधी टक्कर हो गई है। ममता को राष्ट्रविरोधियों पर ममता है, जबकि उन्हें भारत माता पर।

श्री कल्कि पुराण कथा प्रवचन के दौरान रामभद्राचार्य महाराज। ● अमृत विचार

रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि संविधान सबको अपने धर्म का पालन करने का अधिकार देता है, इसलिए मस्जिद बनाने पर आपत्ति नहीं है, लेकिन किसी आक्रांता के नाम से कोई धार्मिक स्थल नहीं बन सकता। कहा कि बाबरी मस्जिद तो 1992 में ढहा दी गई थी, वह अब लौटकर नहीं आएगी। मस्जिद बनानी है तो अब्दुल रहीम खानखाना या एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तित्वों के नाम पर बनाई जाए, इससे किसी को आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत में रहकर, भारत का भोजन और पानी ग्रहण कर, पाकिस्तान या किसी विदेशी विचारधारा का गुणगान करना सहन नहीं किया जाएगा। रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि भगवान कल्कि का संदेश है-अन्याय और राष्ट्र विरोध के खिलाफ खड़े होइए। स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे प्राचीन समय में संभल से भगवान कल्कि का क्रांति घोड़ा मलेच्छों के वध के लिए चला था, वैसे ही आज भी भारत विरोधी शक्तियों के दमन का बिगुल संभल से ही बज रहा है।

2028 में होगी श्री कल्कि की प्राण प्रतिष्ठा: रामभद्राचार्य महाराज ने कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम से कहा कि सभी के सहयोग से कल्कि धाम का निर्माण पूरा होगा। उन्होंने अभी 11 लाख दिया है लेकिन आगे भी आवश्यकता होगी तो वह देंगे। उन्होंने कल्कि धाम में भगवान श्री कल्कि की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि की घोषणा करते हुए कहा कि 2028 में वैशाख मास की शुक्ल प्रतिपदा की 26, 27 व 28 तारीख को भगवान श्री कल्कि की प्राण प्रतिष्ठा होगी। उन्होंने पूछा कि वह उनके इस संकल्प को पूरा कर पायेंगे। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने हामी भरी तो रामभद्राचार्य ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर वह कल्कि पुराण कथा करेंगे और आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे।

संत ही उठा सकते हैं राष्ट्र उद्धार का दायित्व

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि मंडलेश्वर या महामंडलेश्वर होना संतत्व की परिभाषा नहीं है, संत वही है जो समाज को दिशा देता है और चरित्र निर्माण करता है। कहा कि कुछ लोग कहते हैं संत राजनीति में क्यों आते हैं। यदि राजनीति में संत नहीं आएंगे तो क्या पापियों और अत्याचारियों को आना चाहिए? संत राजनीति में रहें, मार्गदर्शन दें, पर पद पाने की आकांक्षा नहीं रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, "हम तो परमात्मा के प्रतिनिधि हैं, जीवन भर वही रहेंगे। हम पद लेने वाले नहीं, किंगमेकर हैं। चरित्र को समाज का मूल तत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि आज भारतवासी अपना चरित्र संभाल नहीं पा रहा है।

बीजेपी वोटों को कटवा रही, करेंगे संघर्षः संजय सिंह

बरेली,अमृत विचारः आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह रविवार को सुरेश शर्मा स्थित आवास विकास कालोनी में पार्टी के रुहेलखंड प्रांतीय कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने 21 दिसंबर से 26 दिसंबर तक 'वोट बचाओ-संविधान बचाओ' पदयात्रा की तैयारियों पर चर्चा की। इसके बाद प्रेसवार्ता में भाजपा पर तीखा हमला किया और कहा कि उत्तर प्रदेश में करोड़ों मतदाताओं के वोट पर खतरा मंडरा रहा है।

पूरे प्रदेश में सुनियोजित साजिश के तहत मतदाता सूची में भारी गड़बड़ियां की जा रही हैं। आरोप लगाया कि बिहार में 70-70 हजार वोट एक विधानसभा से काट दिए और अब यूपी में भी हजारों वोट काटने की साजिश चल रही है। वोट बचाने के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगे।संजय सिंह ने दावा किया लखनऊ, जौनपुर और रामपुर में वोट काटने से जुड़ी गड़बड़ियां के प्रमाण उनके पास हैं। आंकड़े चौंकाने वाले हैं, इसका 11 दिसंबर तक खुलासा होगा। इस वोट डकैती के खिलाफ ही पार्टी 21 से 26 दिसंबर तक छह दिवसीय पदयात्रा निकालेगी, जो रामपुर, मुरादाबाद और अमरोहा जिलों को कवर करेगी। इस दौरान रामपुर, मुरादाबाद, पाकवाड़ा और अमरोहा में चार बड़ी जनसभाएं होंगी। सांसद ने कहा एसआईआर जैसी कार्रवाई का उपयोग कर मतदाताओं को डराया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा आक्रमण है। उन्होंने कहा कि भाजपा के इशारे पर एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर असली मतदाताओं को सूची से बाहर किया जा रहा है।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष को हिस्ट्रीशीटर ने दी हत्या की धमकी

संवाददाता, सीबीगंज(बरेली)

- सीबीगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू की
- पूर्व जिलाध्यक्ष के अधिवक्ता भाई से भी रंगदारी मांगी

अमृत विचारः भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पूरन लाल लोधी को हिस्ट्रीशीटर ने हत्या करने और धज्जियां उड़ा देने की धमकी दी है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं पूरन लाल लोधी के अधिवक्ता भाई से भी रंगदारी मांगी है। पूरन लाल लोधी ने सीबीगंज थाने में और अधिवक्ता भाई ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पूर्व जिलाध्यक्ष ने पुलिस पर खेल कर आईटी एक्ट और रंगदारी की धारा हटाकर क्राइम इंस्पेक्टर को विवेचना न देकर दरोगा को देने का आरोप लगाया है।

सीबीगंज थाना क्षेत्र के अटरिया गांव निवासी पूरन लाल लोधी ने बताया कि वह भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष हैं। वह प्रदेश के पिछड़ा मोर्चा में भी रह चुके हैं। उन्हें फोन कॉल कर हिस्ट्रीशीटर और गैंगस्टर सुभाष लोधी ने हत्या की धमकी दी। सुभाष लोधी ने कार में बैठकर एक वीडियो बनाकर वायरल किया जिसमें वह कह रहा है कि अपने पिता सोमपाल लोधी और साथी हिस्ट्रीशीटर वंश राजपूत को साथ मिलकर उनकी हत्या करने के इरादे से आया है। वह कह रहा है कि भाजपा का बड़ा नेता बनता है, उसके ऊपर मुकदमे लगवाता जा रहा है और मदद नहीं कर रहा है। मुकदमों की पैरवी के लिए तू रुपये नहीं देगा तो कौन देगा। तू जो 10-20 हजार रुपये देता है उससे हमारा कुछ नहीं होता है। हमारे मुकदमों का खर्चा तुझे उठाना होगा वरना हत्या कर देंगे। पूरनलाल लोधी ने बताया कि उन्होंने घर से झांककर देखा तो सुभाष लोधी ने उनके तहेरे भाई की पत्नी और बच्चों को रास्ते में घेर रखा था। उन्होंने तुरंत दरवाजा बंद कर लिया। पूरनलाल के मुताबिक सुभाष लोधी गैंगस्टर और हिस्ट्रीशीटर है। वह स्मैक व चरस का नशा करने का आदी है।

कनपटी पर तमंचा सटाकर मांगी रंगदारी

पूरनलाल लोधी के अधिवक्ता भाई मोहन स्वरूप लोधी ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 4 दिसंबर की दोपहर करीब 3 बजे वह रूपराम और छेदालाल के साथ कार से कचहरी जा रहे थे। जैसे ही वह सिटी सब्जी मंडी पहुंचे तभी सुभाष लोधी ने अपनी कार उनकी कार के दाहिने ओर लगा दी। सुभाष ने उनकी कनपटी पर तमंचा तानकर दो लाख रुपये की रंगदारी मांगी और धमकी दी कि पैसे न देने पर पूरे परिवार की हत्या कर देगा। उसके साथ वंश राजपूत और तीन अन्य लोग भी मौजूद थे। आरोप लगाया कि शाम करीब 6:30 बजे एडीएम कंपाउंड में खड़ी उनकी कार में तोड़फोड़ भी की गई। धमकी भरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। कोतवाली पुलिस ने मोहन स्वरूप की तहरीर पर सुभाष लोधी, वंश राजपूत और तीन अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कार्यालय ग्राम पंचायत सुनौआ विकास खण्ड पसगवां-खीरी

पत्रांक- मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वर्ष 2025- 26 दिनांकः 06.12.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सुनौआ में वर्ष 2025-2026 मनरेगा योजना के अंतर्गत कार्य कराए जाने हेतु कार्य सामग्री की आपूर्ति हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिनका आयकर/वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हो, से मोहर बंद निविदा दिनांक 08.12.2025 से 22.12.2025 को अपरान्ह 2:00 बजे तक डाक द्वारा अथवा ग्राम पंचायत सुनौआ के पंचायत कार्यालय में निविदा पेटिका में आमंत्रित की जाती है , प्राप्त हुई निविदा पंचायत कार्यालय में 22.12 .2025 अपरान्ह 4.00 बजे खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री	प्रा. की अनु. लागत
1.	अनिल पाल के मकान से रामवीर के मकान तक नाली व इंटरलाकिंग कार्य	ईट, मौरंग, गिट्टी, बालू, लोकल बालू, सीमेंट, इण्टरलाकिंग, खड़ंजा ईट, मिट्टी, इत्यादि	789273.00
2.	सरकारी अस्पताल के खड़ंजे से अरुण के मोटर तक खड़ंजा कार्य		821052.00

कुलदीप राठौर (सचिव) **अमजद (प्रधान)**

सेक्शन–1

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड – बदायूँ।

(पता :– कक्ष सं0 226, प्रथम तल, विकास भवन, जिला – बदायूँ।)

पत्रांक :– 1154 /ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्रा0/2025–26 दिनांक :– 29.11.2025

–: मैनुअल निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण) :–

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बदायूँ में मार्ग निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में पात्र पंजीकृत ए, बी, सी एवं डी सीमा के अनुरूप श्रेणी के निविदाताओं से मोहरबन्द निविदायें मैनुअल टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता किसी कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है।

1. कार्य से संबन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि बिड.सि0 (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएसटी सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
विधान परिषद सदस्य (एम0एल0सी0) – बदायूँ।						
1.	बदायूँ	डहरपुर में का यात्री शेड निर्माण कार्य (दातागंज)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
2.	बदायूँ	म्याऊँ पुलिस चौकी के निकट तिराहे पर यात्री शेड निर्माण कार्य (म्याऊँ)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
3.	बदायूँ	अलापुर में थाने के पास यात्री शेड निर्माण कार्य (म्याऊँ)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
4.	बदायूँ	अलापुर में मैनरोड़ पर उसावां की तरफ यात्री शेड निर्माण कार्य (म्याऊँ)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
5.	बदायूँ	इस्लामनगर में मैनरोड पर यात्री शेड निर्माण कार्य (इस्लामनगर)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
6.	बदायूँ	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने यात्री शेड निर्माण कार्य (सदर)।	7.331	0.15	766.00	03 माह
7.	बदायूँ	चामुण्डा चौराहे पर यात्री शेड निर्माण कार्य (सदर)।	7.331	0.15	766.00	03 माह

2. कार्यालय में निविदा विक्रय की तिथि :– 10.12.2025 से 26.12.2025 तक प्रातः 10:00 बजे से सायः 05:00 बजे तक।
3. मोहरबन्द निविदा प्राप्ति (डालने) के लिए अन्तिम तिथि/समय :– दिनांक 27.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक। कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बदायूँ/कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–बरेली/कार्यालय जिलाधिकारी, बदायूँ।
4. प्राप्त मोहरबन्द निविदायें खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 27.12.2025 को अपरान्ह 04:00 बजे ।

निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। सभी संभावित निविदाताओं को सलाह दी जाती है कि अधिक जानकारी के लिए विभागीय वैबसाईट http://upred.gov.in पर जानकारी प्राप्त करते रहें।

(राजेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–बदायूँ।
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से।

UP – 241975 **दिनांकः** 05/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

रेस्टोरेंट में आग लगने से नुकसान

बरेली,अमृत विचारः इज्जतनगर क्षेत्र में रविवार शाम एक रेस्टोरेंट में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया तो पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचीं फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

बैरियर-2 के पास रविवार शाम रनवे बेकवुड रेस्टोरेंट में आग लग गई। रेस्टोरेंट में अधिकतर लकड़ी लगी हुई थी, जिससे आग तेजी के साथ फैलती चली गई। आग देखकर रेस्टोरेंट में मौजूद लोग बाहर निकलकर भागे।

सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म-मैसर्स कौशकी इण्टर प्राइजेज कृष्णा नगर कलोनी शाहजहाँपुर यूपी 242001 (पंजीकरण संख्या : SHA/0012808) फर्म में 02 साझेदार कीर्ती गुप्ता, पूजा गुप्ता थे, साझेदारों की रजामन्दी से दिनांक 06.12.2025 को फर्म में एक नये साझेदार संजय मिश्रा शामिल किये गये हैं अब फर्म में कुल 03 साझेदार कीर्ती गुप्ता, पूजा गुप्ता व संजय मिश्रा है। फर्म में एवं साझेदारों में कोई विवाद नहीं है। एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी है। एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी है।

कीर्ती गुप्ता - साझेदार
मैसर्स कौशकी इण्टर प्राइजेज
कृष्णा नगर कालोनी शाहजहाँपुर

दुकान में लगी आग

बरेली: बरेली कॉलेज के पास स्टेशनरी और रजाई-गद्दे की दुकान में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग से काफी नुकसान हो गया।

एक्सप्रेस-वे से जोड़ने को बरेली-मथुरा हाईवे के लिए भूमि अर्जन कार्य 50 प्रतिशत पूरा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बरेली सीमा में 21 गांवों की 35.2759 हेक्टेयर भूमि अर्जन की जा रही
- एनएच-530बी के बरेली सीमा में निर्माण के लिए 30.4115 हेक्टेयर भूमि निजी होगी

अमृत विचारः गंगा एक्सप्रेस-वे से बरेली को जोड़ने के लिए बरेली-मथुरा हाईवे के अंतर्गत बरेली सीमा में फोरलेन हाईवे निर्माण करने की कवायद तेज हो गयी है।

बदायूं की सीमा से लेकर चौबारी तक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-530बी फोरलेन निर्माण के लिए 21 गांवों के हजारों किसानों की भूमि अर्जन करने की कार्रवाई युद्ध स्तर पर चल रही है। करीब 35.2759 हेक्टेयर भूमि में से 50 प्रतिशत भूमि अर्जन करने के लिए किसानों के खाते में रकम भेजी जा चुकी है। विशेष भूमि अध्याप्ति कार्यालय किसानों को अर्जन भूमि का मुआवजा दिलाने के लिए तेजी से फाइलें पास करा रहा है। विशेष भूमि अध्याप्ति कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि धारा थ्री-डी की कार्रवाई के बाद फोरलेन हाईवे के लिए 21 गांवों की भूमि अर्जन की जा रही है। उन्होंने बताया कि कैमुआ की निजी भूमि 0.0540 हेक्टेयर, अखा मुस्तकिल की 0.1689 हेक्टेयर निजी व 0.0190 हेक्टेयर सरकारी भूमि, नितोई की 0.2106 हेक्टेयर भूमि, हिम्मतपुर ताहरपुर की 2.7244 हेक्टेयर, खेड़ा की 1.8979 हेक्टेयर निजी व 0.0304 हेक्टेयर सरकारी भूमि, भमौरा की 5.8891 हेक्टेयर निजी व 0.4140 हेक्टेयर सरकारी भूमि, नकटपुर की 1.3706 हेक्टेयर निजी व 0.2192 हेक्टेयर सरकारी भूमि, सरदार नगर की 0.5238 हेक्टेयर निजी व 0.0593 हेक्टेयर सरकारी भूमि, अंगूरी की 0.6636 हेक्टेयर निजी व 2.4999 हेक्टेयर सरकारी भूमि अर्जन की जा रही है। देवीपुर की 5.3178 हेक्टेयर निजी व 0.2374 हेक्टेयर सरकारी भूमि, आलमपुर जाफराबाद की 0.3397 हेक्टेयर निजी व 0.1361 हेक्टेयर सरकारी भूमि, चकरपुर की 4.8331 हेक्टेयर निजी व 0.2039 हेक्टेयर सरकारी भूमि, देवचरा की 4.0589 हेक्टेयर निजी व 0.1637 हेक्टेयर सरकारी भूमि, बाहनपुर की 0.0373 हेक्टेयर निजी व 0.1227 हेक्टेयर सरकारी भूमि, सिरोही की 0.2682 हेक्टेयर निजी व 0.0080 हेक्टेयर सरकारी भूमि, चाढ़पुर की 0.4864 हेक्टेयर निजी व 0.0266 हेक्टेयर सरकारी भूमि, मकरंदपुर धाराजीत की 0.2457 हेक्टेयर निजी व 0.0407 हेक्टेयर सरकारी भूमि, सैदपुर कनी की 0.5788 हेक्टेयर निजी व 0.1555 हेक्टेयर सरकारी भूमि, चौबारी मुस्तकिल की 0.6267 हेक्टेयर निजी व 0.1714 हेक्टेयर सरकारी भूमि, यूसुफपुर की 0.0020 हेक्टेयर सरकारी भूमि, भगवानपुर ठाकुरान गांव की 0.2097 हेक्टेयर सरकारी भूमि अर्जन की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि कुल 35.2759 हेक्टेयर भूमि अर्जन होगी, इसमें 30.4115 हेक्टेयर निजी भूमि और 4.722 हेक्टेयर सरकारी भूमि शामिल है।

खादी उत्पाद प्रदर्शनी सात दिन में 1.25 करोड़ का कारोबार

बरेली,अमृत विचार : बिशप मंडल इंटर कॉलेज के मैदान में चल रही खादी एवं ग्रामोद्योग स्वावलंबन महोत्सव प्रदर्शनी में विभिन्न प्रदेशों के उत्पाद छाए हुए हैं। स्टॉलों से उत्पाद खरीदने के लिए ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। इससे व्यापारियों के चेहरे खिल उठे हैं। पिछले सात दिनों में प्रदर्शनी में 1.25 करोड़ रुपये का कारोबार हो चुका है।

प्रदर्शनी में यूपी समेत आठ राज्यों के तमाम कारोबारियों ने स्टॉल लगाए हैं। लोगों के सेहत से जुड़े उत्पाद भी हैं। जिन्हें लोग काफी पसंद कर रहे हैं। एक दिसंबर से यह प्रदर्शनी चल रही है। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि अब तक करीब 1:25 करोड़ रुपये का कारोबार हो चुका है। 10 दिसंबर तक प्रदर्शनी संचालित होगी। ऐसे में इन आखिरी दिनों में बिक्री में और इजाफा होने की उम्मीद है। वैसे पिछले दो दिनों से ग्राहकों की संख्या बढ़ी है। विभाग ने 2.5 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है। कारोबारियों के अनुसार अब कारोबार बढ़ रहा है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांकः 337/न.पा.परि.बी./2025-26 **ई-निविदा सूचना** दिनांक 02.12.2025

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सेक्टर के सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में	निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में चीनी मिल की पुलिया से शफी डिग्री कॉलेज तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण कार्य।	3848538.00	65250.00	4550.00	3 माह
2.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में जुनैद स्टेशनरी स्टोर से अली मैरिज हॉल तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण कार्य	3597264.00	61000.00	4250.00	3 माह
3.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में अली हसन की दुकान से हॉस्पिटल तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण का कार्य	2997880.00	50850.00	3350.00	3 माह
4.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में वारसी कालोनी से सिटी हॉस्पिटल तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण का कार्य	3678577.00	62350.00	4350.00	3 माह
5.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में निशा गर्ल्स इण्टर के आगे से जमाल बिल्डिंग मैटेरियल तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण कार्य।	3860464.00	65450.00	4600.00	3 माह
6.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर पीलीभीत में डॉ. भूरा मैरिज हॉल से मुन्ना जनसेवा केन्द्र तक आर.सी.सी. कवर्ड नाला निर्माण कार्य।	2746236.00	46600.00	3250.00	3 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 08.12.2025 को प्रातः 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 29.12.2025 को अपरान्ह 05:00 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 30.12.2025 प्रातः 10:00 बजे से।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खाता सं. 321005500073 IFSC-ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बीसलपुर-पीलीभीत

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद बीसलपुर-पीलीभीत

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि. बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांकः बी.के.एस./क्रय/2025-26/2194 दिनांकः 05.12.2025

निविदा सूचना

पेराई सत्र 2025-26 के उपरांत ब्वायलिंग हाउस एवं अन्य स्थानों में स्क्रैपिंग शुगर व धुलाई कार्य हेतु अनुभवी पार्टियों से दिनांक 15.12.2025 तक रू. 4000/- धरोहर राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. 236/- प्रति जमा करने के उपरांत निविदायें आमंत्रित की जाती है, जिन पर आवश्यकतानुसार निगोसियेशन भी किया जाता सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तो में परिवर्ततन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय ग्राम पंचायत शिवपुरी ब्लाक मझगवां, बरेली

पत्रांक : 03/ग्रा.पं./निविदा सूचना/2025-26 दिनांक 8.12.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम शिवपुरी विकास खंड मझगवां जनपद बरेली वित्तीय वर्ष 2025-26 के 15वां वित्त/5वा वित्त आयोग के अन्तर्गत किये जाने वाले कार्य सीसी रोड निर्माण/इटरलॉकिंग निर्माण कार्य/नाला निर्माण कार्य/अन्य निर्माण कार्य हेतु सीमेन्ट, ईट, रोड़ा, सरिया, बजरी, रेता, टाईल्स, इंटरलॉकिंग ब्रिक, मिट्टी, पाईप इत्यादि सामग्री की आपूर्ति कार्य स्थल तथा पहुंचाने हेतु सीलबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा आमंत्रण दिनांक 08.12.2025 से 10.12.2025 शाम चार बजे तक ग्राम पंचायत निविदा बाक्स में डाली जा सकती है। निविदा खोलने का समय 10.12.2025 को शाम 5 बजे तक रहेगा। निविदा स्वीकृत अस्वीकृत करने का समस्त अधिकार ग्राम पंचायत को होगा। निविदा की शर्त एवं विवरण पत्र में अंकित है जिसे ग्रा. पं. कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दाताओं को जी.एस.टी., फर्म रजिस्ट्रेशन पैन कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। सामग्री घट/बढ़ सकती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	निविदा मूल्य	कार्य की अवधि
1.	रामौतार के घर से राकेश घर तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	71834	500रू.	2 माह
2.	सोपाली के घर से सियाराम के घर तक इण्टरलॉकिग व नाली निर्माण कार्य	83268	500रू.	2 माह
3.	धीरज के घर से रामबहादुर के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	83383	500रू.	2 माह
4.	मैन रोड से शिवम के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	499962	500रू.	2 माह
5.	वीर सिह के घर की गली व नेतराम, राहुल के घर की गली तक इंटर लॉकिंग निर्माण कार्य	140014	500रू.	2 माह
6.	जियालाल के घर की गली व महीपाल व कृष्णचन्द्र व बादाम सिंह के गली में इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	132824	500रू.	2 माह
7.	तेजपाल के घर से सूरजपाल के घर तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	96272	500रू.	2 माह
8.	शेर सिंह के घर से भूप सिंह के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	114477	500रू.	2 माह
9.	मैन रोड से वीरपाल के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	499500	500रू.	2 माह
10.	रमेश के घर से शिवदयाल के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	499100	500रू.	2 माह
11.	रिषिराज के घर से चन्द्रपाल के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	499700	500रू.	2 माह

भागवती-ग्राम प्रधान **प्रियदर्शन यादव-सचिव**

अब नदियों पर बनेंगे 11 मीटर चौड़े पुल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- साढ़े सात मीटर में बनेगी सड़क दोनों तरफ डेढ़-डेढ़ मीटर का फुटपाथ भी बनाया जाएगा

अमृत विचारः प्रदेश में अब नदियों और बड़े नालों पर बनने वाले टू लेन पुलों को नए मानक के तहत न्यूनतम 11 मीटर चौड़ा बनाया जाएगा। सेतु निगम ने पुलों के डिजाइन में बड़ा बदलाव करते हुए स्पष्ट किया कि भविष्य में सभी नए पुल इसी मानक के अनुसार तैयार होंगे। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि पुल पर पैदल चलने वालों और दोपहिया चालकों के लिए भी सुरक्षित रास्ता उपलब्ध रहेगा। जिले में नए मानक के तहत मीरगंज और फरीदपुर में पुल बनेंगे।

सेतु निगम से मिली जानकारी के मुताबिक नई डिजाइन के अनुसार पुल की मुख्य सड़क 7.50 मीटर चौड़ी होगी, जबकि दोनों ओर डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़ा फुटपाथ बनाया जाएगा। अभी तक जो व्यवस्था है, उसमें अधिकतर टू लेन पुलों की चौड़ाई लगभग आठ मीटर होती है। इनमें सड़क और रेलिंग के बीच मुश्किल से आधा मीटर की जगह बचती है। ऐसे में पैदल या बाइक सवार को बड़े वाहनों के बीच से निकलने में अक्सर जोखिम उठाना पड़ता है।इंजीनियरों के अनुसार नई नीति के तहत फुटपाथ बढ़ने से न सिर्फ सुरक्षा बढ़ेगी बल्कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात का प्रवाह भी सुगम होगा। बढ़ी हुई चौड़ाई के कारण पुल पर भारी वाहनों का क्रॉसिंग भी और अधिक सुरक्षित व सहज हो सकेगा। यही नहीं नई नीति के तहत आरई (रिटेनिंग) वॉल की चौड़ाई भी बढ़ाई जाएगी, ताकि पुल की मजबूती और दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित हो सके।

पुराने मानक पर्याप्त नहीं, इसलिए बदलनी पड़ी व्यवस्था

सेतु निगम के डीपीएम अरुण कुमार बताते हैं कि बदलती यातायात जरूरतों और बढ़ते दबाव को देखते हुए पुराना मानक अब पर्याप्त नहीं रह गए थे। इसलिए पुलों की आधारभूत संरचना में यह सुधार आवश्यक था। बरेली में मीरगंज के नरखेड़ा में भाखड़ा पुल और फरीदपुर के टिसुआ में प्रस्तावित पुल नए डिजाइन का उदाहरण होगा। इसके निर्माण से क्षेत्र को न सिर्फ बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, बल्कि आगे बनने वालों के लिए यह मानक स्थापित भी हो जाएगा।

प्रदेश के परिवहन ढांचे में आएगा बड़ा बदलाव

सरकार का 'सुरक्षित सड़क मिशन' तेज, हाई रिस्क जिलों में इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा को लेकर सरकार ने अब जमीनी बदलाव की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय ने अत्याधुनिक तकनीक आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की तैयारियों को हरी झंडी दे दी है। मुख्य सचिव की बैठक में कई महत्वपूर्ण पूंजीगत और राजस्व योजनाओं को मंजूरी मिल गई है।

इस कवायद से प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी और ट्रैफिक अनुशासन में बड़े सुधार की उम्मीद की जा रही है। राजधानी सहित अन्य प्रमुख शहरों में ट्रैफिक मॉनिटरिंग को डिजिटल रूप देने के प्रयास तेज हैं। लखनऊ के महत्वपूर्ण चौराहों पर इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए 4.96 करोड़ रुपये, जबकि मुरादाबाद और बलिया में 3.10 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इन कैमरों से न केवल नियम उल्लंघन की निगरानी होगी, बल्कि शहरों में रीयल-टाइम ट्रैफिक कंट्रोल, दुर्घटनाओं में त्वरित प्रतिक्रिया और अपराध रोकथाम में भी मदद मिलेगी।

नियम उल्लंघन पर स्वत: ई-चालान

सड़क हादसों पर नियंत्रण योगी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। इसी लक्ष्य से डीआरएससी मॉडल पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट डिवाइस लगाने के लिए 25 हाई रिस्क जिलों को 1-1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। शेष जनपदों के लिए 50 लाख रुपये प्रति जिले की दर से अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। इन उपकरणों के जरिए ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, रेड लाइट जंपिंग और गलत दिशा में वाहन चलाना जैसे नियम उल्लंघन पर स्वत: ई-चालान जारी होंगे।

इंटरसेप्टर वाहनों से बढ़ी सख्ती

परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में स्वीकृत 19.95 करोड़ रुपये में से 70 इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद हो चुकी है। ये वाहन अब हाईवे और शहरों के प्रमुख मार्गों पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही, 18 के-इन-मोशन सेंसरों की स्थापना के लिए 14.05 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं, जिससे ट्रकों की ओवरलोडिंग पर सटीक कार्रवाई होगी।

लखनऊ : जय नारायण पीजी कॉलेज से क्लैट की परीक्षा देकर बाहर निकलते परीक्षार्थी।

11 जिलों में 17 केंद्रों पर हुई क्लैट परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: विधि स्नातक और परास्नातक कक्षाओं में शैक्षिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) का आयोजन देश भर में रविवार को किया गया। जबकि यूपी के लखनऊ समेत कुल 11 जिलों में इस परीक्षा का आयोजन किया। लखनऊ में कुल 6 परीक्षा केंद्रों पर क्लैट की परीक्षा सम्पन्न हुई। सर्वाधिक अभ्यर्थी डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में मौजूद रहे। परीक्षा केंद्रों में जाने के लिए लंबी लाइनें लगीं, जिसमें घंटों तक परीक्षार्थी प्रतीक्षा के बाद चेकिंग के बाद गए। परीक्षा का आयोजन कन्सोर्टियम ऑफ एनएलयू द्वारा डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया है।

देशभर में कुल 173 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें 92,344 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। यूपी के 11 जिलों में 17 केंद्रों पर परीक्षा हुई, जिसमें 14,578 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। लखनऊ क्षेत्र में कुल 5365 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 5212 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 153 अनुपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण बैंक के मैनेजर व चपरासी पर एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ : सीबीआई की एंटी करप्शन ब्यूरो ने ग्रामीण यूपी बड़ौदा बैंक के प्रबंधक व चपरासी के खिलाफ रिश्वत मांगने की रिपोर्ट दर्ज की है। इस मामले में आजमगढ़ के गहाजी निवासी किसान ने शिकायत की थी। जांच में आरोप सही पाये जाने के बाद सीबीआई ने कार्रवाई की है। सीबीआई अधिकारी के मुताबिक आजमगढ़ के गहाजी निवासी विशाल कुमार ने शिकायत की थी। जिसमें आरोप लगाया कि आजमगढ़ स्थित ग्रामीण यूपी बड़ौदा बैंक की दुर्वाषा शाखा से उन्होंने 2.52 लाख रुपये का केसीसी सीमा का आवेदन किया था। इसे मंजूरी दे दी गई। इसकी पहली किस्त उनके खाते में आ गई। इसके बाद बैंक के शाखा प्रबंधक ने अपने चपरासी विश्राम के माध्यम से ऋण राशि के 10 प्रतिशत की दर से 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। पीड़ित ने इसकी शिकायत की तो जांच में सामने आया कि बैंक के शाखा प्रबंधक के चपरासी द्वारा मांगे जाने वाली रिश्वत की पुष्टि हुई।

प्रोग्रेसिव खेती के टिप्स देंगे मास्टर ट्रेनर्स

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार अब किसानों को आय का साधन और प्रोग्रेसिव खेती की टिप्स देने को मास्टर ट्रेनर्स तैयार करने जा रही है। ये मास्टर ट्रेनर्स किसानों के बीच से ही विकसित किए जाएंगे। इसके लिए बकायदा अभियान चलेगा, जिसमें कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचार को अपनाकर मिट्टी की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए कम लागत में अधिक लाभ कमाने का हुनर सिखाया जाएगा। अभियान सोमवार से ही शुरू हो जाएगा, जिसके तहत मास्टर ट्रेनर्स की ट्रेनिंग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी। बाद में जिलास्तरीय ट्रेनर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम 9 से 10 दिसंबर के बीच चलेगा। इसी कड़ी में आगे भी कार्यक्रम चलेंगे। अभियानों के आयोजन के लिए पैक्स सोसायटी, किसान कल्याण केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र और प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया जा रहा है।

जिलाधिकारियों को पेंशनर्स देंगे ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : पेंशनर्स दिवस (17 दिसंबर) को प्रदेशभर के पेंशनर्स जिला मुख्यालयों पर एकजुट होकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। इस ज्ञापन में आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की शर्तों में पेंशन पुनरीक्षण को कर्मचारियों के वेतन-भत्तों की तर्ज पर शामिल किए जाने की मांग प्रमुख रूप से रखी जाएगी। यह घोषणा संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश ने की है । समिति के संयोजक एनपी त्रिपाठी और सह संयोजक क्षमा नाथ दुबे ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार द्वारा 3 नवंबर 2025 को जारी अधिसूचना में आठवें वेतन आयोग के विचार-बिन्दुओं में पेंशनरों की पेंशन बढ़ोतरी से संबंधित मुद्दा शामिल नहीं है। चूंकि प्रदेश सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों को केंद्र के समान आधार पर ही सुविधाएं स्वीकृत होती हैं, इसलिए आयोग में यह बिंदु शामिल न होने से पेंशनरों में स्वाभाविक रूप से असंतोष व्याप्त है।

यहियागंज गुरुद्वारे का होगा पर्यटन विकास

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग राजधानी स्थित ऐतिहासिक यहियागंज गुरुद्वारे का पर्यटन विकास करने जा रहा है। गुरुद्वारे के धार्मिक महत्व, सामुदायिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए दो करोड़ रुपये से इसके कायाकल्प की योजना तैयार की गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर और दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह की स्मृतियों से जुड़े इस गुरुद्वारे का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता में है।

अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर में सबसे अधिक फर्जी वोट : मुख्यमंत्री

एसआईआर में देरी पर जताई नाराजगी, संगठनात्मक बैठक से दूर रखे गए अधिकारी

अलीगढ़ में जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में भाजपा के पदाधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य पार्टी नेता।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अलीगढ़ में एसआईआर (वृहद मतदाता पुनरीक्षण) की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए साफ कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक फर्जी वोट अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर जिलों में मिले हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन जिलों में मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताएं दिख रही हैं, वहां विशेष सतर्कता बरती जाए और अंतिम समय सीमा नजदीक होने के कारण किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री की यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई, जहां उन्होंने मंडलभर के भाजपा नेताओं और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ रणनीतिक चर्चा की। खास बात यह रही कि बैठक पूरी तरह संगठन के लिए रखी गई थी और इसमें किसी भी सरकारी अधिकारी को शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि इस अभियान को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि विवाह जैसे व्यक्तिगत कार्यक्रम हों, तब भी एसआईआर का काम नहीं रुकना चाहिए। मुख्यमंत्री विशेष रूप से अलीगढ़ शहर और कोल विधानसभा क्षेत्रों में देरी को लेकर नाराज दिखे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि दोनों क्षेत्रों में बोगस वोटों की संख्या अधिक होने के कारण विशेष निगरानी जरूरत है।

बैठक समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री छेरत पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व मंत्री और बरौली विधायक ठाकुर जयवीर सिंह के पुत्र के तिलक समारोह में शामिल होकर उन्हें आशीर्वाद दिया। इसके बाद वे छेरत से ही कोटद्वार के लिए उड़ान भर गए।

चर्चा में रहा योगी का हेलीकॉप्टर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वेलिंगडन क्रिकेट पवेलियन में उतरा। शहर में इस बात की खूब चर्चा रही कि हाल ही में जहां स्ट्रीट लाइटों से मुख्यमंत्री की तस्वीरें हटाए जाने पर विवाद हुआ था, वहीं उसी परिसर में मुख्यमंत्री का आगमन हुआ। विश्वविद्यालय क्षेत्र में विद्यार्थियों की मांगों को लेकर आंदोलन की पृष्ठभूमि में छात्र नेता मोहम्मद मोहसिन मेवाती को पुलिस ने पहले ही नजरबंद कर लिया था।

सहारनपुर में भी की एसआईआर की समीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सहारनपुर में अलीगढ़ की तर्ज पर संगठनात्मक व प्रशासनिक समीक्षा करते हुए एसआईआर (मतदाता पुनरीक्षण) कार्य की प्रगति को गंभीरता से परखा। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बंद-द्वार बैठक की, जिसमें किसी सरकारी अधिकारी को शामिल होने की अनुमति नहीं थी। बैठक में मुख्यमंत्री ने एसआईआर अभियान में तेजी लाने और मतदाता सूची में बोगस प्रविष्टियों को प्राथमिकता से हटाने पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान जिले की कानून-व्यवस्था, विकास परियोजनाओं और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि सहारनपुर की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन को सतर्कता और पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा।

यूपी की पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने को महाराष्ट्र में मिलेगा गुरुमंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 29 जिलों से चुने प्रतिनिधि जाएंगे महाराष्ट्र, सीखेंगे पंचायतों में नई तकनीक से विकास
- प्रति ग्राम पंचायत लगेगी किसान पाठशाला, 80 से 100 किसान होंगे शामिल

अमृत विचार : उप्र. की पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने का गुरुमंत्र महाराष्ट्र से मिलेगा। राज्य के 23 जिलों से कुल 29 ऐसे प्रतिभागियों का चयन किया गया है, जो महाराष्ट्र रवाना हो चुके हैं और वहां 11 दिसंबर तक पंचायतों में नई तकनीक के साथ विकास करने की बारीकियां सीखेंगे।

नवाचार मॉडल की बारीकियां सीखने के बाद ये प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश लौटेंगे और फिर प्रति ग्राम पंचायत किसान पाठशाला लगेगी। इस पाठशाला में 80 से 100 किसान प्रतिभाग करेंगे, जिनके बीच प्रतिनिधि सीखे गए मॉडल्स को उनके गांवों में लागू करने के उपाय और रास्ते सुझाएंगे।

महाराष्ट्र में ऐसे हजारों गांव हैं, जहां उनके सफल मॉडलों के कारण ग्रामीणों ने अपने बल पर गांवों को नई दिशा दी है। पंचायती राज विभाग की इस पहल का मूल उद्देश्य उत्तर प्रदेश की पंचायतों को अधिक सक्षम, आत्मनिर्भर और नवाचारी बनाने का है।

महाराष्ट्र दौरे में यूपी के चुनिंदा विजिटर्स को उन पंचायतों में ले जाया जाएगा, जहां स्वच्छता प्रबंधन, अपने बूते आय के संसाधन बनाना, सामाजिक उद्यमिता, बायोगैस-आधारित ऊर्जा मॉडल और सामुदायिक सहभागिता जैसी एडवांस कार्यसंस्कृति विकसित है। ऐसे में यूपी विजिटर्स वहां के ग्राम पंचायतों में हो रहे उत्कृष्ट व सफल मॉडल्स को अपने क्षेत्रों में लागू कर सकेंगे।

> विश्वास है कि महाराष्ट्र का अनुभव हमारे युवाओं, प्रतिनिधियों और अधिकारियों की सोच को व्यापक बनाएगा। ऐसे में यूपी की पंचायतें नवाचार आधारित विकास की ओर और तेज़ी से अग्रसर होंगी।
> **- ओमप्रकाश राजभर, पंचायती राज मंत्री**

> हमारे लोगों के लिए सीख, अनुभव और नेतृत्व विकास का अनोखा अवसर है। वहां से मिली जानकारी को वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में लागू करेंगे और वहीं से एक नई विकास यात्रा आगे बढ़ेगी।
> **-अमित कुमार सिंह, निदेशक पंचायती राज विभाग**

33 जिलों में 14 से चलेगा सघन पोलियो अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के 33 प्राथमिकता वाले जिलों में 14 से 22 दिसंबर तक सघन पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत शून्य से पांच वर्ष तक के 1.33 करोड़ बच्चों को पोलियोरोधी खुराक दी जाएगी। अभियान के पहले दिन 44,726 बूथ स्थापित होंगे, जबकि इसके बाद 29,360 टीमें घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाएंगी। वहीं, लखनऊ में 7.03 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य है।

राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि उप्र. को पोलियो मुक्त हुए 15 वर्ष हो चुके हैं और राज्य में आखिरी पोलियो का मामला 21 अप्रैल 2010 को फिरोजाबाद में मिला था। उन्होंने कहा, पड़ोसी देशों में अब भी पोलियो के मामले पाए जाने के कारण सावधानी जरूरी है। दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 2,750 ट्रांजिट और 1,746 मोबाइल टीमें लगाई जाएंगी। नेपाल सीमा पर विशेष सतर्कता के तहत 30 टीकाकरण पोस्ट भी बनाए गए हैं।

इन जनपदों में चलेगा अभियान

आगरा, अंबेडकर नगर, अमेठी, अयोध्या, बदायूं, भदोही, बांदा, चंदौली, इटावा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, हमीरपुर, हाथरस, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, कुशीनगर, ललितपुर, लखनऊ, महोबा, मऊ, मथुरा, मिर्जापुर, पीलीभीत, सोनभद्र, उन्नाव और वाराणसी।

मानवतावादी संविधान सही भावना से लागू हो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : देश की वर्तमान परिस्थितियों को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने चिंता जताते हुए केंद्र सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस संचालन में हो रही अव्यवस्था समेत गरीबी, बेरोजगारी, दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीरता और रुपये की गिरती कीमत जैसी समस्याओं से देश परेशान है। सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब बाबा साहेब के मानवतावादी और कल्याणकारी संविधान को सही भावना से लागू किया जाए।

बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर डॉ.भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल और नोएडा के राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एवं ग्रीन गार्डेन में श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे लाखों कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि वे व्यावसायिक दृष्टिकोण छोड़कर विशुद्ध जनहित और जनकल्याण की नीयत से नीति व कानून बनाएं।

एसआईआर में गहनता से हो जांच : रिणवा

अमृत विचार, लखनऊ : चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान में लगे बीएलओ को अनुपस्थित, शिफ्टेड और मृत मतदाताओं का एक बार फिर से अपने स्तर पर गहन जांच कर लेने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य में राजनीतिक दलों से नियुक्त बीएलए का भी सहयोग लेने के निर्देश हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में चल रहे एसआईआर के कार्यों में प्रगति तेज है। उन्होंने अपील की है कि राजनीतिक दल भी बूथों पर नियुक्त बीएलए को अपने स्तर से सहयोग करने के लिए निर्देशित करें, जिससे प्रदेश की आलेख्य मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज हो सकें।

मतदाता सूची की अनियमितताओं की हो जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जिलों में मतदाता गणना प्रपत्रों में हो रही अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जताई है। पार्टी की तरफ से उन्होंने मांग की है कि इन मामलों में तत्काल जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को निर्वाचन आयोग को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि अमेठी, गौरीगंज विधानसभा में कुल 389 मतदेय स्थलों में से 110 केंद्रों पर 80 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को बीएलओ द्वारा थर्ड ऑप्शन में सबमिट कर दिया गया है, जबकि अधिकांश मतदाताओं ने 2003 की मतदाता सूची से संबंधित विवरण सही ढंग से भरकर जमा किया था। इतना ही नहीं, मतदेय स्थल संख्या 322 पर एक मतदाता का विवरण किसी अन्य मतदाता के नाम से प्रदर्शित हो रहा है।

इसी प्रकार गोंडा, करनैलगंज विधानसभा में भी 50 से 79 प्रतिशत तक मतदाताओं के गणना प्रपत्र थर्ड ऑप्शन में भेज दिए गए हैं। पार्टी का कहना है कि सही विवरण जमा करने के बाद भी इन मतदाताओं को अनावश्यक नोटिस देकर दस्तावेजों की मांग की जा रही है, जिससे भ्रम और परेशानी बढ़ रही है। प्रयागराज, कोरांव विधानसभा तथा प्रयागराज, शहर पश्चिमी में भी इसी तरह की शिकायतें सामने आई हैं। जिसके कारण कई मतदाताओं के नाम सूची से गायब हो गए हैं। शामली, थानाभवन में वितरण कार्य अधूरा बताया गया है। कई मतदाताओं को गणना प्रपत्र नहीं मिला और मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी इन मतदेय स्थलों की जानकारी बंद बताई गई है।

नियमों के विपरीत हस्ताक्षर कराने का आरोप

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि मिर्जापुर, शहर विधानसभा के कुछ बीएलओ अपने क्षेत्र के बाहर लगभग पांच किलोमीटर दूर जाकर गणना प्रपत्र सबमिट कर रहे हैं और समाजवादी पार्टी के बीएलए को बुलाकर हस्ताक्षर करवाए जा रहे हैं, जो नियमों के विपरीत है। सबसे गंभीर मामले बागपत में बताये गये हैं। यहां 1288 मतदाताओं के नाम 2003 की मतदाता सूची से लापता हो गए हैं। इससे मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। केके श्रीवास्तव और राधेश्याम सिंह ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है और सभी जिलों में त्वरित जांच व आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

बढ़ते कदम | 1038.27 मेगावॉट क्षमता से बढ़ी ऊर्जा आत्मनिर्भरता

यूपी में तीन लाख सोलर प्लांट लगाने का रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2074 करोड़ रुपये सब्सिडी से उपभोक्ताओं को मिली राहत

अमृत विचार : नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने बड़ा मुकाम हासिल करते हुए तीन लाख से अधिक सोलर प्लांट इंस्टॉल करने का रिकॉर्ड बनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व का परिणाम है कि राज्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अब देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, यूपी ने 3,00,654 सोलर इंस्टॉलेशन के साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में लंबी छलांग लगाई है। इस उपलब्धि ने ग्रामीण से लेकर शहरी उपभोक्ताओं तक ऊर्जा के नए विकल्प और आर्थिक राहत दोनों पहुंचाई हैं।

प्रदेश में अब तक 983,915 आवेदनों में से तीन लाख से अधिक इंस्टॉलेशन पूरे हो चुके हैं। राज्य की कुल सौर उत्पादन क्षमता बढ़कर 1038.27 मेगावॉट तक पहुंच गई है, जिससे लाखों परिवार स्वच्छ, किफायती और लगातार उपलब्ध रहने वाली ऊर्जा का लाभ उठा रहे हैं। योगी सरकार द्वारा अब तक 2074.53 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी की जा चुकी है,

जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ काफी कम हुआ है और सोलर प्लांट लगाने की रुचि लगातार बढ़ती जा रही है। इस मामले में गुजरात और महाराष्ट्र ही यूपी से आगे हैं, जिससे उत्तर प्रदेश का स्थान देश के शीर्ष सौर ऊर्जा राज्यों में पक्का हो गया है।

पिछले आठ वर्षों में योगी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए डिजिटल मॉनिटरिंग, समयबद्ध इंस्टॉलेशन और पारदर्शी प्रक्रियाओं पर जोर दिया है। पीएम सूर्यघर योजना और राज्य की नई सौर नीति ने बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचा तैयार किया, जिससे सौर ऊर्जा उद्योग के प्रति उपभोक्ताओं और निवेशकों दोनों का भरोसा बढ़ा है।

इस उपलब्धि का सबसे बड़ा असर ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। गांवों में बिजली बिलों में उल्लेखनीय कमी आई है और कई परिवार अतिरिक्त ऊर्जा ग्रिड को बेचकर अपनी आय में भी बढ़ोतरी कर रहे हैं।

सीएचसी में खून की जांचों के लिए 25 करोड़ जारी, सेवाएं होंगी बेहतर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रियेजेंट और उपकरणों की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को मिलेगी राहत

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) में खून संबंधी जांचों के लिए आवश्यक रियेजेंट और अन्य संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 25 करोड़ रुपये का बजट जारी किया है। इससे सरकारी अस्पतालों में पैथोलॉजी सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा मरीजों को जांचों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

संयुक्त सचिव आनंद कुमार राय द्वारा बजट से संबंधित शासनादेश जारी किए जाने के बाद स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन ने बताया कि प्रदेश के 975 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मरीजों को गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर उपचार सुनिश्चित करने में पैथोलॉजी की अहम भूमिका होती है, जहां एक पैथोलॉजी में लगभग 150 से अधिक प्रकार की खून की जांचें उपलब्ध रहती हैं। यानी विभिन्न बीमारियों के अलग-अलग जांच करायी जाती हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने बताया कि निजी कंपनियों द्वारा विभिन्न जांचों के लिए प्रयोग किए जाने वाले करीब 150 प्रकार के रियेजेंट उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनकी खरीद अस्पताल प्रशासन को स्वयं करनी होती है। सरकार द्वारा जारी किए गए बजट से अब इन रियेजेंट और अन्य आवश्यक सामग्री की खरीद सुचारु रूप से होती रहेगी, जिससे मरीजों को सभी रक्त जांचें बिना किसी रुकावट के मिलती रहेंगी। इससे विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच समय पर हो सकेगी तथा उपचार प्रक्रिया में तेजी आएगी।

संकट मोचन सरकार

इंडिगो के परिचालन संकट ने एक बार फिर भारतीय उड्डयन क्षेत्र की नियामकीय कमजोरियों, मानव संसाधन प्रबंधन की खामियों और कंपनियों की मनमानी के बीच आम यात्री की घंघोर उपेक्षा को उजागर कर दिया है। सरकार द्वारा जारी तात्कालिक उपाय-फ्लाइट कटौती, विशेष मॉनीटरिंग और पायलट ड्यूटी टाइम में सख्ती- निश्चित रूप से स्थिति को आंशिक राहत देते हैं, पर यह मान लेना जल्दबाज़ी होगी कि केवल इन कदमों से पूरा संकट समाप्त हो जाएगा। सरकार के नए एक्शन से, 'इलेक्टोरल बांड के जरिए इंडिगो से मोटा चंदा लेने के चलते वह इंडिगो पर कठोर नहीं है', आरोप बेअसर हो सकता है, हालांकि साफ है कि किसी भी नियामक हस्तक्षेप की समय सीमा और गंभीरता स्वयं बहुत कुछ कह देती है। वर्षों से जो समस्या जारी थी, उस पर नियामकों की निगरानी क्यों विफल रही? इससे संदेह उभरते हैं, मौजूदा कार्रवाई भर से इसे मिटाना मुश्किल है।

इंडिगो का मौलिक संकट पायलटों की भारी कमी, एफडीटीएल नियमों की अवहेलना और मानव संसाधन नीतियों में 'लीन स्टाफिंग' के अत्यधिक प्रयोग से उपजा है। पायलट संघों ने पिछले दो वर्षों में कई बार चेतावनी दी थी कि इंडिगो ने हायरिंग फ्रीज, नॉन-पोचिंग व्यवस्था और न्यूनतम क्रू मॉडल के कारण भविष्य के संकट को स्वयं आमंत्रित किया है। यह भी चौंकाने वाली बात है कि दो वर्ष के ट्रांजिशन पीरियड के दौरान कंपनी ने पायलटों की संख्या को नियमानुसार 14–16 प्रति विमान तक क्यों नहीं बढ़ाया? यदि यह मानक पूरा किया जाता तो आज फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने में यह अव्यवस्था नहीं होती। सवाल है कि डीजीसीए और उड्डयन मंत्रालय ने इस संकट को शुरुआती चरणों में ही क्यों नहीं रोका? एक एयरलाइन को 'लीन ऑपरेशन' की आड़ में अपनी क्षमता से कहीं अधिक फ्लाइट शेड्यूल चलाने देना न केवल यात्रियों के साथ अन्याय है, बल्कि उड्डयन सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ है। इस संकट का सबसे बड़ा बोझ यात्रियों पर पड़ा है। फ्लाइटें कैंसिल होने से किसी की नौकरी का मौका छूटा, किसी बीमार को उपचार नहीं मिल पाया, किसी का पारिवारिक या व्यावसायिक जीवन प्रभावित हुआ। ऐसे में केवल टिकट का पैसा वापस कर देना कोई समाधान नहीं। वास्तविक नुकसान आर्थिक, मानसिक और कई बार अपरिवर्तनीय होता है। भारत को 'पैसेंजर राइट्स' के स्पष्ट और बाध्यकारी नियमों की तात्कालिक आवश्यकता है, ताकि एयरलाइंस असुविधा नहीं, हानि की भरपाई करने के लिए बाध्य हों- जैसा कि कई विकसित देशों में व्यवस्था है। इंडिगो की छवि, गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। साथ ही भारतीय उड्डयन क्षेत्र की साख पर भी प्रश्न चिह्न लगा है। अंतर्राष्ट्रीय विमानन बाजार भारत को संभावनाओं की भूमि मानता है, पर इस प्रकार की अव्यवस्थित स्थितियां उसके भरोसे को कमजोर करती हैं।

सरकार के कदम संकट को तत्काल थामने की कोशिश प्रतीत होते हैं, परंतु यह तभी विश्वसनीय बनेंगे जब उड्डयन मंत्रालय दीर्घकालीन ढांचे में सुधार, भर्ती मानकों, कार्य-समय निगरानी, फ्लाइट स्वीकृति प्रक्रिया और यात्री अधिकारों को संस्थागत रूप से लागू करे। फौरी उपाय बेहतर हैं पर सरकार को वास्तव में स्थायी समाधान के प्रति गंभीर होना होगा।

प्रसंगवश

वो दिन जब सिद्धार्थ ने विश्व को नया प्रकाश दिया

हर साल 8 दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है, यह दिन राजकुमार सिद्धार्थ गौतम को परम ज्ञान की प्राप्ति के उपलक्ष्य में समर्पित है, जिसके बाद वे गौतम बुद्ध या जागृत व्यक्ति के रूप में जाने गए। दुनियाभर में यह पवित्र दिन विभिन्न नामों से मनाया जाता है और बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बोधि दिवस केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक जागरण, आत्म-ज्ञान और मानवीय करुणा का प्रतीक है, जो हमें जीवन के सार को समझने के लिए प्रेरित करता है। गौतम बुद्ध का जीवन एक असाधारण आध्यात्मिक यात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। लुंबिनी में 562 ईसा पूर्व में जन्म लेने वाले सिद्धार्थ गौतम राजा शुद्धोदन के पुत्र थे, जो शाक्य वंश के वंशज थे। वे राजकीय सुख-सुविधाओं में पले-बढ़े थे, लेकिन 29 वर्ष की आयु में उनकी सोच पूरी तरह बदल गई।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

एक बार राज्य भ्रमण के दौरान जब सिद्धार्थ ने आसपास की गरीबी, बीमारी और कष्ट को देखा, तो उनके हृदय पर गहरा प्रभाव पड़ा। राजसी जीवन उनके लिए अर्थहीन हो गया और उन्होंने सत्य की खोज के लिए सभी सांसारिक सुखों का त्याग कर दिया। एक रात चुपचाप राजमहल को छोड़कर सिद्धार्थ गौतम अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़े। अगले छह वर्षों में सिद्धार्थ ने कठोर तपस्या की और गहन आत्मनिरीक्षण के माध्यम से जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन किया। उन्हें बिहार के बोधगया में एक बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई।

यह वह क्षण था, जब सिद्धार्थ गौतम को अपने भीतर और ब्रह्मांड के रहस्यों का ज्ञान प्राप्त हुआ और वे 'बुद्ध' अर्थात् प्रबुद्ध या जागृत व्यक्ति बन गए। 'बुद्ध' शब्द संस्कृत में एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है, जो अपने आत्मबोध और अध्यात्मिक चेतना तक पहुंच गया हो। यह घटना करीब 2,500 वर्ष पहले घटी थी और इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष आठ दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है।

बोधि दिवस की मनाई जाने वाली परंपराएं और इसका सांस्कृतिक महत्व सारी दुनिया में समान हैं। इस दिन समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ आते हैं और दूसरों के कल्याण के लिए अच्छे कार्य करते हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी आपस में जुड़े हुए हैं और हमारे कार्यों का प्रभाव समाज के प्रत्येक सदस्य पर पड़ता है। गौतम बुद्ध ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से एक सार्वभौमिक धर्म की स्थापना की, जो आयु, जाति, राष्ट्रीयता, पेशे, लिंग और अन्य सभी सामाजिक बाधाओं से परे है। उनका दर्शन यह है कि आत्मज्ञान और मुक्ति का मार्ग सभी के लिए खुला है, चाहे वह कोई भी हो।

बुद्ध ने मनुष्य को नैतिकता, ध्यान और ज्ञान के अभ्यास के माध्यम से आत्मज्ञान का रास्ता दिखाया। उनकी शिक्षा का केंद्र बिंदु मध्यम मार्ग है, जो अत्यधिक तपस्या और इंद्रिय भोग दोनों से बचता है। यह मार्ग सीधे निर्वाण की ओर ले जाता है, जो अज्ञानता, तृष्णा, पुनर्जन्म और दुःख से मुक्ति है। बुद्ध ने अपनी शिक्षा का सारांश आर्य अष्टांगिक मार्ग के माध्यम से दिया है, जिसमें सही दृष्टिकोण, सही संकल्प, सही भाषण, सही आचरण, सही आजीविका, सही प्रयास, सही सचेतनता और सम्यक समाधि शामिल हैं। ये आठ सिद्धांत मन के प्रशिक्षण की एक व्यापक विधि प्रदान करते हैं। हजारों वर्षों बाद भी बुद्ध के उद्धरण और शिक्षाएं मानव समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं। बुद्ध ने कहा है, 'अतीत में मत रहो, भविष्य के सपने मत देखो, मन को वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो।'

भारत-रूस साझेदारी से बढ़ेगा शक्ति संतुलन

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पांच दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं, बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

> भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति–दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत–रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है, बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है।

शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा, बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाइयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेंद्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यावहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलेक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है, जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

आमने सामने

आज भारत की तेजी से ग्रोथ को देखते हुए, क्या आपने कभी कहीं पढ़ा है या किसी को इसे 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' कहते सुना है? 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्द का इस्तेमाल तब किया गया था, जब भारत 2–3 प्रतिशत की ग्रोथ रेट के लिए संघर्ष कर रहा था।
–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' राज कृष्णन ने बोला था, जिन्हें जनता पार्टी सरकार ने प्लानिंग कमिशन में सदस्य बनाया था। जनता पार्टी में लाल कृष्ण अडवाणी, मोरारजी देसाई और अटल विहार वाजपेई थे। प्रधानमंत्री मोदी अपनी ही पार्टी पर हमला क्यों बोल रहे हैं?
–पवन खेड़ा, कांग्रेस नेता

मोनोपॉली, ऑटोक्रीसी और ठहरती अर्थव्यवस्था

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

> भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो के हालिया संकट ने देश के सामने एक गंभीर और असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या आज एक बड़ी एयरलाइन सरकार और नियामक से भी बड़ी हो चुकी है?

भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो के हालिया संकट ने देश के सामने एक गंभीर और असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या आज एक बड़ी एयरलाइन सरकार और नियामक से भी बड़ी हो चुकी है? सिर्फ दो दिनों में सैकड़ों उड़ानों का रद्द होना, लाखों यात्रियों की योजनाओं का बिखरना और पूरे विमानन तंत्र का चरमरा जाना बताता है कि अगर किसी अहम सेक्टर में एक कंपनी पर अत्यधिक निर्भरता हो जाए, तो पूरी अर्थव्यवस्था कैसे कुछ घंटों में ठप पड़ सकती है। यह सिर्फ एक परिचालन विफलता नहीं थी, बल्कि भारत के 'मोनोपॉली मॉडल' की एक खतरनाक झलक थी।

इंडिगो आज भारत के घरेलू विमानन बाजार का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा अकेले नियंत्रित करती है। यानी देश में उड़ने वाले हर तीन में से दो यात्री किसी न किसी रूप में इसी कंपनी पर निर्भर हैं। एयर इंडिया समूह लगभग 25–27 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। इसका मतलब साफ है कि देश का करीब 90 प्रतिशत हवाई यातायात केवल दो कंपनियों के हाथों में है। ऐसी स्थिति में अगर एक बड़ी एयरलाइन डगमगाती है, तो पूरा तंत्र हिल जाता है– ठीक वैसे ही जैसा हमने हाल में देखा।

यह संकट नए पायलट ड्यूटी समय और विश्राम नियमों के लागू होने के बाद सामने आया। सुरक्षा की दृष्टि से बनाए गए इन नियमों में पायलटों को अधिक विश्राम, रात की सीमित लैंडिंग और तय ड्यूटी घंटे जैसी शर्तें रखी गई थीं, ताकि थकान के कारण होने वाले हादसों को रोका जा सके, लेकिन इंडिगो जैसी विशाल कंपनी ने समय रहते अपने पायलट स्टाफ और क्रू-प्लानिंग को इन नियमों के अनुरूप तैयार नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि नियम लागू होते ही कंपनी को बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यहीं से दूसरा बड़ा सवाल खड़ा होता है। संकट गहराने पर सरकार ने रात की कुछ ड्यूटी सीमाओं में अस्थायी ढील दे दी, ताकि इंडिगो अपनी उड़ानों को फिर से पटरी पर ला सके, लेकिन यह सुविधा केवल एक बड़ी कंपनी के लिए क्यों? क्या नियम सिर्फ छोटे खिलाड़ियों पर लागू होते हैं और बड़े खिलाड़ियों के लिए लचीले बन जाते हैं? यह स्थिति न सिर्फ नियामक की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि यदि आप बहुत बड़े हैं, तो व्यवस्था भी आपके अनुसार ढल सकती है।

यात्रियों के लिए यह संकट किसी आपदा से कम नहीं रहा। एक ही दिन में हजार से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और कई दिनों तक 300–400 उड़ानें प्रतिदिन या तो रद्द होती रहीं या घंटों की देरी से चलीं। हजारों लोग अपने इंटरव्यू, परीक्षाएं, मेडिकल अपॉइंटमेंट और जरूरी पारिवारिक कार्यक्रमों से चूक गए। किरायों का हाल और भी चौंकाने वाला रहा। जहां सामान्य दिनों में 5–6 हजार रुपये में मिलने वाली टिकटें 20–28 हजार रुपये तक पहुंच गईं। साफ था कि कम क्षमता और अधिक मांग का फायदा उठाकर किराये आसमान पर पहुंचा दिए गए। सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा, लेकिन तब तक यात्रियों की जेब से लाखों रुपये अतिरिक्त निकल चुके थे।

इस पूरे घटनाक्रम का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा। भारतीय विमानन उद्योग देश की जीडीपी में करीब 1.5 प्रतिशत का योगदान देता है और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 77 लाख लोगों को रोज़गार देता है। जब हवाई यातायात लड़खड़ाता है, तो उसका असर केवल एयरलाइंस तक सीमित नहीं रहता– होटल, टैक्सी, पर्यटन, कॉर्पोरेट यात्रा, कार्गो सेवाएं, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबार सभी प्रभावित होते हैं। सिर्फ कुछ दिनों की अव्यवस्था से ही उद्योग को हजारों करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान हुआ माना जा रहा है। इसका बोझ अंततः आम नागरिक और करदाताओं पर ही आता है।

निवेशकों और शेयरधारकों के लिए भी यह झटका कम गंभीर नहीं था। संकट के दौरान इंडिगो की मूल कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई। कुछ ही दिनों में निवेशकों की हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति बाजार से मिट गई, जिन्हें अब तक लगता था कि विशाल बाजार हिस्सेदारी यानी सुरक्षा, उन्हें यह समझ में आ गया कि अत्यधिक एकाग्रता अपने साथ बड़ा जोखिम भी लाती है। यह संकट सिर्फ विमानन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक चेतावनी है कि अगर किसी भी आवश्यक सेवा– चाहे वह टेलीकॉम हो, यूपीआई पेमेंट सिस्टम हो, बिजली वितरण हो या बंदरगाह सेवाएं– पर कुछ गिनी-चुनी कंपनियों का अत्यधिक नियंत्रण हो जाए, तो एक छोटी सी चूक भी पूरे देश को ठप कर सकती है। यह 'कॉरपोरेट ऑटोक्रीसी' का खतरनाक रूप है, जहां निर्णय कुछ बोर्डरूम में होते हैं, लेकिन उसका असर करोड़ों लोगों की जिंदगी पर पड़ता है।

अंततः लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि न तो कोई व्यक्ति और न ही कोई कंपनी कानून से ऊपर हो सकती है। इंडिगो संकट ने यह साफ दिखा दिया कि अगर मोनोपॉली और कमजोर नियमन को समय रहते नहीं रोका गया, तो एक निजी कंपनी दो दिनों में पूरे देश के हवाई यातायात को ठप कर सकती है, यात्रियों, करदाताओं और निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचा सकती है और सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में ला सकती है।

सोशल फोरम

रेगिस्तान का फूल वारिस

यह कहानी एक ऐसी लड़की की है, जिसे पांच साल की उम्र में पकड़कर ज़मीन पर लिटा दिया गया था। न कोई दवाई, न बेहोशी, न साफ़-सफ़ाई— सिर्फ़ एक कुंद, खून से सना उस्तरा और एक चीख, जिसने सोमालिया के रेगिस्तान की हवा को चीर दिया। उसका नाम था वारिस डीरी, जिसका मतलब होता है रेगिस्तान का फूल। एक घुमंतू परिवार में पैदा हुई बच्ची।

कलम रंगदार
ब्लॉगर

फीमेल जेनिटल म्यूटिलेशन (FGM) यानी महिला जननांग अंगभंग। सबसे भयानक रूप, टाइप 3। सब कुछ काट दिया गया। सब कुछ सिल दिया गया। सिर्फ एक माचिस की तीली जितना छोटा छेद उससे सांस चलती रहे, शायद। उसकी बहन मर गई थी। उसकी कई चचेरी बहनें भी। वारिस बच गई, लेकिन दर्द उसके हर दिन, हर कदम के साथ रहा। तेरह साल की उम्र में उसके पिता ने उसे बेचने की कोशिश की- एक 60 साल के बूढ़े आदमी को, पांच ऊंटों के बदले।

तो वो भाग गई। नंगे पांव। अकेली। रेगिस्तान को पार करती हुई— न नक्शा, न खाना, न सुरक्षा। सिर्फ एक जज़्बाः ज़िंदगी चुनना, परंपरा नहीं। वो किसी तरह मोगादिशू पहुंची। फिर लंदन— एक नौकरानी बनकर। न भाषा आती थी, न स्कूल की पढ़ाई, न पैसे। सिर्फ जीने की जद्दोजहद और फिर एक दिन एक फोटोग्राफर ने उसे देख लिया। मैकडॉनल्ड्स में फर्श साफ़ करने से लेकर पेरिस और न्यूयॉर्क की रनवे तक। Chanel. L'Oral. Vogue. James Bond हर जगह उसका नाम चमकने लगा। शोहरत के सबसे ऊंचे मुकाम पर पहुंचकर, वारिस ने वह किया जो शायद ही कोई मशहूर इंसान करने की हिम्मत करता। उसने सच बोल दिया।

उसने दुनिया को बताया कि उसके साथ क्या हुआ था और यह भी कि लाखों लड़कियों के साथ वही आज भी हो रहा है। उसकी आवाज़ ने दुनिया की चुप्पी तोड़ दी। यूएन ने उसे FGM खत्म करने के लिए स्पेशल एम्बेसडर बनाया। उसने Desert Flower लिखी- 1.1 करोड़ कॉपियां बिकीं। उसने Desert Flower Foundation शुरू किया। उसने यूरोप में सर्वाइवर क्लिनिक बनाए। उसने लाखों लड़कियों को बचाया। वह रेगिस्तान में पैदा हुई थी, लेकिन उसने सूखने से इनकार कर दिया। वह खिली और उसने यह सुनिश्चित किया कि लाखों और लड़कियां भी खिल सकें।

सामयिकी

मिट्टी में जहर से स्वास्थ्य पर मंडराता संकट

मृदा प्रदूषण तब होता है जब मनुष्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हानिकारक रसायन, भारी धातुएं या प्रदूषक पदार्थ मिट्टी में मिला देते हैं, जिससे न केवल मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र और मानव स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

भारत में मृदा प्रदूषण अब एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुका है। मिट्टी की बिगड़ती सेहत चुपचाप कृषि उत्पादन को खोखला कर रही है। जलवायु परिवर्तन इस समस्या को और भयावह बना रहा है। भारत आज अनाज में आत्मनिर्भर है, लेकिन अगर मिट्टी की गुणवत्ता इसी तरह घटती रही, तो आने वाले दशकों में हमें फिर से अनाज आयात करना पड़ सकता है। यदि अभी मिट्टी की सेहत सुधारने के ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो खाद्य सुरक्षा पर संकट के साथ-साथ लाखों किसानों की आजीविका भी दांव पर लग जाएगी।

अंबिका कुशवाहा
लेखिका

मिट्टी की खराब गुणवत्ता का असर सिर्फ फसल पर नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और सबसे बड़ी बात कि मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। आज देश की अधिकांश कृषि योग्य भूमि किसी-न-किसी रूप में मृदा प्रदूषण की चपेट में है और यह जहर अब हमारी थाली तक पहुंच चुका है। चावल में आर्सेनिक, गेहूं में कैडमियम, सब्जियों में सीसा (लेड) और कीटनाशकों के अवशेष लगातार बढ़ रहे हैं। इन्हें खाकर लोग बीमार हो रहे हैं, बच्चे कुपोषित पैदा हो रहे हैं और कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

मृदा प्रदूषण केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर सीधा हमला है। अगर यही स्थिति रही तो एक दिन हमारी खेती की जमीन इतनी जहरीली हो जाएगी कि उसमें कुछ भी उगाना असंभव हो जाएगा। पंजाब का मालवा क्षेत्र (बठिंडा, फरीदकोट, संगरूर, मुक्तसर आदि) इसका जीता-जागता उदाहरण है। इसे 'भारत की कैंसर बेल्ट' कहा जाता है। यहां कैंसर के मामले राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक हैं। हर दूसरे-तीसरे घर में कोई न कोई कैंसर से जूझ रहा है। इसका मुख्य कारण जहरीली मिट्टी में उगा अनाज और सब्जियां हैं, जो रोज लोगों की थाली में परोसे जा रहे हैं।

सरकार जैविक खाद को बढ़ावा दे रही है, लेकिन आज भी लाखों किसान अधिक पैदावार के लालच में यूरिया और खतरनाक कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग कर रहे हैं। लंबे समय तक इनका इस्तेमाल मिट्टी को बंजर बना रहा है। फैक्ट्रियां रात के अंधेरे में जहरीला पानी नदियों-नालों में छोड़ रही हैं, जो सीधे खेतों में पहुंच जाता है। शहरों में प्लास्टिक कचरा जलाने से निकलने वाला डाइऑक्सिन हवा के रास्ते मिट्टी में समा रहा है। सरकार ने 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' शुरू की है, जिसका उद्देश्य हर खेत की मिट्टी की जांच कर किसानों को उसकी सही स्थिति और सुधार के उपाय बताना है, लेकिन दुखद अधिकांश किसान इस योजना से अनजान हैं।

मृदा प्रदूषण रोकने के लिए अब कड़े और त्वरित कदम उठाने होंगे। रासायनिक उर्वरकों की जगह जैविक खाद और जैविक खेती को बड़े पैमाने पर अपनाना होगा। पेड़-पौधे लगाकर मिट्टी का कटाव रोका जाए साथ ही हर किसान अपनी मिट्टी का नियमित परीक्षण करवाए और उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करे। कचरे के सही निपटान और प्लास्टिक जलाने पर सख्ती हो। वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण के उपाय अपनाए जाएं। घरेलू जैविक कचरे से कंपोस्ट बनाकर खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाए। हर नागरिक को मिट्टी बचाने के लिए प्रेरित किया जाए। अगर हम आज मिट्टी नहीं बचाएंगे, तो कल हमारी थाली में सिर्फ जहर ही होगा।

स्वामी- रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

लंदन में 30 साल बाद फिर दिखा

DDLJ का जादू

साल 1995 में रिलीज हुई शाहरुख खान और काजोल की 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' आज भी बॉलीवुड की सबसे प्यारी और यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। भारत ही नहीं, दुनियाभर के दर्शकों ने इस फिल्म को दिल से अपनाया। इसी जुड़ाव को सम्मान देते हुए फिल्म के 30 साल पूरे होने पर एक बेहद खास पल रचा गया। 4 दिसंबर को लंदन के लेस्टर स्क्वायर में राज और सिमरन की ब्रॉन्ज प्रतिमा का अनावरण किया गया, जिसे देखकर फैन्स पुरानी यादों में खो गए। यह मूर्ति Heart of London Business Alliance की "Scenes in the Square" पब्लिक आर्ट ट्रेल का हिस्सा है और खास बात यह है कि इस प्रतिष्ठित परियोजना में जगह पाने वाली DDLJ पहली भारतीय फिल्म बन गई है। प्रतिमा में शाहरुख और काजोल को फिल्म के एक लोकप्रिय पोज में दिखाया गया है, जो उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री का प्रतीक बन चुका है। इस मौके ने न केवल बॉलीवुड की आइकॉनिक लव स्टोरी को फिर से जीवंत कर दिया, बल्कि भारतीय सिनेमाई संस्कृति को वैश्विक मंच पर एक बार फिर चमकाया। यह मूर्ति आने वाली पीढ़ियों को भी याद दिलाती रहेगी कि DDLJ सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भावनाओं, प्यार और यादों का एक अनमोल सफर है।

बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं

मूर्ति के अनावरण के साथ ही लंदन के लेस्टर स्क्वायर में एक यादगार पल बन गया, जब शाहरुख खान और काजोल ने अपने किरदार राज और सिमरन के आइकॉनिक पोज को फिर से दोहराया। काजोल हल्के नीले रंग की साड़ी में बिल्कुल फिल्म वाली सादगी और मोहकता लिए नजर आईं, जबकि शाहरुख एक स्टाइलिश ओवरकोट में राज के क्लासिक लुक को फिर से जीवंत कर रहे थे। दोनों को इस रूप में देख फैन्स एक बार फिर DDLJ के सुनहरे दौर में पहुंच गए। शाहरुख ने इस खास अवसर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपने सदाबहार डायलॉग का जिक्र किया- "बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं, सेनोरिटा।" उन्होंने लिखा कि DDLJ के 30 साल पूरे होने पर राज और सिमरन की मूर्ति का अनावरण करना उनके लिए सम्मान की बात है। यह भी खास है कि दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे पहली भारतीय फिल्म बन गई है, जिसे Heart of London Business Alliance की "Scenes in the Square" ट्रेल में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि न सिर्फ फिल्म की लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान का भी प्रमाण है। तीन दशक बाद भी DDLJ का जादू उसी तरह बरकरार है और यह ब्रॉन्ज मूर्ति उस अमर प्रेम कहानी को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का खूबसूरत माध्यम बन गई है।

लंबे समय तक चलने वाली फिल्म

यह ब्रॉन्ज स्टैच्यू लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में स्टैच्यू से सम्मानित होने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है और हैरी पॉटर, मैरी पॉपिंस, पैडिंगटन और सिंगिन इन द रेन जैसी ऐतिहासिक फिल्मों के मशहूर किरदारों के साथ-साथ बैटमैन और वंडर वुमन जैसे हीरो के साथ जुड़ गई है। इस फिल्म का डायरेक्शन आदित्य चोपड़ा ने किया था और ये हिंदी सिनेमा की थिएटर्स में सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्म है। अभी भी मुंबई के मराठा मंदिर सिनेमाघर में ये फिल्म चलती है। शाहरुख ने इस पिक्चर में राज और काजोल ने सिमरन का किरदार निभाया था। दोनों की जोड़ी और प्रेम कहानी फैंस को काफी पसंद आई थी।

फिल्म की कमाई

DDLJ के लिए शाहरुख खान और काजोल को भारत के बाहर दूसरे देशों में भी जाना जाता है। इसमें इन दोनों के अलावा अमरीश पुरी, अनुपम खेर, फरीदा जलाल, मंदिरा बेदी और करण जौहर भी नजर आए थे। न सिर्फ लोगों के दिलों में बल्कि इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी राज किया था और ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। सैकनिल्क के अनुसार इस पिक्चर का बजट सिर्फ 4 करोड़ रुपये था और वर्ल्डवाइड फिल्म ने 102.50 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

ओटीटी प्लेटफार्म

बीस्ट इन मी

"बीस्ट इन मी" एक अमेरिकन अपराध फिल्म है, जिसमें मानव मनोविज्ञान के बहुत क्लिष्ट पहलुओं को छुआ गया है। क्या वो आदमी अपराधी है, जो यह जानता या मानता ही नहीं कि उसका किया गया कर्म अपराध है? कोई कर्म समाज या किसी नियम के अंतर्गत ही तो अपराध होता है। यदि किसी को लगे ही नहीं कि उसके द्वारा किया गया कर्म अपराध होगा, तो उसका कितना दोष होगा? यदि कोई प्रेम वश आपको दुख मुक्त करने लिए कुछ करे, तो क्या उस अपराध में आप दोषमुक्त रह जाएंगे?

एक लेखिका अपने पड़ोस में रहने आए एक व्यक्ति, जिसको सारा शहर उसकी पत्नी का हत्यारा मानता है, परंतु पत्नी की लाश न मिलने के कारण उसे कानूनन हत्यारा नहीं माना जा सका है, के बारे में एक पुस्तक लिखने का कॉन्ट्रैक्ट लेती है, जो उस आदमी से लिए गए इंटरव्यूज पर आधारित होगी। वह व्यक्ति सोचता है कि वह अपनी बातों और व्यक्तित्व से लेखिका को प्रभावित करके स्वयं को निर्दोष सिद्ध करवा लेगा। लेखिका सोचती है इस प्रकार सभी संबंधित लोगों और पुलिस/एफबीआई से बात करके उसे वास्तविकता का पता चल ही जाएगा। कहानी के और भी कई पात्र हैं, जैसे उस व्यक्ति का भाई, पिता, दूसरी जीवित पत्नी, लेखिका की महिला पत्नी, FBI के एजेंट्स इत्यादि और सबकी अपनी-अपनी कहानियां हैं, जो उस व्यक्ति की कहानी से कहीं न कहीं जुड़ती हैं। वह व्यक्ति कातिल है या नहीं और कहानी किस तरह चलती है, इसके लिए आपको आठ एपिसोड्स देखने पड़ेंगे। अंत में लेखिका का प्रतिवेदन, जिसकी एकाध लाइन मैंने ऊपर उद्धृत की है, मनोविज्ञान का पाठ है।

पात्रों में मुख्य पात्र यानी संभावित कातिल व्यक्ति के चरित्र को बहुत अच्छी तरह जिया है मैथ्यू रिस ने, लेखिका के रोल में क्लेयर डेंस ने अच्छा अभिनय किया है, परंतु उसके हाव-भाव भारतीयों से मेल नहीं खाते इसलिए कई बार समझ में नहीं आते।

कहानी लेटस्टार्ट होती है, पर फिर गति पकड़ लेती है, संगीत बहुत सहायक है, हिंदी डबिंग अच्छी हुई है। कुछ भी हो पर साधारण परिस्थितियों का मनोवैज्ञानिक पक्ष दुरूह हो सकता है, यह बात "बीस्ट इन मी" बड़ी स्टाइल से कहती है।

समीक्षकः
ब्रज राज नारायण सक्सेना

जिंदगी का सफर

'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी

फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी, जिन्हें अक्सर 'ड्रीम गर्ल' के खूबसूरत नाम से भी जाना जाता है, भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक बहुमुखी और स्थायी हस्ती हैं। वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक निपुण भरतनाट्यम नृत्यांगना, फिल्म निर्माता, निर्देशक और एक सक्रिय राजनीतिज्ञ भी हैं। उनका जीवन कला, सुंदरता, दृढ़ संकल्प और सार्वजनिक सेवा का एक उत्कृष्ट मिश्रण है। हेमा मालिनी का जन्म 16 अक्टूबर 1948 को तमिलनाडु के अम्मानकुडी में हुआ था। उनकी मां, जया चक्रवर्ती फिल्म निर्माता थीं और पिता वीएसआर चक्रवर्ती थे।

माता-पिता के मार्गदर्शन ने उनके करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेमा ने बहुत कम उम्र से ही शास्त्रीय नृत्य, विशेषकर भरतनाट्यम, सीखना शुरू कर दिया था और जल्द ही एक कुशल नृत्यांगना बन गईं।

एक तमिल फिल्म में अस्वीकार किए जाने के शुरुआती असफलताओं के बावजूद, हेमा ने हार नहीं मानी। उन्होंने 1968 में राज कपूर के साथ हिंदी फिल्म 'सपनों का सौदागर' से मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपनी शुरुआत की। उनकी सफलता 'जॉनी मेरा नाम' (1970) जैसी फिल्मों से शुरू हुई और 1970 का दशक, उनके स्टारडम का गवाह बना। उन्होंने 'सीता और गीता' (1972) जैसी फिल्मों में दोहरी भूमिकाओं के साथ साबित किया कि उनकी अभिनय की रेंज कितनी ज्यादा है। इसके लिए उन्होंने अपना पहला फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता।

रमेश सिप्पी की क्लासिक कल्ट 'शोले' (1975) में 'बसंती' के रूप में उनका किरदार आज भी भारतीय सिनेमा के यादगार किरदारों में से एक माना जाता है। उन्होंने धर्मेंद्र, राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन सहित उस समय के सभी प्रमुख अभिनेताओं के साथ काम किया। फिल्मों में अपने सह-कलाकार धर्मेंद्र के साथ उनका रिश्ता परवान चढ़ा। कई चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने 1980 में शादी की। उनकी दो बेटियां, ईशा देओल और आहना देओल हैं। हेमा फिल्म निर्माता भी बनीं। उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'दिल आशना है' (1992) का निर्देशन किया। 2000 के दशक में हेमा मालिनी ने सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया।

भारतीय सिनेमा में उनके अपार योगदान के लिए उन्हें 2000 में भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'पद्म श्री' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सुंदरता, प्रतिभा और गरिमा के साथ, हेमा मालिनी भारतीय मनोरंजन जगत में एक सच्ची और स्थायी किंवदंती बनी हुई हैं।

मॉडल आफ द वीक

नाम: पद्मिनी शर्मा

टाउन: कानपुर

एजुकेशन: 12वीं की छात्रा

अचीवमेंट: मिस टैलेंटेड मिस कानपुर 2025

ड्रीम: नेशनल मॉडलिंग स्टेज पर UP का प्रतिनिधित्व करना

बीओएम ने खुदरा ऋण दरों में की कटौती

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने रविवार को रेपो से जुड़ी उधारी दर (आरएलएलआर) से जुड़े ऋणों में 0.25% की कटौती की घोषणा की है। रिजर्व बैंक के रेपो दर में 0.25% की कटौती के बाद यह फैसला लिया गया। बीओएम ने कहा कि संशोधन के साथ बैंक का आवास ऋण 7.10% ब्याज दर से और कार ऋण 7.45 प्रतिशत से शुरू होगा, जो बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है।

अमृत विचार
बरेली, सोमवार, 8 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000–18000, धनिया 9000–11000, अजवायान 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000–13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7550–8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000–9000, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800–10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900–8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000–10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, बहेड़ी 4320

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती– 3200, मसूरी– 1000, बासमती– 6000, परमल– 1100

दाल दलहन : काला चना– 4200, साबुत चना दाल– 3700, मूंग साबुत– 6600, राजमा– 9100–12200, दाल उड़द– 7000, साबुत मसूर दाल– 4400, मसूर दाल– 3400, उड़द साबुत– 5400, काबुली चना– 9400, अरहर दाल– 10100, लोबिया/करमानी– 2400

फेड-एफआईआई डालेंगे बाजार पर असर

भारत के सीपीआई आंकड़ों पर और रुपये की चाल पर बारीकी से नजर रखेंगे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के रूझान तय करने वाला प्रमुख कारक होगा। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक गतिविधियां और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की भावना को प्रभावित करेगा। पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में सुस्ती रही, जहां प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बिना किसी खास बदलाव के बंद हुए।

रिलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह बाजार 12 दिसंबर को आने वाले भारत के सीपीआई आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेंगे। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर ध्यान रहेगा, जो उभरते बाजारों की जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है। निवेशक रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले सप्ताह डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे चली गई थी।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ शोध विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा कि निवेशकों का ध्यान अब पूरी तरह 9–10 दिसंबर 2025 को होने वाली अमेरिकन फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर है।

उन्होंने कहा कि एफओएमसी के फैसले के साथ ही प्रमुख अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। नौ दिसंबर को जारी होने वाले अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों से अमेरिकी श्रम बाजार के बारे में पता चलेगा। पि

पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने 11,820 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 11,820 करोड़ रुपये निकाले। इसका मुख्य कारण रुपये का तेज अवमूल्यन है। नवंबर में 3,765 करोड़ की निकासी के बाद ये तेज बिकवाली हुई है और इससे बाजार पर दबाव बढ़ा है। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 14,610 करोड़ की लिवाली की थी, जिससे तीन महीने की भारी बिकवाली का क्रम टूटा। सितंबर में 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले गए थे। एनएसडीएल के अनुसार इस महीने के पहले हफ्ते में एफपीआई ने इक्विटी से 11,820 करोड़ की शुद्ध निकासी की। इससे 2025 में कुल निकासी 1.55 लाख करोड़ हो गई। विश्लेषकों के अनुसार ताजा बिकवाली का मुख्य कारण मुद्रा संबंधी चिंताएं हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि इस साल रुपया 5% कमजोर हुआ है, जिससे एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। एफपीआई की निकासी के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 19,783 करोड़ की खरीदारी की।

शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 72,285 करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 72,284.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ। इस दौरान भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी में गिरावट हुई।

आवास ऋण नौ लाख करोड़ के पार, ऋण वृद्धि 14% रहने की उम्मीद : एसबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई में तेजी से कुल ऋण वृद्धि मजबूत**

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है और उन्हें भरोसा है कि खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्र में जारी तेजी से चालू वित्त वर्ष में कुल ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहेगी। आरएएम खंड सितंबर में ही 25 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है।

आर्थिक वृद्धि में सुधार को देखते हुए एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए ऋण वृद्धि लक्ष्य को पहले के 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया है। शेट्टी ने कहा कि हमने ऋण वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। अब यह 12 प्रतिशत से 14 प्रतिशत है। हमें मजबूत ऋण वृद्धि दिख रही है, खासकर आरएएम खंड में। एमएसएमई क्षेत्र में 17-18 प्रतिशत और कृषि तथा खुदरा में करीब 14 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि स्वर्ण ऋण में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है, जबकि असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण में दो अंकों की वृद्धि होगी। कुछ समय से सुस्त चल रहा कॉर्पोरेट ऋण खंड भी दूसरी तिमाही में पुनः गति पकड़ता दिखा और 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। शेट्टी ने कहा कि कॉर्पोरेट ऋण के लिए हमारा अनुमान निचले दो अंकों में है। इस तरह कुल मिलाकर 12-14 प्रतिशत ऋण वृद्धि हासिल करना पूरी तरह संभव है। रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत ब्याज दर में 25 आधार अंक की और कटौती से ऋण सस्ते होंगे और नई मांग को बल मिलेगा।

शीतकालीन पुनर्भंडारण के कारण कोकिंग कोयले का आयात बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

अक्टूबर में कोयला आयात में मिश्रित रुझान देखा गया, जिसमें सामान्य कोयले के आयात में गिरावट आई जबकि कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि हुई। कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रही। वहीं, कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 लाख टन से बढ़कर पांच लाख टन हो गया। यह बढ़ोतरी मुख्यतः इस्पात उद्योग द्वारा सर्दियों में भंडारण बढ़ाने की गतिविधियों के कारण हुई।

कोकिंग कोयला इस्पात उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में कुल कोयला आयात 3.9 प्रतिशत घटकर 2.09 करोड़ टन रह गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 2.18 करोड़ टन था। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, इस्पात निर्माता आमतौर पर सर्दियों से पहले कोकिंग कोयले की खरीद बढ़ाते हैं, ताकि सर्दियों में उत्पादन निर्बाध रूप से जारी रह सके, जब परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में संभावित बाधाएं रहती हैं। इसी मौसमी मांग के कारण, सामान्य कोयले के आयात में धीमापन के बावजूद कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि देखी गई। कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रहा। कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 करोड़ टन से बढ़कर 50.4 लाख टन हो गया। इस वृद्धि का मुख्य कारण इस्पात मिलों द्वारा सर्दियों में भंडारण करने की गतिविधियां रही।

- **बाजार में अधिक उपलब्धता बनी कुल कोयला में गिरावट का मुख्य कारण**

सोने की चमक बरकरार, इस साल दिया 67% रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी

सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 16 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं, इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश करना जरूरी है।

दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा कि चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है। वहीं भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉण्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

- **रुपया कमजोर हुआ तो 2026 में सोने की कीमत पांच से 16% चढ़ सकती हैं**

रुपये की कमजोरी ने सोने की कीमतों में और इजाफा किया

सोने की कीमत में आई तेजी के कारणों पर कलंत्री ने कहा कि वैश्विक आर्थिक और भू–राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख,मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है। वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का महत्वपूर्ण कारक रही हैं। साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। अगले साल के परिदृश्य के बारे में कलंत्री ने कहा कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने बरता संयम

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन की 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया

लेह, एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बल और भी बहुत कुछ कर सकते थे लेकिन उन्होंने जानबूझकर संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया का विकल्प चुना। सिंह ने कहा कि मई में हुए ऑपरेशन ने भारतीय सेना की क्षमता और अनुशासन को रेखांकित किया, जिन्होंने बिना तनाव बढ़ाये आतंकी खतरों को बेअसर कर दिया।

रक्षामंत्री सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा पूरी की गई 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने अपने सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन और सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के बीच जो समन्वय देखा, वह अविश्वसनीय था। मैं लद्दाख और सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रत्येक नागरिक के प्रति हमारे सशस्त्र बलों को अपना समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि अगर हम चाहते तो और भी बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन हमारे बलों ने ना केवल वीरता, बल्कि संयम का भी परिचय दिया और केवल वही किया जो जरूरी था। इतना बड़ा ऑपरेशन मजबूत कनेक्टिविटी से ही संभव हो पाया। इसलिए, कनेक्टिविटी को केवल नेटवर्क, ऑप्टिकल फाइबर, ड्रोन और रडार तक सीमित नहीं, बल्कि सुरक्षा की रीढ़ माना जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर वह देश के किसी भी कोने में सशस्त्र बलों से मिल पाते हैं, तो यह मजबूत संचार नेटवर्क और कनेक्टिविटी की वजह से ही संभव है। उन्होंने कहा कि संचार को सिर्फ बुनियादी ढांचे के लिहाज से नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक बहुत व्यापक शब्द है। शांति, सद्भाव और समाज की समझ के लिए संचार जरूरी है।'' उन्होंने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास लद्दाख समेत सभी सीमावर्ती इलाकों के साथ संचार और कनेक्टिविटी को मज़बूत करना रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सीमावर्ती इलाकों के समग्र विकास के लिए पूरे उत्साह से काम कर रही है।

लेह में परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और अन्य लोग

बेहतर कनेक्टिविटी सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के साथ आर्थिक विकास को भी दे रही गति

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार, हमारे सशस्त्र बल और बीआरओ जैसे संगठन आपके साथ खड़े हैं। हमें बस इस संबंध को मजबूत करते रहना है ताकि हमारे संबंध किसी बाहरी तत्व से प्रभावित ना हो। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी ना सिर्फ सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति दे रही है। वर्ष 2025–26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि मजबूत संचार और कनेक्टिविटी नेटवर्क एक प्रमुख कारक रहे हैं, जिसे सरकार की विकास–समर्थक नीतियों और राष्ट्रव्यापी सुधारों का समर्थन प्राप्त है।

5,000 करोड़ से हुआ परियोजनाओं का निर्माण

रक्षामंत्री ने भारत के सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं का निर्माण 5,000 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और ये परियोजनाएं लद्दाख और जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेशों तथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम सहित सात राज्यों में फैली हुई हैं। इनमें 28 सड़कें, 93 पुल और चार अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

विशाल गीता पाठ में लाखों लोग शामिल

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों से साधुओं एवं साध्वियों सहित लाखों श्रद्धालुओं ने कोलकाता के ''ब्रिगेड परेड ग्राउंड'' में आयोजित भागवत गीता पाठ समारोह में भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि भगवा वस्त्र पहने भिक्षुओं ने कार्यक्रम स्थल पर गीता की प्रतियों से एक स्वर में श्लोक पढ़ा। इस कार्यक्रम में भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व प्रमुख सुकांत मजूमदार, पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी और विधायक अग्निमित्र पॉल सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। स्वामी प्रदीप्तानंद तथा धीरेंद्र शास्त्री सहित प्रमुख हस्तियां भी समारोह में शामिल हुई।

''पंच लाखो कोंठे गीता पाठ'' (एक साथ पांच लाख गीता पाठ) नामक इस कार्यक्रम का आयोजन सनातन संस्कृति संसद द्वारा किया गया जो विभिन्न मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों के भिक्षुओं और आध्यात्मिक नेताओं का समूह है। बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं सहित उत्साही भीड़ ने शंखनाद और जयघोष के बीच भगवान कृष्ण का नाम जपते हुए जयकारे लगाए। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सभा को संबोधित करते हुए भागवत गीता का पाठ किया तथा शांति और अहिंसा की बात की। प्रदीप्तानंद ने कहा कि लाखों लोगों का एकत्रित होना स्वतःस्फूर्त था और इसमें किसी राजनीतिक दल की कोई भूमिका नहीं थी।

कोलकाता में आयोजित गीता पाठ में शामिल साधु–संत।

कबीर करेंगे एक लाख लोगों संग कुरान ख्वानी

टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को कहा कि वह फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' (कुरान पढ़ना) का आयोजन करेंगे। मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद की नींव रखने वाले कबीर ने कहा कि वह सभी प्रतिभागियों को मांस और चावल का भोज देंगे। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में कहा कि मैं फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' करूंगा। इसके बाद मस्जिद का निर्माण होगा।

लोकसभा में चर्चा के दौरान नेहरू की असलियत आएगी सामने : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा- कांग्रेस ने पटेल, आंबेडकर, बोस की विरासत को समाप्त करने की कोशिश की**

भाजपा ने रविवार को कहा कि राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' की वर्षगांठ पर लोकसभा में होने वाली चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू की ''असलियत'' सामने आ जाएगी। पार्टी ने सोनिया गांधी के इस आरोप को लेकर उन पर निशाना साधा कि सत्तारूढ़ गठबंधन का मुख्य उद्देश्य नेहरू को बदनाम करना है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सिर्फ नेहरू की विरासत को जीवित रखने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. भीम राव आंबेडकर और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं की विरासत को समाप्त करने का प्रयास किया। उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष से नेहरू-गांधी परिवार को बढ़ावा देना बंद करने को कहा। पुरी से भाजपा सांसद ने दिल्ली में कहा कि जहां तक नेहरू की विरासत को खत्म करने का सवाल है, तो 'नेशनल हेराल्ड' मामले में जमानत पर बाहर आए तथाकथित वर्तमान गांधी परिवार के अलावा उनकी विरासत को सबसे बेहतर तरीके से कौन खत्म कर सकता है। उनका इशारा सोनिया और उनके बेटे राहुल गांधी की ओर था। गांधी परिवार का नाम लिए बिना पात्रा ने कहा कि हाल में उनके खिलाफ 'नेशनल हेराल्ड' पर कथित रूप से कब्जा करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। 'नेशनल हेराल्ड' की शुरुआत नेहरू ने की थी।

पात्रा ने कहा कि अगर वे नेहरू की विरासत को कलंकित नहीं कर रहे हैं, तो फिर ऐसा करने की कोशिश कौन कर रहा है? जब कल संसद में 'वंदे मातरम' पर चर्चा होगी, तो मुझे लगता है कि नेहरू जी की असलियत सभी के सामने आ जाएगी, वह फिर से बेनकाब हो जाएंगे।

वांगचुक की पत्नी की याचिका पर आज होगी शीर्ष सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत उनके पति को हिरासत में लिए जाने को अवैध और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाली मनमानी कार्रवाई बताया गया है। इस मामले की सुनवाई संभवतः न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ करेगी।

पीठ ने 24 नवंबर को मामले की सुनवाई उस वक्त टाल दी थी जब केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वांगचुक की पत्नी के जवाब पर अपना पक्ष रखने (रिज्वाइंडर) के लिए मोहलत मांगी। शीर्ष अदालत ने 29 अक्टूबर को वांगचुक की पत्नी की संशोधित अर्जी पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। संशोधित अर्जी के मुताबिक, हिरासत का आदेश पुरानी प्राथमिकी, अस्पष्ट आरोपों और अनुमानों पर आधारित है, इसका हिरासत के कथित आधारों से कोई सीधा या करीबी संबंध नहीं है और इसलिए इसका कोई कानूनी या तथ्यात्मक औचित्य नहीं है...।

जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को नकारा : शाह

- **केंद्रीय गृहमंत्री ने किया कई परियोजनाओं का शिलान्यास**

अहमदाबाद, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के हर कोने में जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को खारिज कर दिया। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के आगामी चुनावों में जनता के समर्थन से बड़ी जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा की कि 2029 विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों और 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, अहमदाबाद 2036 ओलंपिक की भी मेजबानी करेगा।

1,500 करोड़ में बने तीन खेल परिसर सहित कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अहमदाबाद नगर निगम के कार्यक्रम में शाह ने कहा कि भाजपा और उसके गठबंधन सहयोगियों ने बिहार में हाल के विधानसभा चुनावों में दो तिहाई बहुमत हासिल करके अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा तथा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी बड़ी जीत दर्ज करेंगे, जहां अगले साल चुनाव होने हैं। शाह ने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव से लेकर 2025 तक...यह भाजपा के लिए लगातार जीत का समय रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में हमारे नेता नरेन्द्र भाई लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और कई दशकों के बाद एक रिकॉर्ड बनाया।

अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोगों से मिलते केंद्रीय मंत्री अमित शाह।

2030 में राष्ट्रमंडल और 36 में ओलंपिक की करेंगे मेजबानी

अहमदाबाद के लोगों से शाह ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार रहने की अपील की। शाह ने कहा कि खेल सुविधाओं, कोचिंग व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, शहर के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और आवास सुविधाओं को देखते हुए, 2030 राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद में होंगे।'' उन्होंने कहा, ''यह भी तय हो गया है कि 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल शहर में आयोजित किए जाएंगे। अहमदाबाद में 13 अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होने हैं। और तैयार हो जाइए, क्योंकि 2036 ओलंपिक भी अहमदाबाद में ही आयोजित होंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी से निकले लावा के तीन फव्वारे

होनोलुलु। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने रविवार को कहा कि हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी में 38वें विस्फोट के दौरान लावे के तीन फव्वारे फूटे हैं जिनमें से एक फव्वारा 1,200 फीट की ऊंचाई तक जा रहा है। मौजूदा विस्फोट के दौरान पहली बार लगभग बराबर आकार के तीन फव्वारे फूट निकले हैं। यूएसजीएस ने कहा, वर्तमान में तीनों छिद्रों से फव्वारे निकल रहे हैं। दक्षिणी फव्वारा लगभग 1200 फीट ऊंचा है जबकि दो फव्वारे 500 फीट के आस पास हैं। इन फव्वारों में से दो उत्तरी छिद्र से और एक दक्षिणी छिद्र से है। यह तिहरा फव्वारा एक अत्यंत दुर्लभ घटना है और इस विस्फोट के दौरान ऐसा पहली बार देखा गया है। किलाउआ विश्व के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है। यह हवाई द्वीप के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित है।

अमेरिका का नशीले पदार्थों के विरुद्ध अभियान ढोंग: क्यूबा

हवाना। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने कहा कि होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज को दी गई माफी यह दर्शाती है कि अमेरिकी सरकार की ओर से घोषित नशीले पदार्थों के विरुद्ध युद्ध एक ढोंग है। नशीले पदार्थों की तस्करी और अन्य आरोपों में संयुक्त राज्य अमेरिका में 45 साल जेल की सजा पाने वाले हर्नांडेज को ट्रंप प्रशासन से आधिकारिक माफ़ी मिलने के बाद सोमवार को रिहा कर दिया गया था। रोड्रिगेज ने शनिवार को कहा कि अमेरिका का तथाकथित ड्रग-विरोधी अभियान वेनेजुएला की वैध सरकार को उखाड़ फेंकने का एक बहाना है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह माफी अमेरिकी सरकार और उसकी एजेंसियों की नशीले पदार्थों के एक विशाल बाजार के साथ मिलीभगत को उजागर करती है, जो उनके ही अपने ही देश में लाखों लोगों की जान ले रहा है।

अमेरिका से 32 एफ-35 लाइटनिंग-2 खरीदेगा रोमानिया

चिसिनाउ। रोमानिया अमेरिका से 6.5 अरब डॉलर में 32 एफ-35 लाइटनिंग-2 विमान खरीदने जा रहा है। रोमानियाई रक्षा मंत्रालय की डिफेंस रोमानिया न्यूज वेबसाइट ने एक रिपोर्ट में कहा कि यह देश के इतिहास का सबसे महंगा समझौता होगा। एफ-35 खरीद कार्यक्रम को पूरी तरह रक्षा मंत्रालय के बजट से फंड दिया जाएगा। इसे पहले ही राष्ट्रीय रक्षा की सर्वोच्च परिषद से मंज़ूरी मिल चुकी है। अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद यह सौदा दस्तावेज़ीकरण के आखिरी चरण में है। इससे पूर्व, रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रोमानियाई सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण दो चरणों में किया जाएगा।

भारत हमास को आतंकी संगठन घोषित करे तो पड़ेगा बड़ा प्रभाव

यरुशलम, एजेंसी

- इजराइली विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा- दोनों देशों के बीच सहयोग के अनंत अवसर

इजराइली अधिकारी ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना को बेहतरीन करार दिया और कहा कि इजराइल और भारत के बीच संबंध बेहद मजबूत हैं तथा दोनों देशों के बीच सहयोग के अनंत अवसर मौजूद हैं।

इजराइली विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, इजराइल भारत के साथ-साथ बाकी दुनिया पर भी हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए दबाव डाल रहा है। अधिकारी ने कहा कि भारत अगर हमास को सूचीबद्ध करता है तो इसका एक मजबूत वैश्विक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, इजराइल और भारत के बीच संबंध बहुत मजबूत है और ये और भी मजबूत होते जा रहे हैं, नागरिक के साथ ही सैन्य और रक्षा सहयोग के संदर्भ में भी।

विदेश मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के पास साथ मिलकर काम करने के अनंत अवसर हैं। आईएमईसी परियोजना के बारे में अधिकारी ने कहा, इजराइल के लिए यह एक बहुत ही अच्छी पहल। हम इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। फिलहाल, दो देश ऐसे हैं जो हस्ताक्षरकर्ता नहीं हैं - जॉर्डन और इजराइल।

इंडिगो संकट के कौन जिम्मेदार

भारतीय विमानन क्षेत्र के इतिहास में 2 दिसंबर 2025 का दिन काले अध्याय के रूप में जुड़ गया। इसी दिन से देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ानें रद्द होनी शुरू हुईं और यह सिलसिला अब तक बरकरार है। इस बीच हर दिन सैकड़ों उड़ानें रद्द होने से देश-विदेश के हजारों यात्री देश के अलग-अलग हवाई अड्डों पर फंस गए। कुछ यात्रियों को जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई असंभव थी। इस पूरे घटनाक्रम से पूरी दुनिया में भारतीय विमानन की साख धराशायी हो गई, हैरतअंगेज यह भी रहा कि कोई जिम्मेदारी लेने आगे नहीं आया। इस घटनाक्रम ने भारत में हवाई यात्रा के नए जोखिमों की ओर भी इशारा किया है। सरकार ने अपने कुछ उन फैसलों को रद्द किया है जिन्हें संकट का प्रमुख कारण कहा गया, लेकिन इसे भविष्य में दोबारा ऐसा संकट खड़ा न होने की गारंटी नहीं माना जा रहा है।

हवाई यात्रा के नए जोखिम

संकट के प्रमुख कारण

- डीजीसीए की ओर से पायलटों के आराम के घंटे बढ़ाने और उड़ान के घंटों को सीमित करने के सख्त नियमों से एयरलाइन के रोस्टर पर प्रभाव पड़ा।
- इंडिगो ने महीनों बाद भी पर्याप्त पायलटों और चालक दल की भर्ती नहीं की, जिसके चलते नियमों के लागू होते ही कर्मचारियों की भारी कमी हो गई।
- एयरलाइन ने लागत कम करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी रखने में रुचि नहीं दिखाई और नए नियमों के अनुसार परिचालन में विफल हो गई।

जिम्मेदारी और सवाल

- डीजीसीए ने सीधे तौर पर इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को योजना, निरीक्षण और संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण चूक के लिए जिम्मेदार ठहराया है।
- एयरलाइन अपने मौजूदा नेटवर्क के लिए नए मानदंडों के तहत जरूरी चालक दल की संख्या का सही अनुमान लगाने और प्रबंधन करने में विफल रही।
- विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि डीजीसीए को नियमों को चरणबद्ध तरीके से लागू करते समय एयरलाइंस की तैयारियों पर बेहतर निगरानी रखनी चाहिए थी।
- भारतीय विमानन बाजार में गहरी संरचनात्मक विफलता, जहां तीव्र विकास के साथ बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन में निवेश तालमेल नहीं बैठा पाए हैं।

भविष्य के जोखिम

- भारत के घरेलू यात्री यातायात में इंडिगो की 60% से अधिक हिस्सेदारी है, इस एयरलाइन में कोई भी व्यवधान बड़े प्रभाव छोड़ सकता है।
- यह एकाधिकार और प्रणालीगत विफलता का उदाहरण है, एक एयरलाइन पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य में फिर संकट खड़ा कर सकती है।
- ताजा संकट के दौरान छोटे मार्गों पर भी टिकट की कीमतें 1.5 लाख रुपये से अधिक हो गईं, इससे यात्रियों के शोषण की मंशा उजागर हुई।
- पायलट यूनियनों और पूर्व नियामकों ने आरोप लगाया है कि एयरलाइन प्रबंधन ने परिचालन व्यवस्था की कीमत पर स्टाफ के हित की अनदेखी की।

अंतर्राष्ट्रीय छवि पर प्रभाव

- हवाई अड्डों पर फंसे यात्रियों और अव्यवस्था के वीडियो सोशल मीडिया के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वायरल हुए।
- भारतीय विमानन पारिस्थितिकी तंत्र की कमजोरी उजागर हुई जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए किस्म की चिंताएं पैदा हुईं।
- विदेशी यात्रियों और एयरलाइनों के बीच भारतीय घरेलू बाजार की विश्वसनीयता पर सवाल उठने की आशंका भी पैदा हुई।

बेनिन में सैनिक विद्रोह, तख्तापलट करने की कोशिश विफल, गोलीबारी

सरकारी टीवी पर राष्ट्रपति को हटाने का एलान, सशस्त्र बलों ने पाया नियंत्रण

कॉन्टोनू, एजेंसी

पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बेनिन में रविवार को घोषित तख्तापलट को विफल कर दिया गया है। सैनिकों के एक समूह ने इससे पहले विद्रोह शुरू करते हुए सरकारी टीवी पर आकर राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को बर्खास्त करने का एलान किया। इस बीच राष्ट्रपति आवास के पास गोलीबारी भी हुई लेकिन बाद में गृहमंत्री ने घोषणा की कि तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम कर दिया गया है।

गृह मंत्री अलास्साने सेइदोउ ने कहा, रविवार, सात दिसंबर, 2025 की सुबह, सैनिकों के एक छोटे समूह ने देश और उसकी संस्थाओं को अस्थिर करने के उद्देश्य से विद्रोह शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, बेनिनी के सशस्त्र बल और उनका नेतृत्व गणतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध रहे और इस स्थिति का सामना किया। उन्होंने तख्तापलट की कोशिशों को विफल कर दिया है। पश्चिम अफ्रीकी देशों में सिलसिलेवार तरीके से तख्तापलट होते रहे हैं। इस सिलसिले में यह सबसे ताजा मामला है।

इससे पहले बेनिन में सैनिकों के एक समूह ने सरकारी टीवी पर संबोधन के जरिए सरकार के तख्तापलट की घोषणा की थी। खुद को 'मिलिट्री कमेटी फॉर रीफाउंडेशन' कहने वाले सैनिकों के समूह ने राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को हटाए जाने की घोषणा की। समूह ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल पास्कल तिगरी को सैन्य समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सरकारी टीवी पर तख्तापलट का एलान करते बेनिन की सेना के अधिकारी।

आजादी मिलने के बाद कई बार हो चुके हैं तख्तापलट

वर्ष 1960 में फ्रांस से आजादी मिलने के बाद पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बेनिन ने तख्तापलट की कई घटनाओं को देखा है। ताजा घटनाक्रम में राष्ट्रपति पैट्रिस टैलोन 2016 से सत्ता में थे और अगले साल अप्रैल में राष्ट्रपति चुनाव के बाद उन्हें पद छोड़ना था। टैलोन की ही पार्टी के उम्मीदवार, पूर्व वित्त मंत्री रोमुआल्ड वडाग्नि को चुनाव जीतने की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। देश में तेज होती राजनीतिक सरगर्मियों के बीच विपक्षी उम्मीदवार रेनॉड अगबोडजो की उम्मीदवारी को निर्वाचन आयोग ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि उनके पास पर्याप्त प्रायोजक नहीं थे। इस घटना के बाद से बेनिन में राजनीतिक उथलपुथल बढ़ने लगी थी। पिछले महीने देश की विधायिका ने राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष से बढ़ाकर सात वर्ष कर दिया था तथा कार्यकाल सीमा दो ही रखी थी। इससे राजनीतिक उथलपुथल ने और जोर पकड़ा। इसी के बाद नतीजा अचानक तख्तापलट की कोशिशों के रूप में सामने आया।

- अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से पश्चिमी अफ्रीकी राज्यों का आर्थिक समुदाय और अफ्रीकी संघ, इस घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहा है। यह प्रयास ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रपति टैलोन अगले साल अप्रैल में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के बाद पद छोड़ने वाले थे। इस घटना से बेनिन में लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

राष्ट्रपति आवास पर तड़के हमला, राष्ट्रीय चैनल पर किया कब्जा

तख्तापलट के प्रयास की शुरुआत राजधानी पोर्टो-नोवो में राष्ट्रपति तालोन के आधिकारिक आवास पर तड़के हुए हमले से हुई। इसके तुरंत बाद, खुद को 'पुनर्निर्माण के लिए सैन्य समिति' कहने वाले सैनिकों ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर कब्ज़ा कर लिया और राष्ट्रपति तालोन को सत्ता से बेदखल करने की घोषणा कर दी। साल 2016 से सत्ता में शीर्ष पर रहे राष्ट्रपति तालोन के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। इससे देश के शासक की वास्तविक स्थिति को लेकर भ्रम बना हुआ है। हालांकि, इन्हीं खबरों के बीच राष्ट्रपति पैट्रिस तालोन के कार्यालय की ओर से एक बयान में रविवार को दावा किया गया कि वे सुरक्षित हैं और सरकारी बलों ने स्थिति पर काबू पाने के साथ तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। बेनिन के गृह मंत्रालय ने कहा कि देश में तख्तापलट का प्रयास किया गया था लेकिन सेना की मदद से इसे नाकाम कर दिया गया। इस बीच, राजधानी में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। कुछ खबरों में कहा गया है कि राष्ट्रपति आवास के पास स्थित 'कैंप गेज़ो' में गोलीबारी हुई है। पूरे दिन स्थिति साफ नहीं हो सकी। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की ओर से इस स्थिति पर चिंता जताई गई है।

शंघाई में अत्याधुनिक भवन में पहुंचा भारत का वाणिज्य दूतावास

बीजिंग। भारत ने शंघाई स्थित अपने वाणिज्य दूतावास के नए अत्याधुनिक भवन का रविवार को उद्घाटन किया। भारत ने चीन के मुख्य व्यापारिक केंद्र स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को 32 साल में पहली बार दूसरे भवन में स्थानांतरित किया है।

शंघाई वाणिज्य दूतावास चीन के पूर्वी क्षेत्र में भारत के तेजी से बढ़ते व्यापारिक समुदाय की सेवा करता है, जहां यिवू जैसे शीर्ष व्यापार और व्यवसाय केंद्र है, जहां बड़ी संख्या में भारतीय व्यवसाय मौजूद हैं। चांगनिंग जिले के प्रमुख डॉनिंग सेंटर में 1,436.63 वर्ग मीटर में फैले विशाल नए वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने किया। यह भवन पिछले भवन के आकार की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। वाणिज्य दूतावास 8 दिसंबर को नए परिसर से काम शुरू कर देगा। रावत ने 1992 के बाद पहली बार वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि भारत और चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी लड़ाकू विमानों को निशाने पर लिया, तनाव और बढ़ा

टोक्यो, एजेंसी

- जापान ने चीन के समक्ष जताया विरोध, खतरनाक कृत्य बताया

चीनी विमानवाहक पोत लिया ओनिंग से उड़ान भरने वाले सैन्य विमान ने जापान के ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' कर दिया, इस पर जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस घटना से दोनों देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और गहराता दिखने लगा है।

रडार लॉक का मतलब है कि किसी सैन्य विमान का अपने रडार को दूसरे विमान या लक्ष्य पर इस तरह केंद्रित करना कि वह उसकी सटीक स्थिति, गति और दिशा पर लगातार नजर रख सके। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के सैन्य विमान जे-15 ने शनिवार को दो अलग-अलग समय में जापानी एफ-15 लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। मंत्रालय ने कहा कि एक बार दोपहर में तीन मिनट के लिए और फिर शाम को लगभग 30 मिनट के लिए ऐसा किया गया।

मंत्रालय के अनुसार, चीनी विमान से उन जापानी लड़ाकू विमानों पर रडार लॉक किया जिन्होंने चीन की ओर से हवाई क्षेत्र के संभावित उल्लंघन के खिलाफ उड़ान भरी थी। मंत्रालय ने कहा कि जापानी हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और इस घटना से कोई नुकसान होने की भी सूचना नहीं मिली। यह स्पष्ट नहीं है कि रडार लॉक करने की घटना में दोनों बार वही चीनी जे-15 विमान शामिल था या नहीं।

जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने रविवार की सुबह पत्रकारों से कहा कि जापान ने चीन के समक्ष विरोध जताया है और इसे एक खतरनाक कृत्य करार देते हुए कहा कि यह सुरक्षित विमान संचालन के नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा, ऐसी घटना का होना अत्यंत निंदनीय है। हमने चीनी पक्ष के समक्ष सख्त विरोध जताया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने मांग की है।

अमूर्त विरासत संस्कृति की सबसे ज्यादा लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति : जयशंकर

लाल किला परिसर में यूनेस्को की बैठक में बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि परंपराएं, भाषाएं, संगीत, शिल्प कौशल और अमूर्त विरासत के अन्य रूप कई मायनों में संस्कृति की सबसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति हैं, जो सभी की साझा संपत्ति होती हैं और कई लोग इसका संरक्षण करते हैं।

यहां लाल किला परिसर में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण पर यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण बैठक के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन के दौरान जयशंकर ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से कहा कि शांति और समृद्धि की साझा खोज में विरासत को पोषित करना और उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईसीएच) का 20वां सत्र आठ से 13 दिसंबर तक लाल किले में आयोजित होगा।

यह पहली बार है कि भारत यूनेस्को पैनल के किसी सत्र की मेजबानी कर रहा है। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के महानिदेशक खालिद अल-एनानी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा उपस्थित थे। मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा निर्मित लाल किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और एएसआई द्वारा संरक्षित एक स्मारक है।

दिल्ली में यूनेस्को की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर।

शांति वार्ता के बीच रूस ने यूक्रेन की रोवनोये बस्ती पर भी किया कब्जा

मॉस्को, एजेंसी

रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसके त्सेन्ट्र बैटलग्रुप ने यूक्रेन की रोवनोये बस्ती पर कब्जा कर लिया है। यह समूह दिमित्रोव में यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई कर रहा है और डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक में ग्रिशिनो क्षेत्र को सैनिकों से मुक्त करा रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि त्सेन्ट्र बैटलग्रुप की इकाइयों ने 'डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक की रोवनोये बस्ती को आजाद कराने का काम पूरा कर लिया है। रूसी सेना ने इस क्षेत्र के एक और गांव को घेर लिया है। बैटलग्रुप ने दावा किया है कि शनिवार को विभिन्न मोर्चों पर उसके अभियान में 480 यूक्रेनी सैन्यकर्मी मारे गए हैं। गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है, जबकि युद्ध खत्म करने के लिए शांति वार्ता तेज हो गई है, जिसमें मियामी में यूक्रेन-अमेरिका के बीच विस्तृत बातचीत भी शामिल है।

रूसी हमलों में एक की मौत: रविवार रात रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में यूक्रेन में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच तीसरे दिन की वार्ता समाप्त हो गई है।

बंकरों-चौकियों के निर्माण में सेना ने शुरू किया थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

गंगटोक, एजेंसी

- भूभाग डिजाइन ,उन्नत छलावरण जरूरतों के अनुरूप है ये तकनीक

भारतीय सेना ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद के सहयोग से सिक्किम के अग्रिम इलाकों में बंकरों, संतरी चौकियों और सुरक्षात्मक संरचनाओं के त्वरित निर्माण के लिए 'ऑन-साइट थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग' प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। रक्षा विभाग की ओर से यह जानकारी दी गई।

रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि यह क्षमता पहले ही अन्य अभियानगत क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता साबित कर चुकी है और अब सिक्किम के 'त्रिशक्ति कोर' ने इसका प्रभावी उपयोग शुरू किया है। बयान में कहा गया, स्वदेशी 'रोबोटिक थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटर' रोबोटिक आर्म, सर्कुलर मिक्सर, पिस्टन पंप और जनरेटर से लैस है। इसे वाहनों से पहाड़ी इलाकों में तीव्र गति से लाया-ले जाया जा सकता है।

बयान में कहा गया है कि थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग अनुकूलित डिजाइन, विस्फोट और बैलिस्टिक प्रतिरोध में वृद्धि, अधिक दाब-सहनशीलता, बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण, स्थानीय सामग्री के प्रभावी उपयोग और सामरिक रूप से स्वीकार्य समय-सीमा के भीतर तेज निर्माण सहित कई परिचालन लाभ प्रदान करती है। यह भू-भाग-विशिष्ट डिजाइन और उन्नत छलावरण आवश्यकताओं के भी अनुरूप है।

कहा गया है कि चुनौतीपूर्ण इलाकों में तेज, टिकाऊ और मिशन-केंद्रित आधारभूत संरचना विकसित करने में सक्षम 'ऑन-साइट 3डी प्रिंटिंग' का निरंतर उपयोग सेना की इंजीनियरिंग और परिचालन क्षमता में एक महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 8 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी 16.03 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

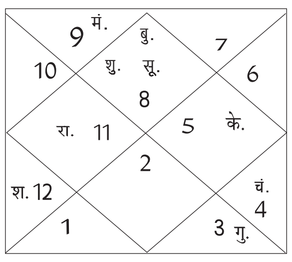

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 09 दिसंबर 02.52 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष – आज दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान कर सकता है। रिश्तेदारों के कारण कुछ तनाव हो सकता है। अपशब्दों का बिल्कुल प्रयोग न करें।

वृष – आज घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। व्यवसाय में सहयोगियों का साथ मिलेगा।

मिथुन – आज आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

कर्क – आज प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी। पुराने रुके हुए कार्य प्रारंभ हो सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। पिता के साथ चर्चा व उनका आशीर्वाद लेना उत्तम होगा।

सिंह – आज आपके ऊपर कार्यभार की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा।

कन्या – आज फाइनेंस से जुड़े मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके खर्चों में कमी आएगी। व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है।

तुला – आज सहकर्मियों के साथ आपकी दोस्ती बढ़ सकती है। रुचि पूर्ण कार्य करने के अवसर मिलेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

वृश्चिक – आज आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। दोस्तों के साथ बिजनेस पार्टनरशिप को लेकर चर्चा हो सकती है। धीमी गति से आपके काम बनते प्रतीत होंगे। बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय अधिक व्यर्थ करेंगे।

धनु – आज आप कोई नया कार्य आरंभ करने से बचें। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी, इसीलिए बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है।

मकर – आज तनाव के बावजूद कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहेगा। आप कई लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे। आपके प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। सामाजिक संपर्क में वृद्धि होगी।

कुंभ – आज आपका दिन अत्यंत व्यस्त रहेगा। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। वकालत की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकते हैं।

मीन – आज प्रेमी जन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध और भी घनिष्ट व मधुर होंगे। अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें। मित्रों के भरोसे अपने महत्वपूर्ण काम न छोड़ें।

सुडोकू -184

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			3	4				
4			1					
				9				
2								
				2				
	1							
		5	8					

सुडोकू - 183 का हल

1	9	2	3	7	4	5	6	8
7	8	4	6	2	5	1	9	3
5	6	3	1	8	9	7	4	2
4	7	1	2	6	8	9	3	5
8	2	9	7	5	3	4	1	6
3	5	6	4	9	1	2	8	7
9	4	5	8	3	7	6	2	1
2	3	7	9	1	6	8	5	4
6	1	8	5	4	2	3	7	9

“जरूरत से ज्यादा अभ्यास करना इंग्लैंड को भारी पड़ा। टीम के लिए एशेज की ऐतिहासिक ट्रॉफी को हासिल करने के लिए सीरीज के बचे हुए तीनों टेस्ट मैचों को जीतना जरूरी है।
–ब्रेंडन मैकुलम, इंग्लैंड के मुख्य कोच

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
बरेली, सोमवार, 8 दिसंबर 2025

हाईलाइट

निशानेबाजी विश्व कप में सिमरनप्रीत ने जीता स्वर्ण पदक

दोहा : युवा सिमरनप्रीत कौर बरार ने रविवार को यहां मुश्किल मुकाबले में जीत हासिल करके महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अपने पदार्पण में रजत पदक अपने नाम किया। ऐश्वर्य ने इस तरह इस खेल में सभी संभावित विश्व और महाद्वीपीय चैंपियनशिप में पदकों का सेट पूरा कर लिया। इस साल की शुरुआत में लीमा में विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली सिमरनप्रीत के पिता ने अपनी बेटी के लिए सरकारी नौकरी छोड़ दी थी। इस निशानेबाज ने फाइनल में 41 का शानदार स्कोर बनाकर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की और अपने माता-पिता को फक्र महसूस कराया।

टेनिस से संन्यास लेंगी सोराना सिर्स्टिया

बुखारेस्ट (रोमानिया) : रोमानिया की महिला टेनिस खिलाड़ी सोराना सिर्स्टिया ने सोशल मीडिया मंच पर कहा है कि वह 2026 सीजन के बाद टेनिस से संन्यास लेगी। 35 साल की रोमानियाई खिलाड़ी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि डब्लयूटीए टूर पर उनका 20वां सीजन का आखिरी साल होगा। सिर्स्टिया ने लिखा मुझे टेनिस बहुत पसंद है। मुझे इसका अनुशासन, रूटीन, कड़ी मेहनत पसंद है। मुकाबला और एड्रेनालाईन मेरी आत्मा को एनर्जी देते हैं। लेकिन जिंदगी में हर चीज की तरह, इसका भी अंत होना है।

सारस्वत ने जीता पहला सुपर 100 खिताब

गुवाहाटी : राजस्थान के संस्कार सारस्वत ने रविवार को यहां गुवाहाटी मास्टर्स के पुरुष एकल फाइनल में मिथुन मंजूनाथ को तीन गेम में हराकर अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता। जोधपुर के 19 वर्षीय खिलाड़ी ने स्मैश की बौछार करके पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मंजूनाथ को 21-11, 17-21, 21-13 से हराया। भारतीय खिलाड़ियों के बीच यह फाइनल 50 मिनट तक चला। हालांकि विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा को महिला एकल फाइनल में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग से 18-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह उप विजेता रहीं।

मेहंदी की रस्म के दौरान की तस्वीर। फाइल फोटो

मंधाना और पलाश ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को घोषणा की कि उनकी शादी रद्द कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से अटकलों पर विराम लगाने का आग्रह किया, जबकि संगीतकार पलाश मुच्छल ने पुष्टि की कि उन्होंने रिश्ते से आगे बढ़ने का फैसला किया है। मुच्छल ने अपमानजनक अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें तेज होने के बाद

- निजता बनाए रखने की अपील की, 23 नवंबर को होनी थी शादी

सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया। मंधाना ने लिखा मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं।

मैंने आगे बढ़ने का फैसला किया है : मुच्छल

मंधाना की पोस्ट के तुरंत बाद पलाश मुच्छल ने भी बयान जारी किया, जिसमें पुष्टि की गई कि उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा को आधारहीन करार देते हुए इस पर दुख भी व्यक्त किया। मुच्छल ने कहा मैंने अपने जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल रहा है कि जो चीज मेरे लिए सबसे पवित्र है उसको लेकर लोग निराधार अफवाहों पर इतनी सहजता से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने लिखा यह मेरे जीवन का सबसे मुश्किल दौर है और मैं अपने विश्वास पर कायम रहते हुए इसका सामना करूंगा। मुछाल ने लोगों से आग्रह किया कि वे असत्यापित दावों को बढ़ावा देने से पहले विचार करें।

मंधाना की 23 नवंबर को मुच्छल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है। खुद को एक बेहद निजी इंसान करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें और उन्हें इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें। भारत के आगामी अंतर्राष्ट्रीय सत्र की तैयारी कर रही मंधाना ने कहा कि उनका ध्यान पूरी तरह से क्रिकेट पर है।

उन्होंने कहा मेरा मानना है कि हम सभी का (जीवन में) एक बड़ा उद्देश्य होता है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है। मुझे उम्मीद है मैं लंबे समय तक भारत के लिए खेलती रहूंगी।

युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन अविश्वसनीय

मुख्य कोच गौतम गंभीर बोले- सीनियर खिलाड़ियों के अलावा अन्य की भी प्रशंसा जरूरी

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव टीम के लिए काफी मायने रखता है, लेकिन इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अविश्वसनीय रहा है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई एकदिवसीय श्रृंखला में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया जबकि रोहित में दो अर्धशतक जमाकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

गंभीर ने उम्मीद जताई कि दोनों दिग्गज खिलाड़ी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्होंने तीसरे और अंतिम वनडे में भारत की नौ विकेट से जीत के बाद पत्रकारों से कहा वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैंने कई बार कहा है कि वे विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। वे इस प्रारूप के बेहतरीन खिलाड़ी हैं और ड्रेसिंग रूम में उनका अनुभव वास्तव में बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा वे वही कर रहे हैं जो वे करते रहे हैं। वे भारतीय क्रिकेट के लिए इतने लंबे समय से ऐसा प्रदर्शन करते

टी-20 क्रिकेट मैच से पहले भुवनेश्वर एयरपोर्ट पहुंचे कोच गौतम गंभीर। एजेंसी

आ रहे हैं। उम्मीद है कि वे आगे भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को विश्राम दिए जाने तथा शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की चोट के कारण अनुपस्थिति ने भारत को कुछ युवा खिलाड़ियों के कौशल को परखने का मौका दिया।

गंभीर हर्षित राणा के गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरने से विशेष रूप से प्रसन्न थे। उन्होंने कहा हम हर्षित जैसे खिलाड़ी को इस तरह से तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं जो वास्तव में नंबर आठ पर बल्लेबाजी करते हुए अपना योगदान दे सके। हमें इसी तरह संतुलन बनाना होगा, क्योंकि दो साल बाद (2027 वनडे विश्व कप के लिए) दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हमें तीन अच्छे तेज गेंदबाजों की भी ज़रूरत होगी। अगर वह एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खुद को स्थापित करता है तो यह हमारे लिए अच्छा होगा। गंभीर भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के प्रदर्शन से प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा इस श्रृंखला में अर्शदीप, प्रसिद्ध और हर्षित का प्रदर्शन अविश्वसनीय रहा।

रोहित और कोहली के साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा : बांगड़

विशाखापत्तनम : भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन को देखते हुए उनके साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए और वनडे टीम में उनकी जगह को लेकर कभी भी बहस नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस सीनियर जोड़ी के 2027 विश्व कप तक फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने को लेकर भले ही संशय में हो सकते हैं, लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने पिछले छह वनडे मैचों में तीन शतक (कोहली के दो) और पांच अर्धशतक (रोहित के तीन) लगाकर बतला दिया है कि उनका कोई सानी नहीं है।

रोहित से मजाकिया बातचीत के बाद कुलदीप ने कहा, ‘डीआरएस लेने में गलत रहता हूं’

विशाखापत्तनम : बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के मामले में उनका आकलन सही नहीं होता है। उन्होंने यह बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले गए तीसरे वनडे के दौरान सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा के साथ डीआरएस को लेकर मजाकिया बातचीत के संदर्भ में कही जिसकी काफी चर्चा हो रही थी। पहली स्लिप में क्षेत्ररक्षण करते हुए रोहित ने कुलदीप को अपील करने और कप्तान केएल राहुल पर डीआरएस लेने का दबाव बनाने से रोकने के लिए कम से कम तीन बार हस्तक्षेप किया और इस दौरान वह मुस्कुरा रहे थे। कुलदीप ने बीसीसीआई के वीडियो में कहा साफ जाहिर है कि डीआरएस लेने के मामले में मेरा आकलन सही नहीं रहता। मुझे लगता है कि एक डीआरएस मेरे लिए आरक्षित रहता है। उन्होंने कहा एक गेंदबाज होने के कारण आपको हमेशा यह लगता है कि यह आपका विकेट है, यह आउट है। लेकिन रोहित भाई, केएल भाई, वे विकेट के पीछे खड़े होते हैं इसलिए उन्हें बेहतर अंदाजा होता है कि गेंद स्टंप्स को छोड़कर जा रही है या नहीं। गेंद की ऊंचाई और प्रभाव के बारे में उन्हें बेहतर जानकारी होती है।

बिस्बेन टेस्ट मैच जीतने के बाद जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की दूसरे टेस्ट में भी शानदार जीत

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ब्रिस्बेन टेस्ट

- एशेज शृंखला में इंग्लैंड के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल की

ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जीत के लिए 65 रन का लक्ष्य महज 10 ओवर में हासिल करते हुए इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर एशेज श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली।

चौथा दिन दोनों टीम के कप्तान के इर्द गिर्द रहा। इंग्लैंड ने जहां बेन स्टोक्स (50 रन) के अर्धशतक से दूसरी पारी में 241 रन बनाए। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने एक शानदार कैच लेकर मैच का रुख बदला और फिर विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में आगे किया। ऑस्ट्रेलिया ने 10 ओवर में दो विकेट पर 69 रन बनाकर जीत दर्ज की जिसमें स्मिथ ने जोफ्रा आर्चर के एक बाउंसर से बचने के बाद उन्हें और तेज गेंदबाजी करने को कहा। फिर उन्होंने बाउंड्री लगाकर अगली गेंद पर छक्का जड़ा और गाबा में 1,000 टेस्ट रन पूरे किए।

ऑस्ट्रेलियाई टीम तब दो विकेट पर 63 रन पर थी और जीतने के लिए सिर्फ दो रन चाहिए थे तो स्मिथ ने छक्का लगाकर मैच खत्म किया। वह नौ गेंद पर 23 रन बनाकर नाबाद रहे। जेक वेदरल्ड 17 रन बनाकर नाबाद रहे। गस एटकिंसन ने ट्रेविस हेड (22) और मार्नस लाबुशेन (3) के विकेट लिए। इंग्लैंड की हार के लिए कुछ रणनीतिक मुद्दे जिम्मेदार रहे जिसमें गेंदबाजी आक्रमण की लगातार सही लेंथ पर गेंदबाजी करने में विफलता, कैच छोड़ने तथा फिर से तेजी से खेलते हुए रन बनाने की कोशिश में विकेट गंवाने के लिए टीम की काफी आलोचना हुई है। स्टोक्स ने हालांकि संयम से खेलते हुए इंग्लैंड को बढ़त दिलाई लेकिन यह बहुत कम थी।

हम दबाव का सामना नहीं कर पाए हैं: स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली आठ विकेट से करारी हार पर कहा कि हम दबाव का सामना नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि हम कमजोर नहीं है और वापसी के लिए जरूरत पड़ने पर जोश दिखाना होगा। मैच के बाद स्टोक्स ने कहा कि हम मैच में दबाव का सामना नहीं कर पाये। इंग्लैंड को सीरीज में बने रहे के लिए और अधिक संघर्ष करना होगा।

ट्रॉफी के साथ इंटर मियामी की टीम। एजेंसी

मेसी ने इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी

- थॉमस मुलर के साथ प्रतिद्वंद्विता में लियोनेल ने बाजी मारी

थॉमस मुलर ने लियोनेल मेसी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है, लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली।

मुलर और मेसी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेसी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया।

मेसी ने मैच के बाद कहा तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।

मेसी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई। मेसी और मुलर दोनों ही विश्व कप और चैंपियंस लीग विजेता हैं।

साक्षात्कार

एफआईएच अध्यक्ष बोले- ओलंपिक की मेजबानी दूर की बात नहीं

भारत सरकार का फोकस खेलों पर : तैयब इकराम

चेन्नई, एजेंसी

भारत की मेजबानी में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी का दावा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा कि खेलों पर भारत सरकार के फोकस को देखते हुए ओलंपिक की मेजबानी अब दूर की बात नहीं है। भारत को दो दशक बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली है जो 2030 में अहमदाबाद में आयोजित होंगे जिसे 2036 ओलंपिक की भारत की दावेदारी पुख्ता करने के लिये एक अहम कदम माना जा रहा है। यहां जूनियर हॉकी विश्व कप से इतर भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में भारत की ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी के बारे में पूछने पर इकराम ने कहा, “हमें इस तरह की उम्मीदवारी पसंद है और यह अच्छा भी है क्योंकि इसमे अलग हितधारक और प्रतिस्पर्धी होंगे। राष्ट्रमंडल खेल 2030 भी भारत में हो रहे है।

उन्होंने कहा इस समय भारत सरकार का फोकस खेलों और खेलों की मेजबानी पर है लिहाजा ओलंपिक की मेजबानी बहुत दूर की बात नहीं है। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में बजट में कटौती के लिये कई खेलों को रोस्टर से हटाया गया है जिनमे हॉकी भी शामिल है

लेकिन एफआईएच अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी होगी। उन्होंने कहा अगले साल होने वाले खेल राष्ट्रमंडल खेल के लिये काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण हैं। लेकिन हॉकी राष्ट्रमंडल का हिस्सा रही है और हमेशा रहेगी। हमारी राष्ट्रमंडल खेल से लगातार अच्छी बातचीत हो रही है और 2030 में हॉकी की और मजबूती से वापसी होगी। व्यावसायिक दृष्टि से भारत को वैश्विक हॉकी का महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए एफआईएच अध्यक्ष ने कहा कि खेल को क्रिकेट या बाकी खेलों की तरह लोकप्रिय बनाने के लिये भारत बड़ा मंच है और यही वजह है कि यहां पिछले एक दशक में काफी वैश्विक हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किये गए हैं। भारत में 2016 पुरुष जूनियर विश्व कप (लखनऊ), 2014 चैम्पियंस ट्रॉफी (भुवनेश्वर), 2018 सीनियर पुरूष विश्व कप (भुवनेश्वर), 2023 सीनियर पुरुष विश्व कप (भुवनेश्वर और राउरकेला) के अलावा महिला और पुरूष एशिया कप और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी का भी आयोजन किया गया है।

इकराम ने कहा यह भारत ही नहीं बल्कि विश्व हॉकी के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा एफआईएच समानता, विविधता और समावेशिता का पक्षधर रहा है। यह हमारा प्रोजेक्ट और थीम है जो सिर्फ समान संख्या में अधिकारियों या खिलाड़ियों को लेकर नहीं है बल्कि सामर्थ्य निर्माण के बारे में भी है ताकि भविष्य में मजबूत महिला अधिकारी, खिलाड़ी और नायक निकल सके। यह एफआईएच की सशक्तिकरण और जुड़ाव की नीति के काफी करीब है।

भारत हॉकी का घर, यहां लोग खेलों से करते हैं प्यार

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा भारत हॉकी का घर हैं और यहां लोग खेलों से प्यार करते हैं। क्रिकेट यहां काफी लोकप्रिय है लेकिन भारत में एफआईएच और अन्य एशियाई टूर्नामेंटों की मेजबानी से दर्शक हॉकी की ओर भी आ रहे हैं। मेरे लिये यह बहुत अहम है कि हॉकी उस स्तर पर पहुंचे जहां क्रिकेट जैसे दूसरे खेल हैं। उन्होंने कहा भारत यह साबित करने के लिये सबसे बड़ा मंच है और यह हो रहा है। हमे सबसे ज्यादा दर्शक संख्या भारत से मिल रही है जो यह अपने आप में सब कुछ कहता है। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पहली बार महिला अंपायरों की नियुक्ति की गई है और इकराम ने इसे लैंगिक समानता की एफआईएच की मुहिम का अहम कदम बताया। उन्होंने कहा यह खेलों में महिला सशक्तिकरण की अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और संयुक्त राष्ट्र की मुहिम का हिस्सा है।

अर्जेंटीना पर रोमांचक जीत से स्पेन पहली बार फाइनल में

जूनियर हॉकी विश्व कप

चेन्नई, एजेंसी

स्पेन ने रविवार को यहां एक कड़े मुकाबले में दो बार के चैंपियन अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर पहली बार एफआईएच जूनियर विश्व कप फाइनल में जगह बनाई।

स्पेन ने मैच की शुरुआत में ही दबदबा बनाते होते हुए पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और मारियो मेना ने रिबाउंड पर गोल करके बढ़त बना ली। एक मिनट बाद अर्जेंटीना को भी अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वे इस मौके का फायदा नहीं उठा पाए। स्पेन ने अपना आक्रामक खेल जारी रखा और 17वें मिनट में एक शॉर्ट कॉर्नर हासिल किया जिसे अर्जेंटीना के गोलकीपर जोकिन एस रुइज ने शानदार तरीके से बचा लिया। अर्जेंटीना ने आखिरकार 21वें मिनट में पेनल्टी पर जुआन फर्नांडीज के गोल से बराबरी कर ली। स्पेन ने 56वें मिनट में अल्बर्ट सेराहिमा के गोल से मैच जीत लिया। वहीं, बेल्जियम ने पिछले चरण की उप विजेता टीम फ्रांस को 3-2 से हराकर पांचवें-छठे स्थान के लिए होने वाले क्लासिफिकेशन मैच में जगह बनाई। बेल्जियम के लिए मैथिस लॉवर्स, मैक्सिमिलियन लैंगर और ह्यूगो लाबुचेरे ने गोल किए।

अर्जेंटीना के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते स्पेन के खिलाड़ी। एजेंसी

जर्मनी से नहीं जीत पाई भारतीय टीम

भारतीय हॉकी टीम जूनियर विश्व कप के सेमीफाइनल में जर्मनी से 1-5 से हार गई। कांस्य पदक के लिए अर्जेंटीना से मुकाबला होगा।